सेंसेक्स 76,765.92 ● निफ्टी 23,985.35 ● डॉलर 95.86 ₹ ● सोना 1,40,330 ₹ ● चांदी 2,35,000 ₹

पेज 06 गुरु की महिमा, भारतीय संस्कृति... पेज 08 स्वास्थ्य केंद्रों में जांच किट...

पारा आपडेट
मैक्सिमम 28.00 | मिनीमम 23.00
सूर्यास्त (आज) 18.33
सूर्योदय (कल) 05.17

बोकारो से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

झारखंड दर्शन

हर खबर पर नजर

आषाढ़ शुक्ल पक्ष पूर्णिमा संवत 2083

पेज 12

RNI No. : JHAHIN/2018/76658 | बोकारो, बुधवार 29 जुलाई 2026 ● पृष्ठ : 12 मूल्य : 3/- रुपया ● वर्ष : 09 अंक : 29 | Email : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

झारखंड दर्शन के पाठकों व शुभेच्छुओं से आग्रह है कि किसी भी प्रकार के विज्ञापन देने के लिए आप फोन नंबर 9262578999 पर सम्पर्क कर सकते हैं। साथ ही अगर आप तक हमारे अखबार की प्रति नहीं पहुंच रही है तो भी उपरोक्त नंबर पर सम्पर्क कर सकते हैं।

प्रबंधक

आवश्यकता

हमारे हिंदी दैनिक झारखंड दर्शन को अपने लेखा विभाग के लिए एक योग्य और अनुभवी अकाउंटेंट और मार्केटिंग के लिए व्यक्ति की आवश्यकता है। इच्छुक व्यक्ति अपना रिज्यूमे इस ईमेल एवं फोन नंबर पर भेज सकते हैं।

email - jharkhanddarshan405@gmail.com
Phone - 91025 69636, 92625 78999

संक्षिप्त खबरें

गांदरबल में बस दुर्घटना में 39 अमरनाथ यात्री घायल

श्रीनगर। गांदरबल जिले के गुंड इलाके में मंगलवार को गनीवान के पास बस दुर्घटना में कम से कम 39 अमरनाथ यात्री घायल हो गए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अमरनाथ यात्रा की बस (एआर11 डी5655) हरिगनीवान के पास अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। बचाव दल, पुलिस, सीआरपीएफ, एसडीआरएफ और स्थानीय स्वयंसेवक तुरंत मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि इस हादसे में लगभग 39 यात्री घायल हुए और उन्हें इलाज के लिए पास के कंगन अस्पताल ले जाया गया। दो घायलों के सिर में चोट आई है। इस बीच पुलिस ने घटना का संज्ञान लिया है और दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

जापान में 7.1 तीव्रता का भूकंप, सुनामी की चेतावनी जारी

टोक्यो। जापान के क्यूशू द्वीप के कुमामोटो इलाके में मंगलवार को 7.1 तीव्रता का भूकंप आया। इसमें कई लोगों के घायल होने की आशंका है। भूकंप के बाद सुनामी की चेतावनी जारी की गयी है। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) के अनुसार, स्थानीय समयानुसार शाम 4:27 बजे आए इस भूकंप का केंद्र कुमामोटो प्रांत में लगभग 10 किलोमीटर की गहराई पर था। जेएमए ने एक मीटर तक ऊंची सुनामी की लहरें उठने की आशंका जताई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक क्यूशू द्वीप के बीचोंबीच स्थित इस प्रांत में आए भूकंप की तीव्रता जापानी भूकंपीय तीव्रता पैमाने पर उकी और हिकावा में अधिकतम 7 और आसपास के इलाकों में 6 से ज्यादा दर्ज की गई। स्थानीय अग्निशमन विभाग और बिजली कंपनी के अनुसार, भूकंप में कई लोगों के घायल होने की आशंका है, जबकि प्रांत में लगभग 48 हजार घरों में बिजली गुल हो गई। पड़ोसी कागोशिमा प्रांत में भी भूकंप की तीव्रता 5 से ज्यादा दर्ज की गयी, जबकि फुकुओका तथा सागा प्रांतों में 5 से कम रही।

भारत में अवैध रूप से रह रहा चीनी नागरिक गिरफ्तार

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोयडा में थाना बीटा- दो पुलिस ने बीती रात को एक सूचना के आधार पर एक चीनी नागरिक को गिरफ्तार किया है। यह भारत में अवैध रूप से रह रहा था। गिरफ्तार आरोपी से गुप्तचर एजेंसिया गहनता से पूछताछ कर रही है। थाना बीटा- दो के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि बीती रात एक सूचना के आधार पर थाना पुलिस ने एनआरआई सिटी के पास से एक चीनी नागरिक सॉन्ग जियाओमी को गिरफ्तार किया है। उसकी उम्र करीब 38 वर्ष है। उन्होंने बताया कि यह ग्रेटर नोएडा के जेपी ग्रीन सोसाइटी में रह रहा था। उन्होंने बताया कि जांच की गई तो पता चला कि वह एक वर्ष के लिए 26 जून वर्ष 2019 से 25 जून वर्ष 2020 तक के वैध वीजा पर भारत आया था। वीजा की अवधि खत्म होने के बाद वह अवैध रूप से भारत में रहने लगा। उसने धोखाधड़ी करके वीजा एक्सपायर होने के बाद भारत गणराज्य में फर्जी आधार कार्ड बनवाया। आधार कार्ड के आधार पर उसने पैन कार्ड और अन्य दस्तावेज बनवा लिया, तथा वह जेपी ग्रीन सोसायटी ग्रेटर नोएडा में रहने लगा। जांच में यह भी पता चला है कि इसने पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर की रहने वाली एक युवती से शादी भी कर ली। इसकी एक तीन वर्ष की बेटी है, तथा यह अपनी पत्नी के नाम से कंस्ट्रक्शन कंपनी चलाता है। गिरफ्तार आरोपी से गुप्तचर एजेंसिया गहनता से पूछताछ कर रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि कहीं वह भारत में रहकर जासूसी तो नहीं कर रहा था।

परिवहन विभाग एवं टाटा मोटर्स लिमिटेड में एमओयू पर हस्ताक्षर

युवाओं को मिलेगा आधुनिक तकनीक आधारित प्रशिक्षण : सीएम हेमंत सोरेन

- जमशेदपुर में होगी इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइविंग, ट्रेनिंग एंड रिसर्च की स्थापना
- ड्राइविंग लाइसेंस प्रक्रिया होगी और अधिक सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध
- परिवहन व्यवस्था को आधुनिक एवं सुदृढ़ बनाने की दिशा में नई शुरुआत

संवाददाता

रांची। जमशेदपुर में इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइविंग ट्रेनिंग एंड रिसर्च (आईडीटीआर) की स्थापना के लिए झारखंड मंत्रालय में परिवहन विभाग एवं टाटा मोटर्स लिमिटेड के बीच 28 जुलाई को एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य में सुरक्षित, कुशल एवं आधुनिक परिवहन व्यवस्था के विकास के लिए गुणवत्तापूर्ण ड्राइविंग प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक है। आईडीटीआर की स्थापना से युवाओं को आधुनिक तकनीक आधारित प्रशिक्षण मिलेगा, जिससे उनकी रोजगार क्षमता बढ़ेगी। राज्य में सड़क सुरक्षा को भी मजबूती मिलेगी।

मुख्यमंत्री के अनुसार, राज्य सरकार कौशल विकास, रोजगार सृजन एवं सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से निरंतर प्रभावी पहल कर रही है। टाटा मोटर्स लिमिटेड के सहयोग से स्थापित होने वाला यह संस्थान प्रशिक्षित एवं दक्ष चालकों के निर्माण के साथ परिवहन क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रशिक्षण का प्रमुख केंद्र बनेगा। इससे ड्राइविंग प्रशिक्षण की गुणवत्ता को नई दिशा मिलेगी। आधुनिक सुविधाओं और व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से युवाओं के लिए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

प्रक्रिया सरल, सुलभ और पारदर्शी होगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने की प्रक्रिया जितनी सरल, सुलभ एवं पारदर्शी होगी, उतना ही आम नागरिकों को इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य में बड़ी संख्या में लोग परिवहन क्षेत्र से जुड़े हुए हैं, इसलिए सभी चालकों के पास वैध एवं मान्यता प्राप्त ड्राइविंग लाइसेंस होना आवश्यक है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि आज राज्य के 10 हजार से अधिक नागरिकों को ड्राइविंग एवं लर्निंग लाइसेंस उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जो परिवहन सेवाओं को अधिक जनोन्मुखी, पारदर्शी एवं सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। साथ ही, परिवहन विभाग को निर्देश दिया कि टाटा मोटर्स के सहयोग से विकसित व्यवस्था की तर्ज पर हेवी व्हीकल ड्राइविंग लाइसेंस की प्रक्रिया को भी अधिक सरल एवं पारदर्शी बनाया जाए, ताकि अधिक से अधिक युवाओं को कौशल विकास के माध्यम से रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त हो सकें।

सीएम ने लाभुकों से किया सीधा संवाद

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के विभिन्न जिलों के लाभुकों से सीधा संवाद कर ड्राइविंग लाइसेंस एवं लर्निंग लाइसेंस की प्रक्रिया की जमीनी स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने आवेदन की समयावधि, वाहन श्रेणी और लाइसेंस प्राप्ति में आने वाली संभावित कठिनाइयों पर विस्तार से चर्चा की। स्पष्ट किया कि किसी भी आवेदक को अनावश्यक परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। उन्होंने विशेष रूप से हेवी व्हीकल ड्राइविंग लाइसेंस एवं लर्निंग लाइसेंस की प्रक्रिया को अधिक सरल, सुगम एवं पारदर्शी बनाने पर बल दिया। साथ ही, सभी जिलों के उपायुक्तों को लंबित आवेदनों की समीक्षा कर उनका त्वरित एवं पारदर्शी निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इस दौरान पलामू, सरायकेला-खरसावां, धनबाद सहित विभिन्न जिलों के लाभुकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

महिला-पुरुष को समान अवसर मिलेगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार महिला एवं पुरुष दोनों को समान अवसर उपलब्ध कराने के लिए दृढ़तापूर्वक प्रतिबद्ध है। परिवहन क्षेत्र में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए महिलाओं के लिए ड्राइविंग प्रशिक्षण, लर्निंग लाइसेंस एवं ड्राइविंग लाइसेंस की प्रक्रिया को अधिक सरल, सुलभ एवं पारदर्शी बनाया जाएगा, ताकि वे कौशल विकास से जुड़कर रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने अधिकारियों को महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए आवश्यक सुविधाएं एवं संस्थागत सहयोग सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया।

दूरदर्शी और ऐतिहासिक पहल की गई

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि परिवहन विभाग एवं टाटा मोटर्स लिमिटेड के मध्य स्थापित यह साझेदारी राज्य में सुरक्षित, आधुनिक एवं दक्ष परिवहन व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक दूरदर्शी एवं महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि आईडीटीआर की स्थापना से युवाओं को आधुनिक तकनीक एवं वैश्विक मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण मिलेगा। साथ ही, सड़क सुरक्षा, दुर्घटना नियंत्रण तथा परिवहन क्षेत्र से जुड़े अनुसंधान एवं नवाचार को भी प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे राज्य में सुरक्षित एवं सुदृढ़ परिवहन तंत्र के विकास को नई गति प्राप्त होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस महत्वाकांक्षी पहल को साकार करने के लिए वे स्वयं पिछले कई वर्षों से प्रयासरत थे। आज इसका मूर्त रूप लेना झारखंड के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि ऐसे नवाचारी एवं संस्थागत प्रयासों का निरंतर विस्तार राज्य की प्रगति, कौशल विकास तथा युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

शीघ्र निष्पादन के दिये निर्देश

अंत में मुख्यमंत्री ने परिवहन विभाग को पूरी प्रतिबद्धता एवं दक्षता के साथ कार्य करते हुए ड्राइविंग लाइसेंस एवं लर्निंग लाइसेंस से संबंधित सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं समयबद्ध बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र आवेदक को पारदर्शी एवं सुगम प्रक्रिया के माध्यम से निर्धारित समय पर लाइसेंस उपलब्ध कराया जाए। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि विभाग के सतत प्रयासों से आम नागरिकों को बेहतर, त्वरित एवं जनोन्मुखी सेवाएं प्राप्त होंगी। उन्होंने दोहराया कि राज्य सरकार सुशासन, पारदर्शिता एवं जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर मंत्री दीपक बिरुआ, विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह, सचिव राजीव रंजन, परिवहन आयुक्त संजीव कुमार बेसरा, टाटा मोटर्स के प्लांट हेड अनुराग छारिया, टाटा मोटर्स के जनरल मैनेजर गोलम मंडल सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

लोक परीक्षा संशोधन विधेयक लोकसभा में पेश

नकल पर शिकंजा और कसेगा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने लोक परीक्षाओं में पेपर लीक और अन्य अनुचित साधनों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से मंगलवार को लोकसभा में लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 पेश किया। प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने विधेयक पर विचार करने का प्रस्ताव रखते हुए कहा कि इसका उद्देश्य वर्ष 2024 में लागू कानून को और अधिक प्रभावी एवं कठोर बनाना है, ताकि विद्यार्थियों और युवाओं के भविष्य की रक्षा सुनिश्चित की जा सके।

डॉ. सिंह ने कहा कि पेपर लीक और परीक्षा में अनियमितताओं की घटनाएं किसी एक राज्य या सरकार तक सीमित नहीं रही हैं। उन्होंने रेलवे भर्ती बोर्ड, अखिल भारतीय इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा, एम्स, तमिलनाडु लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश बीएड प्रवेश परीक्षा तथा पश्चिम बंगाल संयुक्त प्रवेश परीक्षा सहित कई मामलों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन्हीं अनुभवों के आधार पर वर्ष 2024 में व्यापक कानून बनाया गया था।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 का कानून संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी), रेलवे भर्ती बोर्ड, बैंकिंग कार्मिक चयन संस्थान (आईबीपीएस) तथा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) जैसी संस्थाओं की परीक्षाओं पर लागू किया गया था। इसके तहत परीक्षा संबंधी अपराधों को संज्ञेय, गैर-जमानती और गैर-समझौता योग्य बनाया गया था।

मंत्री ने कहा कि संशोधन विधेयक के तहत परीक्षा में अनुचित साधनों का उपयोग करने वालों के लिए न्यूनतम सजा तीन वर्ष से बढ़ाकर पांच वर्ष तथा अधिकतम सजा दस वर्ष तक करने का प्रस्ताव है। जुर्माने की अधिकतम राशि भी 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 50 लाख रुपये करने का प्रावधान किया गया है।

उन्होंने कहा कि संशोधन में सेवा प्रदाताओं की परिभाषा का विस्तार करते हुए परीक्षा आयोजन से जुड़े संस्थानों, कंपनियों, साझेदारी फर्मों, ठेकेदारों और तकनीकी सेवा प्रदाताओं को भी कानून के दायरे में लाया गया है। दोषी पाए जाने पर ऐसे सेवा प्रदाताओं पर अधिकतम 5 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया जा सकेगा तथा परीक्षा संचालन से प्रतिबंध की अवधि चार वर्ष से बढ़ाकर आठ वर्ष करने का प्रस्ताव है। परीक्षा आयोजन पर हुए खर्च की वसूली भी संबंधित संस्था से की जाएगी।

ईडी का धनबाद में एलबी सिंह और गणेश यादव के 25 ठिकानों पर छापा

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आज सुबह अवैध कोयला खनन के विरुद्ध झारखंड के धनबाद में कुछ स्थानों पर दबिश दी। कोयला माफिया एलबी सिंह, अनिल गोयल, गणेश यादव, पप्पू मंडल, अनूप चौहान, हरेंद्र चौहान, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी रोहित यादव और उनके सहयोगियों से जुड़े 25 ठिकानों पर ईडी ने छापा मारकर दस्वावेजों की तलाश शुरू कर दी है। कोयला घोटाले के इस मामले में ईडी ने चार अलग-अलग एनफोर्समेंट केस इनफॉरमेशन रिपोर्ट (ईसीआइआर) दर्ज कर पूरे मामले में जांच शुरू की थी। जांच एजेंसी को सूचना मिली है कि लव सिंह व उसके सहयोगियों ने अवैध तरीके से कोयला खनन, परिवहन व भंडारण से भारी मात्रा में अवैध संपत्ति अर्जित की है। बताया गया है कि ईडी की टीम एलबी सिंह के साले रंजीत सिंह के घर भी पहुंची है। रंजीत सिंह ने घर को अंदर से बंद कर लिया है। ईडी की टीम उनके घर के बाहर है। उल्लेखनीय है कि 21 नवंबर 2025 को ईडी ने एलबी सिंह व उनके सहयोगियों के धनबाद और दुमका स्थित करीब 20 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की थी। इस छापेमारी में ईडी को 150 से अधिक जमीन के दस्तावेज और दो करोड़ 20 लाख रुपये की नगदी मिली थी। ईडी को छानबीन में अवैध तरीके से कोयला खनन, परिवहन और भंडारण से संबंधित साक्ष्य मिले थे। (पृष्ठ 5 भी देखें)

मुख्य सचिव अविनाश कुमार ने सपरिवार बाबा बैद्यनाथ की पूजा-अर्चना की

संवाददाता

देवघर। विश्व प्रसिद्ध राजकीय श्रावणी मेला 2026 के शुभारंभ से झारखंड के मुख्य सचिव अविनाश कुमार एक दिवसीय दौरे पर मंगलवार को बाबा नगरी देवघर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने सपरिवार बाबा बैद्यनाथ मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर श्रावणी मेले के सफल आयोजन, राज्य की सुख-समृद्धि तथा विश्व कल्याण की कामना की। मुख्य सचिव ने जिले में श्रावणी मेले को लेकर श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा, यातायात, स्वास्थ्य सहित अन्य व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि मेले में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और सभी व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित हों। पूजा-अर्चना के बाद जिला प्रशासन की ओर से मुख्य सचिव को बाबा बैद्यनाथ का प्रसाद और स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। श्रावणी मेले के शुभारंभ के साथ ही देवघर में लाखों कांवरियों के आगमन का सिलसिला शुरू होगा, जिसे लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क और तैयार है।

ऑपरेशन 'नवजीवन-2' में झारखंड पुलिस को बड़ी सफलता, 16 सक्रिय माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

समाज की मुख्यधारा से जुड़कर सम्मानजनक जीवन की शुरुआत करे : डीजीपी

संवाददाता

रांची। झारखंड पुलिस को माओवादियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता मिली है। ऑपरेशन 'नवजीवन-2' के तहत प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) संगठन के 16 सक्रिय नक्सलियों ने मंगलवार को झारखंड पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वालों में संगठन के विभिन्न स्तरों के कमांडर और दस्ता सदस्य शामिल हैं। उन्होंने पुलिस को 11 आधुनिक हथियार, 38 मैगजीन और 1,562 जिंदा कारतूस भी सौंपे।

पुलिस मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में राज्य की पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) तदाशा मिश्रा ने बताया कि झारखंड पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), कोबरा बटालियन और झारखंड जगुआर द्वारा संयुक्त रूप से चलाए जा रहे अभियानों से माओवादी संगठन पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। साथ ही राज्य सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर बड़ी संख्या में नक्सली हिंसा का रास्ता छोड़ मुख्यधारा में लौट रहे हैं।

डीजीपी के अनुसार, आत्मसमर्पण करने वाले 16 नक्सलियों में 11 पुरुष और पांच महिलाएं शामिल हैं। इनमें एक रीजनल कमेटी सदस्य (आरसीएम), तीन जोनल कमेटी सदस्य (जेडसीएम), तीन सब-जोनल कमेटी सदस्य (एसजेडसीएम), छह एरिया कमेटी सदस्य (एसीएम) तथा तीन दस्ता सदस्य हैं। ये सभी कोल्हान और सारंडा के दुर्गम जंगल-पहाड़ी क्षेत्रों में सक्रिय थे तथा संगठन के शीर्ष नेताओं मिसिर बेसरा उर्फ सागर जी और असीम मंडल के दस्ते से जुड़े बताए जाते हैं।

डीजीपी ने कहा कि लगातार सुरक्षा अभियान, संगठन के भीतर बढ़ता असंतोष और सरकार की पुनर्वास नीति के कारण माओवादी संगठन लगातार कमजोर हो रहा है। विशेष रूप से पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) और आसपास के क्षेत्रों में नक्सली गतिविधियां तेजी से सिमट रही हैं। डीजीपी ने शेष सक्रिय नक्सलियों से भी अपील की कि वे हिंसा का रास्ता छोड़कर आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति का लाभ उठाएं और समाज की मुख्यधारा से जुड़कर सम्मानजनक जीवन की शुरुआत करें।

सीआरपीएफ के महानिरीक्षक (आईजी) साकेत सिंह ने इस मौके पर बताया कि इसी नेटवर्क से जुड़े आठ अन्य कमांडर और सदस्य हाल ही में छत्तीसगढ़ में भी आत्मसमर्पण कर चुके हैं। झारखंड में आत्मसमर्पण करने वाले 16 नक्सलियों में से 15 पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा), लातेहार, लोहरदगा, हजारीबाग, खूंटी, बोकारो, रांची, सरायकेला-खरसावां और गिरिडीह जिलों के निवासी हैं, जबकि एक सदस्य ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले का रहने वाला है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026 में अब तक चलाए गए अभियानों के दौरान 93 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है। इसी अवधि में 45 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया, जबकि पुलिस मुठभेड़ों में 22 नक्सली मारे गए हैं। इससे पहले 21 मई 2026 को 27 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था। वहीं जुलाई माह में शीर्ष माओवादी कमांडरों के विरुद्ध कार्रवाई और एक महिला एरिया कमेटी सदस्य के आत्मसमर्पण जैसी महत्वपूर्ण सफलताएं भी सुरक्षा बलों को मिली हैं।

आठ माओवादियों ने छत्तीसगढ़ में भी किया आत्मसमर्पण

आईजी साकेत सिंह ने बताया कि झारखंड में सक्रिय रहे आठ अन्य माओवादियों ने छत्तीसगढ़ में भी आत्मसमर्पण किया है। इनमें जोनल कमेटी सदस्य अश्विन उर्फ लच्छू कोरसा, एरिया कमेटी सदस्य सोहन पुनेम, रीता उर्फ मंगली कुंजाम, अनुषा कुंजाम, रजनी मुडकेम तथा सदस्य राहत मांडवी, सुबनी और जेलानी शामिल हैं। आत्मसमर्पण करने वालों में 15 लाख रुपये का इनामी रीजनल कमेटी सदस्य संतोष उर्फ बासुदेव दा उर्फ गांधी उर्फ दिलीप उर्फ संजय महतो उर्फ बासुकू उर्फ श्याम भी शामिल है। इसके अलावा 10 लाख रुपये का इनामी चंदन लोहरा तथा पांच-पांच लाख रुपये के इनामी अनिल तुरी उर्फ उज्ज्वल और सुखलाल बिरजिया उर्फ अकेला समेत कई जोनल, सब-जोनल और एरिया कमेटी सदस्य भी मुख्यधारा में लौटे हैं। आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों ने छह इंसास राइफल, दो एके-47, एक एचके-33 राइफल, एक यूएस कार्बाइन और एक एम-16 राइफल सहित कुल 11 हथियार पुलिस को सौंपे। इसके साथ ही 38 मैगजीन और 1,562 जिंदा कारतूस भी जमा कराए गए।

मौके पर इनकी रही उपस्थिति : आत्मसमर्पण कार्यक्रम में एडीजी मनोज कौशिक, एडीजी टी. कंडासामी, आईजी अनूप बिरथरे, आईजी साकेत सिंह, आईजी नरेंद्र सिंह, आईजी अजय लिंडा, आईजी मयूर पटेल, डीआईजी इंद्रजीत माहथा, डीआईजी कार्तिक एस., डीआईजी शैलेन्द्र बरनवाल, डीआईजी नौसाद आलम, डीआईजी वाई.एस. रमेश, डीआईजी संजीव कुमार, डीआईजी मनोज रतन चौथे, डीआईजी संध्या रानी मेहता, चाईबासा के एसपी अमित कुमार रेणु, रांची के एसएसपी राकेश रंजन तथा अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

अशोक नगर चोरी कांड में सोनार कबीर गिरफ्तार, 60 लाख की ज्वेलरी बरामद

वरीय संवाददाता

रांची। अरगोड़ा थाना पुलिस ने अशोक नगर चोरी कांड में एक और आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ी कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने चोरों द्वारा चोरी की ज्वेलरी खरीदने वाले सोनार कबीर खान उर्फ समीर खान को बिहार मुजफ्फरपुर के नगर थाना के वार्ड 40 से गिरफ्तार किया है, पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर उसके ससुराल में रखे 400 ग्राम सोना बरामद कर लिया।

मामले की जानकारी देते हुए सिटी एसपी पारस राणा ने बताया कि 9 जुलाई को अशोक नगर के दो घरों निशित केशरी और अखिलेश पांडेय के घर से एक करोड़ से ज्यादा की ज्वेलरी और लाखो नगदी की चोरी हुई थी जिसमें टेक्निकल सबूतों के आधार पर 17 लाख 50 हजार रुपया नगदी सोना और हीरा बरामद किया जा चुका है,साथ ही दो चोरों की पत्नीयों को भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। बाकी की बरामदगी के लिए पुलिस कोशिश कर रही थी, उसी दौरान खबरियों व टेक्निकल सबूतों के पुलिस ने बिहार के मुजफ्फरपुर से गिरफ्तार किया गया।

विकलांग की जमीन में बने घर को बुलडोजर से ढाहा

पीड़िता ने सड़क पर लेट कर किया विरोध

वरीय संवाददाता

रांची। जगरनाथपुर थाना के पटेल नगर में उस वक्त हंगामा शुरु हो गया जब विक्लांग अमरदीप कुमार के घर जमीन में कब्जा करने के लिए तरुण कुमार उर्फ झुनझुन के लोगों ने जेसीबी से वहां बने एक कमरे को ढाह दिया, यह देख अमरदीप की पत्नी सुधा सिंह और बच्चे रोना चिल्लाना शुरु कर दिये, वहीं तोड़ फोड़ कर रहे लोगों से इसे रोकने के लिए सुधा सिंह आरजू विनती करने लगी उसके बाद भी जब बुलडोजर का करना बंद नहीं किया तब सुधा सिंह अपने घर को बचाने के लिए बुलडोर के आगे सड़क पर लेट गयी यह देख आसपास के लोग वहां जमा हो गये। उसके बाद बुलडोजर चलना बंद हो गया। इस संबंध में पीड़िता सुधा सिंह ने बताया कि उक्त 13 डी0 जमीन उनके ससुर केशव प्रसाद चौधरी के नाम से है उनकी मृत्यू हो जाने के बाद वह अपने ससुर की जमीन में बने मकान में अपने मानसिक रुप से विक्लांग पति अमरदीप कुमार और अपने बच्चों के साथ रह रही है। कुछ वर्ष पहले इस जमीन को तरुण नामक व्यक्ति ने उसके पति से पावर लेकर दूसरे से बिक्री कर दिया, जिसके खिलाफ इन लोगों ने कोर्ट में केस दर्ज कराया लेकिन आर्थिक तंगी के कारण वह केस नहीं लड़ सकी इस लिए कोर्ट ने केस का डिसमिस कर दिया। सुधा सिंह ने बताया कि उसके बाद उन्होंने 2025 में फिर से केस किया जो फिलहाल कोर्ट में लंबित है, उसके बावजूद तरुण के लोगों ने मंगलवार को जेसीबी के साथ उसके घर पहुंचे और एक कमरे को ढाह दिया।

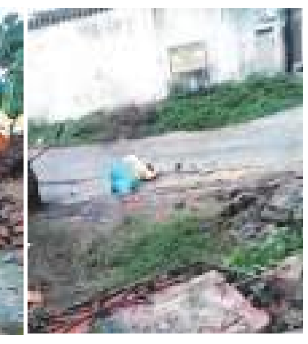

सुधा सिंह ने कोई कागज नहीं दिया है- थाना प्रभारी

घटना के बारे जगरनाथपुर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर नितिन सिंह ने बताया कि वर्षो पहले पीड़िता का पति तरुण को जमीन खरीद बिक्री करने के लिए पावर दिया था, उसके बाद तरुण ने उस जमीन को दूसरे के पास बिक्री कर दिया जिसने खरीदा उसने डीड व रसीद दिखाया साथ ही कोर्ट से सुधा सिंह के केस को डिसमिस करने का आदेश भी दिखाया है। उन्होंने कहा फिलहाल तोड़ फोड़ और कब्जा लेने की कारवाई को बंद करा दिया गया गया सुधा सिंह को पेपर के साथ थाना बुलाया गया है। जिसके लिए उन्होंने एक दिन का समय लिया है। उन्होंने कहा पुलिस को इसे रोकने के आदेश कहीं से नहीं मिले हैं।

संक्षिप्त खबरें

आईएलएस, रांची में अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों को दी गई भावभीनी विदाई

रांची। इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज (आईएलएस), रांची में अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के सम्मान में भव्य एवं गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन उत्साह और उल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय का परिसर हर्षोल्लास, भावनाओं और यादगार पलों का साक्षी बना। समारोह में विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति दी। नृत्य, संगीत, गायन, नाट्य मंचन और अन्य मनोरंजक प्रस्तुतियों ने उपस्थित अतिथियों, प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों का भरपूर मनोरंजन किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साह और उमंग का माहौल बना रहा। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार ने अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों और योगदान की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वक्ताओं ने विद्यार्थियों को जीवन के नए चरण में सफलता, ईमानदारी और समर्पण के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया।

श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर में मनेगा आज गुरु पूर्णिमा महोत्सव

रांची। श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित रांची के पुंदाग स्थित श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर में आज 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनाया जाएगा। इस अवसर पर मंदिर परिसर में श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास का विशेष संगम देखने को मिलेगा। ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल ने बताया कि गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर गुरुजी श्री मंगल दासजी महाराज, श्री श्री 108 संत गुरु राधिका दासजी महाराज एवं परमहंस डॉ. संत सदानंदजी महाराज का विधिवत पूजन एवं वंदन किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं द्वारा गुरु चरणों में श्रद्धा अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया जाएगा। महोत्सव के तहत श्री राधा रानी का दिव्य एवं अलौकिक श्रृंगार विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। इसके साथ ही दीप प्रज्वलन, भजन-कीर्तन एवंआध्यात्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर भगवान श्री राधा-कृष्ण को 51 किलो केसरिया खीर का भोग अर्पित किया जाएगा। पूजा-अर्चना एवं भोग के पश्चात श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया जाएगा।

झोला उठाइए और घर जाइए, देवघर की चिंता सरकार और प्रशासन पर छोड़ दीजिए : आलोक

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव आलोक कुमार दूबे ने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के हालिया बयानों पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वे लगातार ऐसे गैर-जिम्मेदाराना और बेबुनियाद बयान दे रहे हैं, मानो देवघर केवल उन्हीं का हो। कभी वे कहते हैं कि बैठक में मुख्यमंत्री नहीं आए, तो कभी कोई और टिप्पणी करते हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि भाजपा किसी भी तरह की घटना या अव्यवस्था का राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश में है। दूबे ने कहा कि घटना या अव्यवस्था का इंतजार करती है भाजपा। निशिकांत दुबे को ये नहीं भूलना चाहिए की रघुवर दास के शासनकाल में 10 अगस्त 2015 को झारखंड के देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम में श्रावणी मेले के दौरान लगभग 4 बजे भगदड़ मच गई थी। इस दर्दनाक घटना में उस समय की रिपोर्टों के अनुसार 11 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी, जबकि 30 से अधिक लोग घायल हुए थे। यह हादसा अत्यधिक भीड़ और अव्यवस्थित स्थिति के कारण हुआ था। घटना के बाद प्रशासन ने भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर कई सुधारात्मक कदम उठाने की आवश्यकता पर जोर दिया था। आलोक कुमार दूबे ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में पूरा प्रशासन देवघर में श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को लेकर पूरी तरह सतर्क है।

श्रावण माह की तैयारियां पूरी, श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रांची नगर निगम अलर्ट

वरीय संवाददाता

रांची। 30 से शुरू हो रहे पावन श्रावण माह को लेकर रांची नगर निगम ने श्रद्धालुओं की सुविधा, स्वच्छता और सुरक्षा के लिए व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। पहाड़ी मंदिर, स्वर्णरेखा नदी स्थित कांवड़ जल उठाव स्थल, सुरेश्वर धाम चुटिया समेत शहर के प्रमुख शिवालयों में विशेष सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, शौचालय और सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

नगर निगम ने बताया कि श्रावण माह के दौरान लाखों श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए विशेष कार्ययोजना तैयार की गई है, ताकि श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुरक्षित और व्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

तीन पालियों में चलेगा विशेष सफाई अभियान

श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए पहाड़ी मंदिर परिसर एवं मार्ग पर 100 सफाई मित्रों की तैनाती की गई है। वहीं स्वर्णरेखा नदी स्थित कांवड़ जल उठाव स्थल पर 40 सफाई मित्र लगाए गए हैं। इसके अलावा शहर के विभिन्न मंदिरों और शिवालयों के आसपास करीब 1200 सफाई कर्मी सफाई व्यवस्था संभालेंगे। पूरे श्रावण माह के दौरान सफाई कार्य तीन पालियों में किया जाएगा। विशेष रूप से रविवार और सोमवार को अतिरिक्त टीमों द्वारा पहाड़ी मंदिर क्षेत्र की लगातार मॉनिटरिंग और सफाई कराई जाएगी। मंदिर मार्गों पर नियमित कचरा उठाव, झाड़ियों की कटाई, ब्लीचिंग पाउडर और एंटी-लार्वा दवा का छिड़काव भी जारी रहेगा।

मार्गो का समतलीकरण, क्विक रिस्पांस टीम रहेगी तैनात

बरसात के मौसम को ध्यान में रखते हुए पहाड़ी मंदिर मार्ग और स्वर्णरेखा घाट के आसपास के गड्ढों को लगभग 12 हाईवा स्टोन डस्ट से भरकर समतल किया गया है। संभावित जलजमाव और अन्य आपात स्थितियों से निपटने के लिए नगर निगम की क्विक रिस्पांस टीम को भी अलर्ट मोड में रखा गया है।

जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल. ख्यांगते से सीआईडी की पूछताछ

संवाददाता

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) के पूर्व अध्यक्ष एल. ख्यांगते मंगलवार को राज्य अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) कार्यालय पहुंचे, जहां 14वीं जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा समेत विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के मामले में उनसे पूछताछ शुरू की गई। सीआईडी ने इससे पहले एल. ख्यांगते को नोटिस जारी कर 28 जुलाई को पूछताछ के लिए उपस्थित होने का निर्देश दिया था। नोटिस के अनुपालन में वह निर्धारित समय पर सीआईडी कार्यालय पहुंचे। इसके बाद जांच अधिकारियों ने उनसे भर्ती प्रक्रियाओं और कथित अनियमितताओं से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर पूछताछ शुरू की। उल्लेखनीय है कि जेपीएससी की विभिन्न नियुक्तियों में कथित गड़बड़ियों और अनियमितताओं की जांच सीआईडी कर रही है। जांच के दौरान एजेंसी कई अभ्यर्थियों, अधिकारियों और अन्य संबंधित लोगों से भी पूछताछ कर चुकी है तथा दस्तावेजों और अन्य साक्ष्यों की जांच जारी है। सीआईडी इस मामले में अब तक कथित नियुक्ति घोटाले के मुख्य आरोपित अभय तिवारी सहित 10 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है।

सीसीएल में 37वीं कॉर्पोरेट त्रिपक्षीय सुरक्षा समिति की बैठक, खदान सुरक्षा पर हुआ मंथन

वरीय संवाददाता

रांची। सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड की 37वीं कॉर्पोरेट स्तरीय त्रिपक्षीय सुरक्षा समिति की बैठक मंगलवार को रांची में आयोजित हुई। बैठक में खान सुरक्षा महानिदेशालय (डीजीएमएस), सीसीएल प्रबंधन और सीसीएल सेफ्टी बोर्ड के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता सीसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (सीएमडी) निलेंदु कुमार सिंह ने की। बैठक के दौरान सीसीएल के सुरक्षा मानकों, उनके अनुपालन और पिछली त्रिपक्षीय सुरक्षा समिति की बैठक में दिए गए सुझावों एवं अनुशंसाओं पर हुई प्रगति की समीक्षा की गई। इसके साथ ही कार्यस्थल सुरक्षा, व्यावसायिक स्वास्थ्य, वैधानिक अनुपालन और खदान कर्मियों के कल्याण को और बेहतर बनाने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई।

सुरक्षा और आधारभूत सुविधाओं पर दिए गए सुझाव

कार्यक्रम की शुरूआत डीडीजी, सीजेड आर. टी. मंडेकर ने डीजीएमएस, सीसीएल के निदेशकों, अधिकारियों और सेफ्टी बोर्ड के सदस्यों के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर की। इसके बाद सभी अधिकारियों और सेफ्टी बोर्ड के सदस्यों को शॉल एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। बैठक के प्रारंभ में सेफ्टी बोर्ड के सदस्यों ने कोयला खदानों में सुरक्षा से जुड़े अपने अनुभव साझा किए और कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। डीडीजी, एसईजेड एस.एस. प्रसाद ने खदानों में कार्यरत महिलाओं के लिए आधारभूत सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने पर बल दिया। उन्होंने वार्षिक पीएमई के लिए आवश्यक आधारभूत संरचना को भी आधुनिक बनाने का सुझाव दिया।

महिला सुविधाएं, प्रशिक्षण और सुरक्षा व्यवस्था पर जोर

डीडीजी, सीजेड आर. टी. मंडेकर ने महिला कर्मचारियों के लिए अलग वॉशरूम शीघ्र बनाने, अत्याधुनिक व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र विकसित करने तथा नए श्रम संहिता के तहत व्यावसायिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य) के लिए विशेष टास्क फोर्स गठित कर उसे लागू करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने अन्य उपक्रमों में अपने अनुभव साझा करते हुए कई व्यावहारिक सुझाव भी दिए, जिनका बैठक में स्वागत किया गया।

सीबीएसई ईस्ट जोन तीरंदाजी क्लस्टर चैंपियनशिप का शुभारंभ, अर्जुन मुंडा ने किया उद्घाटन

वरीय संवाददाता

रांची। रांची स्थित टॉरियन वर्ल्ड स्कूल में आयोजित सीबीएसई ईस्ट जोन तीरंदाजी क्लस्टर चैंपियनशिप 2026-27 का मंगलवार को भव्य शुभारंभ हुआ। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 27 जुलाई से 30 जुलाई 2026 तक आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता में सीबीएसई से संबद्ध 86 विद्यालयों के 665 छात्र-छात्रा तीरंदाज अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि आर्चरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा रहे। उनके साथ समारोह में चंचल भट्टाचार्य, शिवेंद्रनाथ दुबे, रिमिल बुरुली, डी. शैश्वरी, भाग्यवती चानू, गुरूचरण बेसरा, मनोज कुमार और असीम प्रियदर्शी सहित कई विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे।

युवा तीरंदाजों को मिलेगा प्रतिभा दिखाने का मंच

आयोजकों के अनुसार, यह चैंपियनशिप युवा तीरंदाजों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा देने और खेल उत्कृष्टता की दिशा में आगे बढ़ने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान कर रही है। चार दिनों तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों के खिलाड़ी अपनी क्षमता का प्रदर्शन करेंगे।

मुंडा ने तीर चलाकर किया उद्घाटन

विद्यालय के निदेशक गोपाल चौधरी और प्रधानाचार्य शैलेंद्र मिश्र के नेतृत्व में आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ अर्जुन मुंडा ने पारंपरिक रूप से तीर चलाकर किया। अपने संबोधन में उन्होंने खिलाड़ियों को अनुशासन, समर्पण, खेल भावना और उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेल युवाओं के व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण माध्यम हैं और तीरंदाजी जैसे खेलों में निरंतर अभ्यास तथा अनुशासन सफलता की कुंजी है।

वर्षा के बाद भी मेला रहा ग्राहकों से गुलजार, लोगों ने की जमकर खरीदारी

वरीय संवाददाता

रांची। राजधानी के सेवा सदन पथ स्थित श्री महेश्वरी भवन में चल रहे तीन दिवसीय मेला के दूसरे दिन सुबह से ही मेला परिसर ग्राहकों से गुलजार हो गया था। वर्षा होनें के वावजूद भी ग्राहकों की उत्साह कम नहीं था। लोगों ने वर्षा में भींग कर भी मेला में पहुंचकर अपनी जरूरतों के सामानों की खरीदारी की।

प्रदर्शनी के दूसरे हउन सूरत से आकर्षक रियल डायमंड ज्वैलरी, हैंड मेड नेल आर्ट,हैंड मेड क्रोसिया के विभिन्न प्रकार के आकर्षक उत्पाद के अलावा मधुबनी पेंटिंग,ओड़िसा पेंटिंग,झारखंड के लोकल आर्ट के स्टॉल पर लगे उत्पाद ग्राहकों पहली पसंद बने हुए हैं। इसके अलावा डिजाइनर कपड़े और बच्चों के लिए आकर्षक खिलौने बच्चों को खुब पसंद आ रहे हैं। वहीं बर्षा के बीच लजीज व्यंजन का लुफ्त उठाया है। क्लोजिंग सेरेमनी की मुख्य अतिथि है संगीता चितलंगिया झारखंड बिहार प्रदेश की अध्यक्ष ने मेले में लगे रूटोलों पर अपने पसंदिता सामानों की खरीदारी की और स्टोल संचालकों को हौसला बढ़ाया।

झारखंड की भर्ती प्रक्रियाओं पर संजय सेठ ने उठाए सवाल, सहायक आचार्य नियुक्ति में पारदर्शिता की मांग

वरीय संवाददाता

रांची। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री एवं रांची सांसद संजय सेठ ने झारखंड की भर्ती परीक्षाओं और नियुक्ति प्रक्रियाओं की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल उठाते हुए राज्य सरकार से निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में भर्ती परीक्षाओं को लेकर लगातार विवाद सामने आ रहे हैं, जिससे लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है।

संजय सेठ ने कहा कि जिस एजेंसी को झारखंड कर्मचारी चयन आयोग ने ब्लैकलिस्ट किया था, उसी एजेंसी को झारखंड लोक सेवा आयोग द्वारा परीक्षा आयोजित करने की जिम्मेदारी दिए जाने से कई सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि इस फैसले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि विभिन्न परीक्षाओं में ओएमआर शीट में कथित हेराफेरी के कारण कम अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को सफल घोषित किया गया, जबकि अधिक अंक पाने वाले अभ्यर्थियों को न्यायालय का दरवाजा खटखटाना पड़ा। उनके अनुसार, पिछले चार वर्षों से भर्ती परीक्षाओं में एक ही एजेंसी की भूमिका पर सवाल उठते रहे हैं, लेकिन राज्य सरकार ने न तो निष्पक्ष जांच कराई और न ही दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की।

संजय सेठ ने 26 हजार सहायक आचार्य नियुक्ति प्रक्रिया का भी उल्लेख करते हुए कहा कि इस भर्ती में व्यापक अनियमितताओं के आरोप लगे हैं। उन्होंने कहा कि अब तक अंतिम परिणाम जारी नहीं किया गया है और एक ही परीक्षा का परिणाम सात चरणों में जारी किया गया, जिससे पूरी चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल खड़े होते हैं।

उन्होंने मांग की कि सभी अभ्यर्थियों के प्राप्तांक और कट-ऑफ अंक सार्वजनिक किए जाएं। उनका कहना था कि यदि सरकार और संबंधित आयोग के पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है तो चयन प्रक्रिया से जुड़ी सभी जानकारियां सार्वजनिक की जानी चाहिए।

संजय सेठ ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वे देशभर में युवाओं के अधिकार और रोजगार की बात करते हैं, लेकिन झारखंड में भर्ती प्रक्रियाओं को लेकर उठ रहे सवालों पर मौन हैं। उन्होंने पूछा कि क्या झारखंड के युवाओं के मुद्दे राष्ट्रीय स्तर पर चिंता का विषय नहीं हैं।

संत रविदास की 650वीं जयंती पर भाजपा चलाएगी सात माह का समरसता संकल्प अभियान: अर्जुन मुंडा

एजेंसी

रांची। पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता अर्जुन मुंडा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जन्म जयंती को देशभर में भव्य रूप से समरसता संकल्प अभियान के रूप में मनाएगी। यह राष्ट्रव्यापी अभियान 29 जुलाई (गुरु पूर्णिमा) से शुरू होकर 20 फरवरी (माघी पूर्णिमा/संत रविदास जयंती) तक चलेगा। झारखंड में भी इस अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए अर्जुन मुंडा ने बताया कि अभियान का उद्देश्य संत रविदास के सामाजिक समरसता, समानता, भाईचारे और मानवता के संदेश को गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने का व्यापक अभियान है।

उन्होंने बताया कि 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा की संध्या पर झारखंड सहित देशभर के मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर समरसता दीप महोत्सव आयोजित किया जाएगा। इसके तहत समरसता का दीप जलाकर सामाजिक सद्भाव और एकता का संदेश दिया जाएगा। मुंडा ने जानकारी दी कि कलश वंदन अभियान का शुभारंभ संत रविदास की जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर (वाराणसी) से होगा। वहां की पवित्र मिट्टी को कलश के माध्यम से देश के सभी राज्यों और मंडल स्तर तक पहुंचाया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

लोक संवाद कार्यक्रम में डीडीसी ने सुनीं जनता की समस्याएं, 26 मामलों पर हुई सुनवाई

बोकारो। बोकारो जिला समाहरणालय में आयोजित हम आपको सुनते हैं लोक संवाद कार्यक्रम के तहत उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने आम लोगों की समस्याएं सुनीं। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। जनसुनवाई के दौरान कुल 26 मामलों पर विचार किया गया। इनमें भूमि विवाद, राजस्व, सामाजिक सुरक्षा, आवास, पेंशन, राशन कार्ड और शिक्षा से जुड़े मामले प्रमुख रहे। डीडीसी ने सभी आवेदनों की गंभीरता से समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जन शिकायतों का त्वरित समाधान जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी मामलों का निष्पादन समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण तरीके से सुनिश्चित किया जाए। किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मौके पर प्रशिक्षु आईएएस डॉ. अरविंद राधाकृष्णन, जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रवीण रंजन, जन शिकायत प्रभारी हेमलता बून, एडीएम सुचिता किरण, डीडीएमओ शक्ति कुमार, एपीआरओ अविनाश कुमार सिंह सहित कई अधिकारी मौजूद थे।

तुपकाडीह में धान रोपाई की रफ्तार तेज

बोकारो। मानसून की बारिश शुरू होते ही तुपकाडीह की पांचों पंचायतों और उत्तर विस्थापित क्षेत्र के खेतों में कृषि कार्य तेज हो गया है। खेतों में हल-बैल की घंटियां और ट्रैक्टरों की आवाज सुनाई देने लगी है। किसान अपने खेतों की जुताई और तैयारी पूरी कर अब धान की रोपाई में जुट गए हैं। अच्छी पैदावार की उम्मीद में किसान भगवान से अनुकूल मौसम और बेहतर फसल की कामना कर रहे हैं। खेतों में काम कर रहे धनीलाल मांझी, अंदू महतो, फेकन मिश्रा, अंबिका केवट, दिलीप महली और वकील सिंह ने बताया कि खेती करना अब पहले की तुलना में काफी महंगा हो गया है। बीज, खाद, जुताई, ट्रैक्टर और मजदूरी की लागत लगातार बढ़ रही है। इसके बावजूद किसानों का हौसला कमजोर नहीं हुआ है। किसानों का कहना है कि खेती केवल रोजगार नहीं, बल्कि उनकी परंपरा और जीवन से जुड़ी हुई है।

गुरु रविदास जयंती को भाजपा मनाएगी सामाजिक समरसता महापर्व के रूप में

बोकारो। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज के 650वें प्राकट्योत्सव को भारतीय जनता पार्टी सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता महापर्व के रूप में मनाएगी। यह कार्यक्रम 29 जुलाई 2026 गुरु पूर्णिमा से शुरू होकर 20 फरवरी 2027 माघ पूर्णिमा तक चलेगा। बोकारो परिसदन में आयोजित प्रेस वार्ता में पूर्व विधायक बिरंची नारायण ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि जिले के करीब 200 स्थानों पर 29 जुलाई को समरसता दीप महोत्सव आयोजित किया जाएगा। इस दौरान दीप प्रज्ज्वलन और प्रसाद वितरण कार्यक्रम होगा। उन्होंने बताया कि सीर गोवर्धनपुर, वाराणसी की पवित्र मिट्टी से भरे कलशों के माध्यम से कलश वंदन अभियान चलाया जाएगा। इसके अलावा संत संपर्क अभियान, संतों का अभिनंदन, जालंधर से वाराणसी तक समरसता यात्रा और छात्रावासों में समरसता संवाद जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बिरंची नारायण ने कहा कि गुरु रविदास जी ने समाज में समानता, भाईचारे और मानवता का संदेश दिया। प्रेस वार्ता में भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. सुरेंद्र राज, उपाध्यक्ष संजय त्यागी, बालेश्वर मुर्मू, अभय कुमार गोलू और प्रकाश कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

डीवीसी के नौ मृत कामगारों के आश्रितों को मुआवजा भुगतान में देरी, परिवार परेशान

बोकारो। डीवीसी बोकारो थर्मल के नौ मृत कामगारों के आश्रितों को मिलने वाली 15 लाख रुपये की अनुग्रह राशि के भुगतान में हो रही देरी से परिवारों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। स्वीकृति आदेश जारी होने के छह माह बाद भी राशि आश्रितों के बैंक खातों में नहीं पहुंच सकी है। जानकारी के अनुसार, डीवीसी के जीएम एचआर ने 24 फरवरी 2026 को अनुग्रह राशि भुगतान की स्वीकृति प्रदान की थी। स्क्रीनिंग और अपेक्स कमेटी की अनुशंसा तथा मुख्य महाप्रबंधक एवं प्रोजेक्ट हेड की स्वीकृति के बाद नौ आश्रितों को 15-15 लाख रुपये की सहायता राशि देने का निर्णय लिया गया था। लाभ पाने वालों में स्व० रामेश्वर सोरेन की पत्नी झानो देवी, स्व० शिव नारायण राम की पत्नी मीरा देवी, स्व० सुरेंद्र राम की पत्नी रेनू देवी, स्व० अरुण कुमार सिंह की पत्नी किरण देवी, स्व० केशिया तुरी के पुत्र जयराम तुरी, स्व० बसमल्लिया के पुत्र संजय कुमार, स्व० मंजूश्री मित्रा की पुत्री दीपमाला मित्रा, स्व० निसारुल अहमद की पत्नी सायरा बानो और स्व० शेओजी उरांव के पुत्र धनेश उरांव शामिल हैं।

एसआईआर-2026 में बोकारो की बड़ी उपलब्धि, तीन विधानसभा क्षेत्रों में डिजिटाइजेशन 100 प्रतिशत पूरा

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण -2026 अभियान में बोकारो जिले ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। मंगलवार देर शाम जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अजय नाथ झा ने वीडियो संवाद के माध्यम से जिले के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों एवं सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों के साथ एसआईआर- 2026 की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की।

समीक्षा बैठक के दौरान उपायुक्त ने सभी विधानसभा क्षेत्रों में प्रगणना प्रपत्रों के संग्रहण और डिजिटाइजेशन की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। इस दौरान बताया गया कि जिले के 34-गोमिया, 35-बेरमो एवं 37-चंदनकियारी विधानसभा क्षेत्रों में डिजिटाइजेशन का कार्य शत-प्रतिशत पूरा कर लिया गया है। वहीं 36-बोकारो विधानसभा क्षेत्र में भी 99.66 प्रतिशत डिजिटाइजेशन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इस उपलब्धि पर उपायुक्त अजय नाथ झा ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए एसआईआर-2026 अभियान में दिन-रात मेहनत करने वाले सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं बूथ लेवल अधिकारियों की पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयास, बेहतर समन्वय और नियमित निगरानी के कारण यह लक्ष्य समय सीमा के भीतर पूरा हो सका है।

अभियान की अंतिम स्थिति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने कहा कि एसआईआर-2026 का कार्य पूरा होने में अब केवल एक दिन शेष है। उन्होंने सभी ईआरओ एवं एईआरओ को निर्देश दिया कि वे डिजिटाइज किए गए आंकड़ों का एक बार पुनः गहन भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करें, ताकि मतदाता सूची पूरी तरह शुद्ध, त्रुटिरहित और अद्यतन तैयार हो सके। उपायुक्त ने अधिकारियों से अभियान के दौरान आए व्यावहारिक अनुभवों को भी साझा करने को कहा। उन्होंने पूरी प्रक्रिया में बेहतर टीमवर्क और समर्पण के लिए सभी अधिकारियों का उत्साहवर्धन किया। समीक्षा के दौरान सभी ईआरओ एवं एईआरओ ने एक स्वर में कहा कि जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त के कुशल नेतृत्व, नियमित वीडियो संवाद, लगातार मॉनिटरिंग और मार्गदर्शन के कारण इतने बड़े और जटिल अभियान को सफलतापूर्वक पूरा किया जा सका। इस अवसर पर समाहरणालय में प्रशिक्षु आईएएस डॉ० अरविंद राधाकृष्णन, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रेमचंद सिन्हा सहित जिले के अन्य वरीय अधिकारी, सभी ईआरओ एवं एईआरओ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित थे।

बोकारो एयरपोर्ट विकास को लेकर डीसी ने किया निरीक्षण, डीजीसीए जांच से पहले तैयारियां तेज

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। बोकारोवासियों के हवाई सफर के सपने को साकार करने की दिशा में जिला प्रशासन ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। मंगलवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अजय नाथ झा ने एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया और बोकारो इस्पात संयंत्र के अधिकारियों के साथ बोकारो एयरपोर्ट का संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण का उद्देश्य एयरपोर्ट के विकास कार्यों, नियमित संचालन की संभावनाओं और नागरिक उड्डयन महानिदेशालय के प्रस्तावित निरीक्षण से पहले आवश्यक व्यवस्थाओं को मानकों के अनुरूप तैयार करना था। इस दौरान एयरपोर्ट परिसर, रनवे, बोर्डिंग एरिया, सुरक्षा व्यवस्था और तकनीकी सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया गया। मौके पर झारखंड सिविल एविएशन के प्रबंध निदेशक कैप्टन एसपी सिन्हा, प्रशिक्षु आईएएस अरविंद राधाकृष्णन, अपर समाहर्ता सुनील चन्द्र, एएआई प्रतिनिधि मनोज कुमार, सेल एविएशन के मुख्य महाप्रबंधक सहित कई अधिकारी मौजूद थे। उपायुक्त ने एयरपोर्ट परिसर की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि डीजीसीए निरीक्षण से पहले रनवे और आसपास के क्षेत्रों में उगी घास, झाड़ियों और अनावश्यक वनस्पतियों की सफाई पूरी कर ली जाए। उन्होंने एयरपोर्ट के रखरखाव और संचालन से जुड़े कार्यों को शीघ्र पूरा करने के लिए एएआई और सेल प्रबंधन के साथ समन्वय स्थापित करने का निर्देश दिया।

बोकारो में 29 वाहन चालकों को मिला ड्राइविंग लाइसेंस, सड़क सुरक्षा पर दिया जोर

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। परिवहन विभाग झारखंड सरकार और टाटा मोटर्स के बीच इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइविंग, ट्रेनिंग एंड रिसर्च, जमशेदपुर की स्थापना को लेकर आयोजित एमओयू कार्यक्रम का सीधा प्रसारण बोकारो जिला प्रशासन ने झारनेट के माध्यम से देखा। राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन वर्चुअली जुड़े। कार्यक्रम के बाद जिला समाहरणालय में आयोजित समारोह में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अजय नाथ झा ने 29 वाहन चालकों को ड्राइविंग लाइसेंस, लर्निंग लाइसेंस और सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए हेलमेट प्रदान किए।

उपायुक्त ने कहा कि सुरक्षित और सुगम यातायात व्यवस्था के लिए प्रत्येक वाहन चालक के पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस होना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से जिले के विभिन्न प्रखंडों में विशेष शिविर आयोजित कर लाइसेंस बनाने की प्रक्रिया को गति दी जा रही है। उन्होंने बताया कि विशेष शिविरों में कुल 334 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 241 लर्निंग लाइसेंस जारी किए जा चुके हैं। वहीं सारथी पोर्टल पर लंबित 836 आवेदनों में से चार दिनों में 743 मामलों का निष्पादन किया गया। उपायुक्त ने बताया कि बोकारो में प्रतिवर्ष लगभग 600 भारी व्यावसायिक वाहनों के लाइसेंस जारी किए जाते हैं।

झारखंड आंदोलनकारियों को सम्मान देने की मांग, डीडीसी से मिला मोर्चा का प्रतिनिधिमंडल

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा एवं झारखंड आंदोलनकारी युवा मोर्चा का संयुक्त प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को उपायुक्त कार्यालय पहुंचा और उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने आंदोलनकारियों से जुड़े दस्तावेज डीडीसी को सौंपे।

मोर्चा के जिलाध्यक्ष राजदेव माहथा ने बताया कि 10 जुलाई 2026 को आयोजित अनिश्चितकालीन उपायुक्त आवास घेराव कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त ने आंदोलन कारियों की मांगों से संबंधित सभी दस्तावेज उपलब्ध कराने को कहा था। इसी क्रम में मंगलवार को संबंधित दस्तावेजों की प्रतियां प्रशासन को सौंपी गईं। उन्होंने बताया कि गृह विभाग, रांची द्वारा अधिसूचित आयोग से चिह्नित 881 और 425 यानी कुल 1306 झारखंड आंदोलनकारियों की सूची जिला प्रशासन के पास लंबित है। मोर्चा ने मांग की कि आगामी 15 अगस्त 2026 को जिला मुख्यालय में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में इन सभी आंदोलनकारियों को सम्मानित किया जाए। इस पर डीडीसी शताब्दी मजूमदार ने आश्वासन दिया कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सम्मान समारोह आयोजित कर आंदोलनकारियों को सम्मानित किया जाएगा।

डीवीसी बोकारो थर्मल में ऐश पॉन्ड पाइपलाइन बदलने का काम शुरू

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। डीवीसी बोकारो थर्मल पावर प्लांट से ऐश पॉन्ड तक जाने वाली वर्षों पुरानी और जर्जर पाइपलाइन को बदलने का कार्य मंगलवार से शुरू कर दिया गया। बाजारटांड़ स्थित मंदिर के समीप नई पाइपलाइन बिछाने का काम शुरू हुआ है। करीब साढ़े तीन किलोमीटर लंबी इस नई पाइपलाइन का शिलान्यास 24 जुलाई को डीवीसी के एचओपी सुशील कुमार अरजरिया ने किया था। वर्तमान में डीवीसी के मैकेनिकल प्रबंधक जसीम अहमद की देखरेख में ताज टेक्नो कंपनी द्वारा हाइड्रा मशीन और मजदूरों की सहायता से कार्य कराया जा रहा है। हालांकि, पाइपलाइन निर्माण में प्रबंधन को कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पाइपलाइन के ऊपर सुरक्षा के लिए बनाए गए स्लैब पर बाजारटांड़ और नूरीनगर क्षेत्र के लोगों ने अवैध रूप से मकान, दुकान, गैराज और सीढ़ियों का निर्माण कर लिया है। इसके अलावा क्षेत्र में बिजली के अवैध तारों का जाल और गंदगी भी काम में बाधा उत्पन्न कर रही है। हाइड्रा मशीन से कार्य के दौरान अवैध निर्माण करने वाले लोगों द्वारा विरोध किए जाने की शिकायत सामने आई है। सुरक्षा को देखते हुए बिजली के तारों से करंट और शॉर्ट सर्किट की आशंका के कारण प्रबंधन ने दिनभर पावर शटडाउन रखा।

सीबीएसई 12वीं सप्लीमेंट्री परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न, बोकारो में 1306 विद्यार्थियों ने दी परीक्षा

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 12वीं कक्षा की सप्लीमेंट्री परीक्षा मंगलवार को बोकारो जिले के दो केंद्रों पर शांतिपूर्ण और कदाचारमुक्त माहौल में संपन्न हुई। परीक्षा के लिए सेक्टर-4 स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल बोकारो और सेक्टर-5 स्थित चिन्मय विद्यालय को केंद्र बनाया गया था। सीबीएसई सिटी को-ऑर्डिनेटर सह डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. एएस गंगवार ने बताया कि दोनों केंद्रों पर कुल 1306 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की अनियमितता की सूचना नहीं मिली। डीपीएस बोकारो केंद्र पर कुल 843 पंजीकृत विद्यार्थियों में से 804 परीक्षार्थी शामिल हुए, जबकि 39 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। वहीं चिन्मय विद्यालय केंद्र पर 535 पंजीकृत विद्यार्थियों में से 502 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी और 33 अनुपस्थित रहे। सीबीएसई ने कंपार्टमेंट श्रेणी में शामिल विद्यार्थियों को उत्तीर्ण होने का एक और अवसर देने के उद्देश्य से यह परीक्षा आयोजित की थी। इसके अलावा जो विद्यार्थी किसी विषय में अपने अंक सुधारना चाहते थे, उन्हें भी इसमें शामिल होने का मौका मिला।

परीक्षा सुबह 10:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक आयोजित की गई। इसमें अंग्रेजी, हिंदी, गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, अकाउंटेंसी, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान सहित कई प्रमुख विषय शामिल थे।

चिन्मय विद्यालय में एआई और कंप्यूटेशनल थिंकिंग पर शिक्षकों को दिया गया प्रशिक्षण

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। चिन्मय विद्यालय बोकारो में मंगलवार को व्यावसायिक नैतिकता के साथ कंप्यूटेशनल थिंकिंग एवं एआई विषय पर एक दिवसीय इन-हाउस प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम में विद्यालय सचिव महेश त्रिपाठी, प्राचार्य सूरज शर्मा, वरीय उप प्राचार्य नरमेंद्र कुमार और उप प्राचार्य डॉ. रोशन शर्मा उपस्थित रहे।

कार्यशाला में एआई विभाग के अंकित सेन, अंजु, सोना लिसा और शुभेंदु ने संसाधन व्यक्ति के रूप में शिक्षकों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और कंप्यूटेशनल थिंकिंग की जानकारी दी। उन्होंने सीबीएसई के नए दिशा-निर्देशों के अनुरूप एआई को पाठ योजना से जोड़ने और इसके नैतिक उपयोग पर प्रकाश डाला। इस दौरान शिक्षकों को व्यावहारिक उदाहरणों और गतिविधियों के माध्यम से एआई के उपयोग की जानकारी दी गई। विद्यालय के मानसिक स्वास्थ्य सलाहकार मनीष कुमार और चिकित्सा विभाग की रागिनी ने व्यावसायिक नैतिकता, मानसिक स्वास्थ्य, सीपीआर और प्राथमिक उपचार पर संयुक्त सत्र आयोजित किया। मनीष कुमार ने शिक्षकों को भावनात्मक संतुलन और सदाचार के महत्व से अवगत कराया, जबकि रागिनी ने आपात स्थिति में सीपीआर और फर्स्ट एड की जानकारी दी। प्राचार्य सूरज शर्मा ने कहा कि आधुनिक शिक्षा में एआई और कंप्यूटेशनल थिंकिंग का समावेश जरूरी है। नैतिक मूल्यों के साथ एआई का उपयोग विद्यार्थियों के ज्ञान और कौशल को नई दिशा देगा।

बोकारो का आयुर्वेद मॉडल बना देश के लिए मिसाल, हर जिले में विकसित होंगे औषधीय उद्यान : एनएचएम निदेशक

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। बोकारो अब आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में देश के लिए एक मॉडल के रूप में उभर रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के निदेशक शशि प्रकाश झा ने सोमवार को पंचकर्म सह सेवा केंद्र का निरीक्षण कर यहां विकसित किए जा रहे आयुर्वेदिक औषधीय उद्यान और जोंक चिकित्सा आधारित नवाचार की सराहना की।

उन्होंने कहा कि औषधीय उद्यान आयुर्वेदिक एवं औषधीय पौधों के संरक्षण के साथ-साथ आम लोगों को इनके औषधीय गुणों और उपयोग की जानकारी उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि आधुनिक चिकित्सा पद्धति के साथ आयुर्वेद और प्राकृतिक उपचार पद्धतियां भी उतनी ही आवश्यक हैं। हमारे आसपास पाए जाने वाले कई औषधीय पौधे गंभीर बीमारियों के उपचार में उपयोगी साबित हो सकते हैं। निरीक्षण के दौरान एनएचएम निदेशक ने पंचकर्म सह सेवा केंद्र परिसर के पीछे स्थित गड्ढे का भी जायजा लिया। इस दौरान जिला आयुष पदाधिकारी डॉ. विक्रम ने उन्हें जोंक चिकित्सा और मछली पालन की संयुक्त योजना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जोंक चिकित्सा आयुर्वेद में उपचार की एक महत्वपूर्ण पद्धति है, जबकि मछलियां मच्छरों के लार्वा को नष्ट कर रोग नियंत्रण में सहायक होंगी। इस अभिनव पहल की निदेशक ने जमकर प्रशंसा की। शशि प्रकाश झा ने बताया कि बोकारो जिले में अब तक 10 आयुष अस्पताल स्थापित किए जा चुके हैं। वहीं, 28 नए आयुष अस्पतालों के निर्माण का प्रस्ताव तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि इन अस्पतालों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों तक आयुष सेवाओं का विस्तार होगा और लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। इस अवसर पर स्वदेशी कृषि प्रकोष्ठ झारखंड के प्रमुख ए.के. सिन्हा, जिला आयुष पदाधिकारी डॉ० शिव शंकर पांडेय, डॉ० विक्रम, जिला कार्यक्रम प्रबंधक मयंक मंजुल, पवन श्रीवास्तव, मनीष कुमार श्रीवास्तव, राजेंद्र तिवारी, आकर्ष पांडेय, आरती सिन्हा, सरिता श्रीवास्तव, धीरेन प्रसाद रजवार, सुदर्शन, अभय कुमार, संत कुमार, बिमल कुमार मिश्रा, दयानंद परमार, गौरी शंकर सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

बोकारो पब्लिक स्कूल की अंडर-17 बालिका बास्केटबॉल टीम सीबीएसई क्लस्टर-3 के फाइनल में पहुंची

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। सेक्टर-3/सी स्थित बोकारो पब्लिक स्कूल की अंडर-17 बालिका बास्केटबॉल टीम ने सीबीएसई क्लस्टर-3 प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में प्रवेश कर लिया है। टीम के बेहतरीन खेल प्रदर्शन से विद्यालय के साथ-साथ पूरे बोकारो शहर का गौरव बढ़ा है। यह प्रतियोगिता नारायण वर्ल्ड स्कूल, जमुहार रोहतास में 24 जुलाई से 28 जुलाई 2026 तक आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में बोकारो पब्लिक स्कूल की टीम ने शारदा ग्लोबल पब्लिक स्कूल, रांची को 12-5 के अंतर से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। इसके बाद सेमीफाइनल मुकाबले में टीम ने शिक्षा निकेतन, जमशेदपुर के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए 18-11 से जीत दर्ज की और फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।

टीम की इस सफलता में खिलाड़ियों आकांक्षा, अंकिता, अनुष्का, अदिति, माही, सिमरन, नंदनी और हर्षिखा का महत्वपूर्ण योगदान रहा। वहीं, टीम के कोच आकाश कुमार मंडल के कुशल प्रशिक्षण तथा टीम मैनेजर अमरजीत कौर के उत्कृष्ट मार्गदर्शन और प्रबंधन ने भी सफलता में अहम भूमिका निभाई। विद्यालय की प्राचार्या डॉ० सुधा शेखर ने टीम की इस उपलब्धि पर खिलाड़ियों, कोच आकाश कुमार मंडल और टीम मैनेजर अमरजीत कौर को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफलता खिलाड़ियों के कठिन परिश्रम, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है।

संक्षिप्त खबरें

मां वत्सला भवानी मंदिर निर्माण समिति का गठन, एसपी चौहान बने अध्यक्ष

चंद्रपुरा। दुगदा स्थित सम्राट पृथ्वीराज चौहान पार्क में मां शाकाम्भारी वत्सला भवानी मंदिर निर्माण कार्य के सफल संचालन के लिए चौहान समाज की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विद्यासागर हाई स्कूल के प्राचार्य सियाराम प्रसाद (एसपी) चौहान ने की। बैठक में सर्वसम्मति से मंदिर निर्माण समिति का गठन किया गया, ताकि निर्माण कार्य सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न हो सके। गठित समिति में एसपी चौहान को अध्यक्ष, संत चौहान एवं तिलक सिंह चौहान को कार्यकारी अध्यक्ष, देवानंद चौहान को सचिव, श्यामसुंदर चौहान एवं सुदामा चौहान को कोषाध्यक्ष तथा महेश प्रसाद चौहान, अशोक चौहान एवं सुरेंद्र चौहान को सह सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। वहीं आरसी चौहान, प्रेमलाल चौहान, बलवंत चौहान, प्रतीम चौहान, दयानंद चौहान तथा सूरजदेव चौहान सहित अन्य वरिष्ठ सदस्यों को संरक्षक मंडल में शामिल किया गया। बैठक में उपस्थित समाज के लोगों ने मंदिर निर्माण को समाज की आस्था और सांस्कृतिक विरासत से जुड़ा महत्वपूर्ण कार्य बताते हुए इसे समयबद्ध तरीके से पूरा करने का संकल्प लिया। सभी सदस्यों ने मंदिर निर्माण में समाज के प्रत्येक परिवार की भागीदारी सुनिश्चित करने तथा सहयोग जुटाने का निर्णय लिया। समिति ने मंदिर परिसर के समुचित विकास और धार्मिक गतिविधियों के नियमित आयोजन की भी रूपरेखा तैयार की।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की खबर पर हंटरगंज में कांग्रेस का जश्न, मिठाई बांटकर जताई खुशी

चतरा। जिले के हंटरगंज प्रखंड स्थित कांग्रेस कार्यालय में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की खबर सामने आने के बाद कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं ने खुशी जताई। इस अवसर पर कार्यकताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर इसे छात्रों के संघर्ष, एकजुटता और लोकतांत्रिक आंदोलन की जीत बताया। कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष कमेंद्र सिंह ने कहा कि यह घटनाक्रम छात्रों के साहस, संघर्ष और लोकतांत्रिक मूल्यों की जीत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा युवाओं, छात्रों और आम जनता से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाती रही है तथा आगे भी जनहित के सवालों पर संघर्ष जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और युवाओं के भविष्य की सुरक्षा सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। कमेंद्र सिंह ने राजनीतिक टिप्पणी करते हुए कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों को लेकर देशभर में असंतोष है और कांग्रेस लोकतांत्रिक तरीके से जनता की आवाज उठाती रहेगी। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पेपर लीक जैसे मुद्दों पर छात्रों का आंदोलन पूरे देश के युवाओं की भावनाओं का प्रतिनिधित्व करता है तथा विपक्ष ने भी सड़क से लेकर सदन तक उनकी आवाज बुलंद की है। इस अवसर पर कांग्रेस ओबीसी जिला अध्यक्ष सरवन साव, कमल कुमार केशरी, मनोज सिंह सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने छात्रों के आंदोलन के प्रति समर्थन व्यक्त करते हुए मिठाई बांटकर खुशी मनाई।

खेत में सब्जी तोड़ने गई किशोरी को सांप ने डंसा, इलाज के दौरान सदर अस्पताल में मौत

चतरा। जिले के प्रतापपुर थाना क्षेत्र के नावाडीह सिंगारो गांव में मंगलवार की अहले सुबह सर्पदंश की दर्दनाक घटना में 14 वर्षीय किशोरी की मौत हो गई। मृतका की पहचान काजल कुमारी (14 वर्ष) के रूप में हुई है। इस घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया, जबकि पूरे गांव में शोक का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंगलवार की सुबह काजल कुमारी अपने खेत में सब्जी तोड़ रही थी। इसी दौरान उसे एक विषैले सांप ने डंस लिया। सर्पदंश के बाद परिजन उसे तत्काल प्रतापपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया। किशोरी की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल, चतरा रेफर कर दिया। सदर अस्पताल में चिकित्सकों ने उसका इलाज शुरू किया, लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। इलाज के दौरान काजल कुमारी ने दम तोड़ दिया। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में शोक की लहर है और स्थानीय लोगों ने प्रशासन से सर्पदंश जैसी घटनाओं से निपटने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं एवं जनजागरूकता बढ़ाने की मांग की है।

जनता दरबार में अपर समाहर्ता ने सुनीं आमजनों की समस्याएं, त्वरित निष्पादन के दिए निर्देश

चतरा। समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में आयोजित जनता दरबार में उपायुक्त रवि आनंद के निर्देश पर अपर समाहर्ता अरबिंद कुमार ने जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का नियमानुसार एवं शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जनता दरबार में भूमि विवाद, आवास योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राशन कार्ड, मंईयां सम्मान योजना, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित अनेक आवेदन प्राप्त हुए। अपर समाहर्ता ने सभी मामलों का क्रमवार अवलोकन करते हुए अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्रवाई कर समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने जनशिकायत कोषांग के नोडल पदाधिकारी रितेश कुमार को जनता दरबार में प्राप्त सभी आवेदनों का विधिवत पंजीकरण कर संबंधित विभागों को भेजने तथा उनके निष्पादन की नियमित समीक्षा एवं अनुश्रवण सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया।जिला प्रशासन ने बताया कि समाहरणालय परिसर में प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को पूर्वाह्न 10:30 बजे से अपराह्न 12:30 बजे तक नियमित रूप से जनता दरबार का आयोजन किया जाता है। इस दौरान जिले के नागरिक अपनी समस्याओं एवं शिकायतों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। प्रशासन का उद्देश्य आमजनों की शिकायतों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है।

दुगदा में मां शाकाम्भारी वत्सला भवानी मंदिर निर्माण के लिए हुआ भूमिपूजन

चंद्रपुरा। दुगदा स्थित सम्राट पृथ्वीराज चौहान पार्क परिसर में मां शाकाम्भारी वत्सला भवानी मंदिर निर्माण के लिए वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच विधिवत भूमिपूजन किया गया। मुख्य यजमान संत चौहान एवं उनकी धर्मपत्नी पूनम चौहान ने पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना संपन्न कराई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बोकारो वियाडा के पूर्व चेयरमैन विजय कुमार झा ने कहा कि मां वत्सला भवानी मंदिर का निर्माण चौहान समाज के लिए शक्ति, आस्था और समृद्धि का केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि धर्म और संस्कृति का संरक्षण समाज को मजबूत बनाने का आधार है। उन्होंने सम्राट पृथ्वीराज चौहान की प्रतिमा स्थापना की भी आवश्यकता बताई और मंदिर निर्माण के लिए 1,11,101 रुपये की सहयोग राशि देने की घोषणा की। विद्यासागर हाई स्कूल के प्राचार्य एवं मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष एसपी चौहान ने कहा कि मां वत्सला भवानी चौहान समाज की कुलदेवी हैं तथा प्रत्येक वर्ष मकर संक्रांति पर यहां सामूहिक पूजा होती है। समाज की लंबे समय से मंदिर निर्माण की इच्छा थी, जिसे अब साकार किया जा रहा है। उन्होंने सभी समाजबंधुओं से तन, मन और धन से सहयोग करने की अपील की। इस अवसर पर बीसीसीएल के पूर्व महाप्रबंधक बीडी प्रसाद, प्रो. सीपी पांडेय, हीरालाल चौहान, किशोर चौहान सहित बड़ी संख्या में महिला-पुरुष उपस्थित थे।

गिरिडीह पुलिस ने लूटकांड का किया खुलासा, पांच शातिर अपराधी गिरफ्तार

झारखंड दर्शन संवाददाता

गिरिडीह। गिरिडीह पुलिस ने पचंबा थाना क्षेत्र में मछली व्यवसायी से हुई ?2.07 लाख की लूटकांड का सफल खुलासा करते हुए पांच शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक डॉ. विमल कुमार ने प्रेस वार्ता में बताया कि आरोपियों के पास से दो देसी कट्टे, तीन जीवित कारतूस, घटना में प्रयुक्त दो बिना नंबर की मोटरसाइकिल तथा लूटी गई राशि में से ?10 हजार नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार 23 जुलाई 2026 को मोहानपुर वन विभाग कार्यालय के समीप गिरिडीह-जमुआ मुख्य मार्ग पर दो मोटरसाइकिलों पर सवार अपराधियों ने हथियार के बल पर एक मछली व्यवसायी से ?2.07 लाख लूट लिए थे। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय-2 रूपेंद्र कुमार राणा के नेतृत्व में विशेष अनुसंधान दल का गठन किया गया। तकनीकी अनुसंधान एवं गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने दीपक कुमार वर्मा, पप्पू प्रसाद वर्मा, विजय राय उर्फ बाबा, अशोक दास तथा शंकर दास उर्फ भांगड़ा को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने इस लूटकांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार करने के साथ ही 2 जुलाई 2026 को गांडेय थाना क्षेत्र के बंधाबाद में फाइनेंस कर्मी से ?1.46 लाख की लूट में भी शामिल होने की बात कबूल की। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अपराधियों के विरुद्ध पहले से लूट, डकैती, चोरी और पॉक्सो अधिनियम सहित कई गंभीर मामले दर्ज हैं। इस अभियान में एसआईटी, पचंबा, गांडेय और बेंगाबाद थाना, अनुसंधान सेल तथा तकनीकी शाखा की संयुक्त टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जिले में अपराधियों के विरुद्ध विशेष अभियान आगे भी जारी रहेगा।

गिरिडीह में परिवहन विभाग का रिकॉर्ड, जून में जारी हुए 1,779 ड्राइविंग लाइसेंस

झारखंड दर्शन संवाददाता

गिरिडीह। जिले में परिवहन सेवाओं को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने की दिशा में जिला प्रशासन के प्रयासों का सकारात्मक परिणाम सामने आया है।

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी रामनिवास यादव ने अपने कार्यालय कक्ष में 15 लाभुकों को सांकेतिक रूप से ड्राइविंग लाइसेंस प्रदान किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वैध ड्राइविंग लाइसेंस केवल कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि सुरक्षित और जिम्मेदार वाहन संचालन का प्रमाण भी है। उपायुक्त ने सभी वाहन चालकों से यातायात नियमों का शत-प्रतिशत पालन करने की अपील की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि लाइसेंस निर्गमन की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, त्वरित और नागरिक हितैषी हो, ताकि पात्र आवेदकों को बिना अनावश्यक विलंब के सेवा उपलब्ध कराई जा सके। जिला परिवहन पदाधिकारी संतोष कुमार ने बताया कि जून 2026 में जिले में कुल 1,779 ड्राइविंग एवं लर्निंग लाइसेंस जारी किए गए। इनमें 906 स्थायी ड्राइविंग लाइसेंस, 798 लर्निंग लाइसेंस तथा 75 हेवी मोटर व्हीकल (एचएमवी) लाइसेंस शामिल हैं। उन्होंने कहा कि आवेदन से लेकर ड्राइविंग परीक्षण और लाइसेंस निर्गमन तक की पूरी प्रक्रिया निर्धारित मानकों के अनुरूप पूरी पारदर्शिता के साथ संचालित की जा रही है।

राज्यस्तरीय कार्यक्रम में चतरा के 17 लाभुकों को मिला ड्राइविंग लाइसेंस, उपायुक्त ने दिया सुरक्षित वाहन संचालन का संदेश

झारखंड दर्शन संवाददाता

चतरा। राज्यस्तरीय कार्यक्रम के अंतर्गत मंगलवार को चतरा जिले के 17 चयनित लाभुकों को ड्राइविंग लाइसेंस प्रदान किया गया। समाहरणालय में आयोजित सांकेतिक समारोह में उपायुक्त रवि आनंद ने लाभुकों को ड्राइविंग लाइसेंस वितरित करते हुए सुरक्षित, जिम्मेदार एवं यातायात नियमों के अनुरूप वाहन संचालन का संदेश दिया। यह कार्यक्रम परिवहन विभाग, झारखंड और टाटा मोटर्स लिमिटेड के बीच जमशेदपुर में इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइविंग ट्रेनिंग एंड रिसर्च की स्थापना के लिए हुए समझौता ज्ञापन के राज्यस्तरीय आयोजन के तहत हुआ। मुख्यमंत्री एवं परिवहन मंत्री की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण सभी जिलों में किया गया। उपायुक्त ने कहा कि प्रशिक्षित एवं जिम्मेदार चालक सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने तथा सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने सभी लाभुकों से यातायात नियमों का पालन करते हुए सुरक्षित वाहन चलाने की अपील की। जिला परिवहन पदाधिकारी माहेश्वरी प्रसाद ने बताया कि जिले के सभी प्रखंडों में 1 जुलाई से 25 अगस्त 2026 तक विशेष ड्राइविंग लाइसेंस शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। अब तक पत्थलगड्डा, चतरा, कुंदा, प्रतापपुर, हंटरगंज और कान्हाचट्टी में आयोजित शिविरों में 1,058 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 707 आवेदकों को लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस जारी किया जा चुका है। शेष प्रखंडों में भी निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शिविर आयोजित किए जाएंगे।

रेलवे क्रॉसिंग पर ओवरब्रिज व शक्तिपुंज एक्सप्रेस के ठहराव की मांग को लेकर सीपीएम का प्रदर्शन

झारखंड दर्शन संवाददाता

कथारा। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की बेरमो लोकल कमेटी के नेतृत्व में मंगलवार को जारंगडीह रेलवे स्टेशन प्रबंधक कार्यालय के समक्ष विभिन्न रेल संबंधी समस्याओं को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के बाद धनबाद मंडल रेल प्रबंधक के नाम स्टेशन प्रबंधक को मांगपत्र सौंपा गया। प्रदर्शन का नेतृत्व भागीरथ शर्मा एवं श्याम बिहारी सिंह 'दिनकर' ने किया। उन्होंने कहा कि जारंगडीह से पुराने बीडीओ कार्यालय तक पड़ने वाले कई रेलवे क्रॉसिंग लंबे समय तक बंद रहने के कारण आम लोगों को घंटों जाम में फंसना पड़ता है। गोमो से बरकाकाना रेलखंड के अधिकांश रेलवे फाटकों पर ओवरब्रिज या अंडरपास का निर्माण हो चुका है, लेकिन जारंगडीह क्षेत्र में अब तक ऐसी कोई सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गई है। उन्होंने इस मार्ग पर शीघ्र ओवरब्रिज अथवा अंडरपास के निर्माण की मांग की। इसके अलावा चोपन-गोमो एवं गोमो-चोपन पैसेंजर ट्रेनों में पटना के लिए आरक्षित कोच को पुनः बहाल करने तथा शक्तिपुंज एक्सप्रेस का जारंगडीह स्टेशन पर ठहराव शुरू करने की भी मांग उठाई गई। नेताओं ने कहा कि बेरमो स्टेशन के समीप साइडिंग निर्माण के कारण यात्रियों को चढ़ने-उतरने में कठिनाई हो रही है। ऐसे में जारंगडीह स्टेशन पर शक्तिपुंज एक्सप्रेस का ठहराव क्षेत्र के हजारों यात्रियों के लिए अत्यंत लाभकारी होगा।

प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई तो सीपीएम व्यापक आंदोलन शुरू करेगी। स्टेशन प्रबंधक ने मांगपत्र स्वीकार करते हुए उसे जल्द डीआरएम तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर विजय भोई, मनोज पासवान, रेणु दास, कमलेश कुमार गुप्ता, सुरेश प्रसाद यादव, मोहम्मद निजाम, सुधीर वर्मा, वरुण कुमार, विकास कुमार तथा चंद्रिका सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2026 के लिए गिरिडीह के शिक्षक संजीव कुमार का जिला स्तर पर चयन

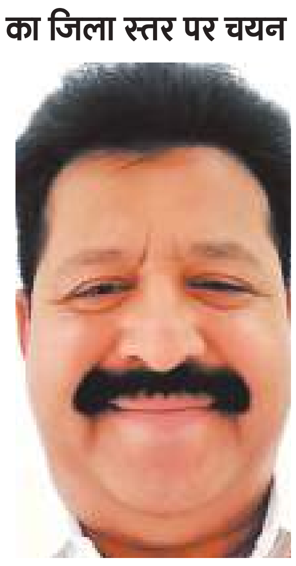

झारखंड दर्शन संवाददाता

गिरिडीह। शिक्षा के क्षेत्र में गिरिडीह जिले के लिए गर्व का क्षण है। सदर प्रखंड के पीएम श्री उत्क्रमित उच्च विद्यालय, धनयडीह के नोडल शिक्षक संजीव कुमार का राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2026 के लिए जिला चयन समिति द्वारा जिला स्तर पर चयन किया गया है। अब उनका नाम राज्य स्तरीय चयन प्रक्रिया के लिए भेजा गया है।

संजीव कुमार लंबे समय से गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, शैक्षणिक नवाचार, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, नामांकन बढ़ाने, विद्यालय छोड़ने वाले बच्चों की संख्या कम करने, बाल संसद एवं बाल संगठनों के संचालन तथा सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं।

उनके प्रयासों से विद्यालय प्रेरणादायी शिक्षण केंद्र के रूप में विकसित हुआ है। इससे पूर्व भी संजीव कुमार राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2024 के लिए झारखंड राज्य स्तर तक चयनित हो चुके हैं। वे गिरिडीह जिले के पहले शिक्षक हैं, जो राज्य स्तर तक पहुंचने में सफल रहे हैं। उनकी यह उपलब्धि शिक्षा के प्रति समर्पण, नवाचार और उत्कृष्ट कार्यशैली का प्रमाण मानी जा रही है। अपनी सफलता पर संजीव कुमार ने कहा कि यह सम्मान केवल उनका व्यक्तिगत सम्मान नहीं, बल्कि विद्यार्थियों, विद्यालय परिवार, अभिभावकों, सहकर्मियों और शिक्षा विभाग के सामूहिक सहयोग का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि उन्हें भविष्य में और अधिक समर्पण तथा नवाचार के साथ कार्य करने की प्रेरणा देगी। इस अवसर पर विद्यालय परिवार, शिक्षा विभाग के अधिकारियों, जिले के शिक्षकों तथा शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

लोकतंत्र के असली प्रहरी बने मिसाल, उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ सम्मानित

झारखंड दर्शन संवाददाता

गिरिडीह। मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बूथ लेवल अधिकारियों को जिला प्रशासन ने सम्मानित किया। अनुमंडल पदाधिकारी धीरेंद्र कुमार ने शत-प्रतिशत गणना प्रपत्रों का वितरण एवं समयबद्ध डिजिटाइजेशन पूरा करने वाले बीएलओ को प्रशस्ति देकर उनके कार्य की सराहना की। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष और सशक्त लोकतंत्र की नींव शुद्ध एवं विश्वसनीय मतदाता सूची पर आधारित होती है और इसमें बीएलओ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। सम्मानित होने वाले बीएलओ में गुलशन बानो, जीनत आरा, रेनू देवी, सुनीता देवी, भारती लोहानी, वीणा कुमारी, दीपक कुमार सिंह, निखत परवीन, मनीषा देवी तथा लक्ष्मी कुमारी शामिल हैं। इन सभी ने अपने-अपने मतदान केंद्रों पर पूरी निष्ठा, पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए विशेष पुनरीक्षण अभियान को सफल बनाया।

सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए एसडीएम धीरेंद्र कुमार ने कहा कि घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन, नए मतदाताओं का पंजीकरण, आवश्यक संशोधन तथा गणना प्रपत्रों का समयबद्ध डिजिटाइजेशन बीएलओ की मेहनत और समर्पण का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मियों का सम्मान अन्य कर्मचारियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जिला प्रशासन भविष्य में भी उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों का उत्साहवर्धन करता रहेगा, ताकि निर्वाचन संबंधी सभी कार्य गुणवत्ता, पारदर्शिता और निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरे किए जा सकें। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने सम्मानित बीएलओ को बधाई देते हुए उनके योगदान की सराहना की।

सीसीएल का जारंगडीह अस्पताल बंद होने की कगार पर, स्थानीय लोगों में रोष, आंदोलन की चेतावनी

झारखंड दर्शन संवाददाता

कथारा। सीसीएल कथारा क्षेत्र की जारंगडीह परियोजना स्थित अस्पताल इन दिनों बंद होने की कगार पर पहुंच गया है। अस्पताल में न तो नियमित चिकित्सक उपलब्ध हैं और न ही नर्सिंग स्टाफ की व्यवस्था है। अस्पताल की बदहाल स्थिति से नाराज स्थानीय लोगों ने मंगलवार को अस्पताल पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया और सीसीएल प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान कांग्रेस नेता एवं जारंगडीह अंजुमन के सदर सैयद मोहम्मद हारुण उर्फ प्रिंस तथा भाजपा नेता गौतम राम ने कहा कि एक सुनियोजित साजिश के तहत अस्पताल की पहचान और सुविधाओं को समाप्त करने का प्रयास किया जा रहा है, जो किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं होगा। उन्होंने कहा कि अस्पताल में ऑपरेशन थिएटर, महिला एवं पुरुष वार्ड, पेयजल और बिजली जैसी सभी आवश्यक आधारभूत सुविधाएं मौजूद हैं, फिर भी चिकित्सक, नर्स और अन्य कर्मचारियों की नियुक्ति नहीं होने से अस्पताल स्वयं बीमार होता जा रहा है।

नेताओं ने बताया कि कोरोना महामारी के दौरान यही अस्पताल बेरमो क्षेत्र का सबसे बड़ा कोविड सेंटर बना था, जहां सैकड़ों मरीजों का सफल उपचार हुआ था।

नौकरी और मुआवजा मिलने के बाद ही विस्थापित करेंगे पुनर्वास कॉलोनी में स्थानांतरण : शंभूनाथ महतो

झारखंड दर्शन संवाददाता

बेरमो। सीसीएल बीएंडके क्षेत्र की कारो बस्ती में मंगलवार को झारखंड विस्थापित संघर्ष मोर्चा की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता गौतम कुमार महतो ने की, जबकि संचालन विस्थापित नेता रोहन कुमार ने किया। बैठक में विस्थापितों की लंबित समस्याओं, नौकरी, मुआवजा तथा पुनर्वास से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि एवं झारखंड विस्थापित संघर्ष मोर्चा के केंद्रीय सचिव शंभूनाथ महतो ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारी एवं विस्थापित नेता बेनीलाल महतो के साथ सीसीएल के उच्चस्तरीय प्रबंधन की हुई वार्ता के निर्णयों को शीघ्र लागू किया जाए। उन्होंने मांग की कि कारो बस्ती के सभी पात्र विस्थापितों को लंबित नौकरी और मुआवजा तत्काल दिया जाए तथा बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जब तक विस्थापितों की सभी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक कारो बस्ती के लोग करगली सेलरी प्वाइंट स्थित पुनर्वास कॉलोनी में स्थानांतरित नहीं होंगे। यदि प्रबंधन ने मांगों की अनदेखी की, तो विस्थापित सीसीएल को एक इंच भी अतिरिक्त भूमि नहीं देंगे।

शंभूनाथ महतो ने आरोप लगाया कि सीसीएल प्रबंधन ने मूल विस्थापितों के साथ सौतेला व्यवहार किया है। जिन लोगों की जमीन अधिग्रहित हुई, उन्हें नौकरी और उचित मुआवजा नहीं मिला, जबकि बाहरी लोगों को रोजगार दे दिया गया। उन्होंने कहा कि कई ऐसे लोगों को भी नौकरी मिली, जिनकी जमीन सीसीएल परियोजना में अधिग्रहित ही नहीं हुई थी। उन्होंने दावा किया कि प्रबंधन स्वयं इस तथ्य से अवगत है और इसी कारण कई गैर-विस्थापित कर्मचारियों को सेवा से बर्खास्त किया जा चुका है। कुछ फर्जी कर्मचारियों के सेवानिवृत्त होने के बाद भी उनकी बकाया राशि लंबित रखी गई है।।अध्यक्ष गौतम कुमार महतो ने कहा कि डीआर एंड आरडी परियोजना में हजारों लोगों को नौकरी और मुआवजा दिया गया, जबकि वहां अब तक कोयले का उत्पादन भी शुरू नहीं हुआ। इसके विपरीत कारो क्षेत्र के विस्थापितों की जमीन से बिना नौकरी और मुआवजा दिए लाखों टन कोयले का खनन कर लिया गया। उन्होंने कहा कि वर्षों से विस्थापितों की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ है और न ही स्थानीय युवाओं को रोजगार मिला है। उन्होंने चेतावनी दी कि अब कारो क्षेत्र के विस्थापित अपने अधिकारों से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं करेंगे। बैठक में देवराज महतो, रमेश कुमार, नंदलाल महतो, सतीश करमाली, बुधन टुडू, टींकू महतो, लक्ष्मण कुमार रवानी, वीरेंद्र चौहान, रामप्रसाद करमाली, बसंत सोनी, जय कुमार टुडू, समरी देवी, गंगिया देवी, सुमित्रा देवी, तजवानी देवी, नगिया देवी, उर्मिला देवी, नुनिया देवी, अकवा देवी सहित बड़ी संख्या में विस्थापित उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

झाड़ियों में मिली नवजात बच्ची के इलाज और सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन सतर्क

धनबाद। बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के हुचुकटांड़ गांव के समीप झाड़ियों में मिली लावारिस नवजात बच्ची के मामले में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को बच्ची के बेहतर उपचार, सुरक्षा और कानूनी प्रक्रिया सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। 27 जुलाई को बरवाअड्डा थाना ने जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी तथा बाल कल्याण समिति को नवजात मिलने की सूचना दी। इसके बाद बाल कल्याण समिति के निर्देश पर बच्ची को तत्काल शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, धनबाद में भर्ती कराया गया। उपायुक्त के निर्देशानुसार नवजात का उपचार एसएनएमएमसीएच के गहन चिकित्सा कक्ष में विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में निःशुल्क किया जा रहा है। उपायुक्त ने पुलिस प्रशासन को नवजात के जैविक माता-पिता तथा उसे झाड़ियों में छोड़ने वाले व्यक्तियों की पहचान कर उनके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। जिला प्रशासन ने आम लोगों से भी अपील की है कि यदि किसी के पास इस घटना से संबंधित कोई जानकारी हो तो वे तत्काल पुलिस या जिला बाल संरक्षण कार्यालय को सूचित करें। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बच्ची की सुरक्षा, उपचार और पुनर्वास के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं।

गुरु रविदास के 650 वें प्रकाश पर्व पर छह माह तक चलेगा समरसता संकल्प अभियान

धनबाद। भारतीय जनता पार्टी धनबाद महानगर ने संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज के 650 वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में छह माह तक चलने वाले समरसता संकल्प अभियान की घोषणा की है। अभियान की तैयारियों को लेकर सोमवार को जिला कार्यालय में कार्यशाला आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष श्रवण राय ने की। मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा झारखंड प्रदेश के महामंत्री एवं अभियान के प्रदेश संयोजक अमर बाउरी उपस्थित रहे। कार्यशाला का संचालन जिला उपाध्यक्ष महेश पासवान ने किया, जबकि अभियान की विस्तृत जानकारी जिला महामंत्री एवं संयोजक रूपेश सिन्हा ने दी। उन्होंने बताया कि 29 जुलाई की संध्या को धनबाद महानगर के सभी मंडलों के लगभग 150 मंदिरों में 5,100 दीप प्रज्वलित कर समरसता दीप महोत्सव मनाया जाएगा तथा संतों का सम्मान किया जाएगा। अमर बाउरी ने कहा कि गुरु रविदास ने समाज के वंचित एवं उपेक्षित वर्गों में आत्मसम्मान और नई चेतना का संचार किया। उन्होंने सामाजिक समरसता, समानता और भाईचारे का संदेश दिया, जो आज भी प्रासंगिक है। उनके 41 पद गुरु ग्रंथ साहिब में संकलित हैं, जो उनके आध्यात्मिक और सामाजिक योगदान का प्रमाण हैं। कार्यशाला में राजेश पासवान, राजकुमार अग्रवाल, मानस प्रसून सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

धनबाद क्रिकेट संघ का सत्र 2025-26 उपलब्धियों से रहा शानदार

धनबाद। धनबाद क्रिकेट संघ के लिए सत्र 2025-26 उल्लेखनीय उपलब्धियों वाला रहा। इस दौरान कई खिलाड़ियों ने राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया। कोनैन कुरैशी का चयन बीसीसीआई के इमर्जिंग इंडिया टूनामेंट तथा ऑल इंडिया उत्तराखंड गोल्ड कप के लिए हुआ। वहीं नेहा कुमारी साव और वृष्टि कुमारी ने बीसीसीआई के अंडर-19 एलीट कैंप में स्थान बनाया। धनबाद ने जेएससीए की तीन प्रमुख ट्रॉफियों अंतर जिला अंडर-14, अंतर जिला अंडर-19 तथा रणवीर वर्मा सीनियर ट्रॉफी पर कब्जा जमाकर अपनी श्रेष्ठता साबित की। दिव्यांशु कुमार, सौविक भट्टाचार्य और रुद्र नारायण मिश्रा का चयन झारखंड अंडर-16 टीम में हुआ, जबकि सिद्धार्थ सिन्हा अंडर-19 टीम का हिस्सा बने। कोनैन कुरैशी ने विजय हजारे ट्रॉफी और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में झारखंड सीनियर टीम का प्रतिनिधित्व किया अंडर-15, अंडर-19, अंडर-23 और सीनियर वर्ग के राज्य स्तरीय शिविरों में जिले की अनेक खिलाड़ियों का चयन हुआ। नेहा कुमारी साव, वृष्टि कुमारी, बबली कुमारी, अनंदिता किशोर, शिफा हसन और दुर्गा कुमारी मुर्मू जैसी खिलाड़ियों ने झारखंड टीम में स्थान बनाकर जिले का गौरव बढ़ाया। इन उपलब्धियों ने धनबाद क्रिकेट संघ की मजबूत प्रशिक्षण व्यवस्था और प्रतिभा विकास की परंपरा को नई पहचान दिलाई।

भाकपा माले नेता राम प्रसाद राजवार के पिता बेंगू राजवार का निधन, क्षेत्र में शोक की लहर

सिंदरी/बलियापुर। भाकपा माले के सक्रिय एवं जुझारू कार्यकर्ता कॉमरेड राम प्रसाद राजवार के पूज्य पिता बेंगू राजवार (65 वर्ष) का आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन का समाचार मिलते ही बलियापुर एवं सिंदरी क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। राजनीतिक, सामाजिक तथा विभिन्न जनसंगठनों से जुड़े लोगों ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिवार को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की। सिंदरी के विधायक चंद्रदेव महतो ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि राम प्रसाद राजवार के पिता के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। तथा ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान और परिजनों को संबल प्रदान करें। पूर्व विधायक कॉमरेड आनंद महतो ने भी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि ईश्वर दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा परिवार को इस वज्रपात को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

मुख्यमंत्री दाल-भात केंद्रों का उपायुक्त ने किया औचक निरीक्षण, सुविधाएं बेहतर बनाने के दिए निर्देश

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने मंगलवार को सदर अस्पताल, कोहिनूर मैदान, बरटांड़ बस स्टैंड सहित शहर में संचालित विभिन्न मुख्यमंत्री दाल-भात केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्रों पर उपलब्ध भोजन की गुणवत्ता, साफ-सफाई, बैठने की व्यवस्था तथा भोजन वितरण प्रणाली का जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने मुख्यमंत्री दाल-भात केंद्रों की व्यवस्थाओं को अधिक सुदृढ़, पारदर्शी एवं जनोपयोगी बनाने के उद्देश्य से भोजन करने आने वाले प्रत्येक व्यक्ति का नाम, मोबाइल नंबर एवं आधार कार्ड नंबर दर्ज करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि योजना का लाभ वास्तविक एवं जरूरतमंद लोगों तक पहुंचे, इसके लिए व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है। उपायुक्त ने केंद्र संचालकों को भोजन की गुणवत्ता, पौष्टिकता एवं स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश देते हुए कहा कि इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी केंद्रों पर शुद्ध पेयजल, पर्याप्त बैठने की व्यवस्था तथा परिसर की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया। आदित्य रंजन ने कहा कि राज्य सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को सम्मानजनक और स्वच्छ वातावरण में रियायती दर पर गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराना है। इस योजना के संचालन में किसी भी प्रकार की अनियमितता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी मुख्यमंत्री दाल-भात केंद्रों का नियमित एवं औचक निरीक्षण जारी रहेगा, ताकि योजना का लाभ पात्र लोगों तक प्रभावी ढंग से पहुंच सके।

निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त सन्नी राज, जिला आपूर्ति पदाधिकारी पंकज कुमार तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

भाकपा माले ने सिंदरी में मनाया कामरेड चारु मजूमदार का 54वां शहादत दिवस

झारखंड दर्शन संवाददाता

सिन्दरी। भाकपा (माले) द्वारा संगठन के प्रथम महासचिव एवं नक्सलबाड़ी आंदोलन के प्रमुख नेता कामरेड चारु मजूमदार का 54वां शहादत दिवस श्रद्धा एवं संकल्प के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत कार्यकताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की।

श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि कामरेड चारु मजूमदार ने अपना संपूर्ण जीवन गरीब किसानों, मजदूरों, आदिवासियों तथा शोषित-वंचित वर्ग के अधिकारों और सम्मान की लड़ाई के लिए समर्पित कर दिया। वर्ष 1967 के नक्सलबाड़ी आंदोलन के माध्यम से उन्होंने सामंती शोषण और दमन के विरुद्ध आवाज बुलंद की।

वक्ताओं ने कहा कि 28 जुलाई 1972 को पुलिस हिरासत में उनकी मृत्यु हुई, लेकिन उनके विचार आज भी अन्याय और शोषण के खिलाफ संघर्ष की प्रेरणा देते हैं।

सभा में कहा गया कि वर्तमान समय में जल, जंगल और जमीन पर बढ़ते कॉर्पोरेट कब्जे, किसानों की बदहाली तथा मजदूरों के शोषण के बीच चारु मजूमदार के विचार और भी अधिक प्रासंगिक हो गए हैं। अंत में उपस्थित कार्यकताओं ने शोषणमुक्त समाज के निर्माण तथा जनसंघर्ष को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में राजीव मुखर्जी, विमल रवानी, सहदेव सिंह, विनोद महतो, सुभाष हांसदा, गोपाल महतो, ओमप्रकाश राम, राजू बावड़ी, राजेश मुखर्जी, प्रेम बहादुर, धनंजय बावड़ी, लगन महतो, साजन सिंह, प्रदीप मल्लिक, परेश रवानी, तापस बावड़ी और राजेंद्र साव सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने धनबाद की लाभुकों से किया संवाद, उपायुक्त ने 15 लोगों को सौंपे ड्राइविंग लाइसेंस

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। परिवहन विभाग एवं टाटा मोटर्स के बीच इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइविंग ट्रेनिंग एंड रिसर्च, जमशेदपुर की स्थापना के लिए हुए एमओयू हस्ताक्षर कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने धनबाद की लाभुक षष्ठी देवी एवं जोनाकी दत्ता से सीधा संवाद किया। कार्यक्रम में राज्य के सभी जिले ऑनलाइन माध्यम से जुड़े थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने धनबाद के उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन से भी बातचीत की। इसके बाद उन्होंने षष्ठी देवी एवं जोनाकी दत्ता से ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी ली और पूछा कि उन्हें लाइसेंस प्राप्त करने में किसी प्रकार की कठिनाई का सामना तो नहीं करना पड़ा। षष्ठी देवी ने बताया कि उन्होंने दोपहिया वाहन चलाने के लिए, जबकि जोनाकी दत्ता ने दोपहिया एवं हल्के मोटर वाहन चलाने के लिए ड्राइविंग लाइसेंस का आवेदन किया था। दोनों लाभुकों ने मुख्यमंत्री को बताया कि उन्हें लाइसेंस बनवाने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं हुई तथा निर्धारित प्रक्रिया पूरी होने के बाद समय पर लाइसेंस प्राप्त हो गया। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के समापन के बाद उपायुक्त आदित्य रंजन ने 15 लोगों को ड्राइविंग लाइसेंस प्रदान किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ड्राइविंग लाइसेंस केवल वाहन चलाने की अनुमति देने वाला दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह एक महत्वपूर्ण पहचान-पत्र भी है। वर्तमान समय में विभिन्न सरकारी प्रक्रियाओं में पहचान एवं पते के प्रमाण के रूप में ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट और आधार जैसे दस्तावेजों की आवश्यकता होती है। इसलिए प्रत्येक पात्र नागरिक के लिए ड्राइविंग लाइसेंस बनवाना आवश्यक है। उपायुक्त ने कहा कि अक्सर जांच के दौरान यह पाया जाता है कि कई युवा बिना ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन चलाते हैं, जो सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि दोपहिया अथवा चारपहिया वाहन चलाने वाले प्रत्येक चालक के पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस होना अनिवार्य है। उन्होंने जिले के अभिभावकों से अपील की कि वे अपने नाबालिग बच्चों को वाहन चलाने की अनुमति न दें। साथ ही, बालिग होने पर उनके ड्राइविंग लाइसेंस अवश्य बनवाएं। कार्यक्रम में जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर सी. द्विवेदी, डीआरडीए के निदेशक राजीव रंजन, मोटर वाहन निरीक्षक अभय कुमार, परिवहन कार्यालय एवं सड़क सुरक्षा टीम के कर्मी सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

जनता दरबार में उपायुक्त ने सुनीं लोगों की समस्याएं, त्वरित समाधान के दिए निर्देश

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने सोमवार को समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं शहरी क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। जनता दरबार में भूमि विवाद, अतिक्रमण, पेंशन, अबुआ आवास योजना, राशन कार्ड, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, विस्थापन, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित अनेक आवेदन प्राप्त हुए। उपायुक्त ने सभी आवेदनों को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्रत्येक मामले की निष्पक्ष जांच कर समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा किसी भी शिकायत के निस्तारण में अनावश्यक विलंब स्वीकार्य नहीं होगा। जनता दरबार के दौरान कई मामलों का संबंधित अधिकारियों से तत्काल समन्वय स्थापित कर मौके पर ही समाधान कराया गया। वहीं, शेष मामलों के शीघ्र निष्पादन के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनता दरबार में प्राप्त प्रत्येक आवेदन पर निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए पात्र आवेदकों को शीघ्र एवं उचित राहत उपलब्ध कराई जाए।

धनबाद मंडल में मेगा टिकट जांच अभियान, 601 यात्री पकड़े गए

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। पूर्व मध्य रेलवे के धनबाद मंडल में सोमवार को व्यापक स्तर पर मेगा टिकट जांच अभियान चलाया गया। यह अभियान सुनियोजित कार्यक्रम के तहत दिन-रात संचालित किया गया, जिसका उद्देश्य बिना टिकट और अनियमित रूप से यात्रा करने वाले यात्रियों पर प्रभावी कार्रवाई करना था। अभियान के दौरान कुल 601 यात्रियों को पकड़ा गया। इनमें बिना टिकट यात्रा करने वाले, उचित प्राधिकार के बिना यात्रा करने वाले तथा बिना बुक कराए सामान के साथ यात्रा करने वाले यात्री शामिल थे। जांच के दौरान इन यात्रियों से 5,66,665 रुपये जुमार्ने के रूप में वसूल किए गए। साथ ही सभी यात्रियों को भविष्य में वैध टिकट के साथ ही यात्रा करने की कड़ी हिदायत दी गई।

टिकट जांच अभियान के तहत धनबाद मंडल की विभिन्न जांच टीमों ने रेलवे स्टेशनों के साथ-साथ कई मेल एवं एक्सप्रेस ट्रेनों में भी सघन जांच की। अभियान के दौरान स्टेशनों के अनारक्षित टिकट काउंटरों पर यात्रियों की अच्छी-खासी भीड़ देखने को मिली, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि बड़ी संख्या में यात्रियों ने यात्रा से पहले टिकट लेना उचित समझा। धनबाद मंडल प्रशासन ने बताया कि टिकट जांच अभियान नियमित रूप से संचालित किया जा रहा है और भविष्य में भी इसी प्रकार जारी रहेगा। मंडल ने यात्रियों से अपील की है कि वे प्लेटफॉर्म पर प्रवेश करने से पहले वैध टिकट अवश्य लें तथा जिस श्रेणी का टिकट खरीदा है, उसी श्रेणी में यात्रा करें। रेलवे ने स्पष्ट किया कि नियमों का उल्लंघन करने वाले यात्रियों के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

कमलपुर जंगल में एकाकी जीवन जी रहे सुरेंद्र सोरेन की मदद के लिए आगे आया जिला प्रशासन

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। टुंडी प्रखंड के कमलपुर जंगल में पिछले लगभग 15 वर्षों से एकाकी एवं साधनहीन जीवन व्यतीत कर रहे 75 वर्षीय सुरेंद्र सोरेन की खबर मीडिया में प्रकाशित होने के बाद धनबाद जिला प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई की है। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने मामले का संज्ञान लेते हुए टुंडी के प्रखंड विकास पदाधिकारी विशाल पांडेय को तत्काल स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। निर्देश के बाद प्रखंड विकास पदाधिकारी ने मौके पर पहुंचकर सुरेंद्र सोरेन को चावल, दाल, आटा, नमक सहित सूखा राशन एवं अन्य आवश्यक खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई। साथ ही बारिश से बचाव के लिए उनकी झोपड़ी की मरम्मत कराई गई तथा कपड़े, कंबल और दैनिक उपयोग की अन्य आवश्यक वस्तुएं भी दी गईं। प्रशासन को मिली जानकारी के अनुसार परिवार के सदस्यों ने कई बार उन्हें घर वापस लाने का प्रयास किया, लेकिन उन्होंने जंगल छोड़ने से इनकार कर दिया। इसके बावजूद परिजन समय-समय पर उनका हालचाल लेने पहुंचते रहते हैं। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने बताया कि परिवार से संपर्क कर उन्हें पुनः घर ले जाने का प्रयास किया जाएगा। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि सुरेंद्र सोरेन को सरकार की सभी पात्रता आधारित कल्याणकारी योजनाओं से शीघ्र जोड़ा जाए, ताकि उन्हें भविष्य में किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकारी सहायता और योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

बलियापुर हीरक रोड की मरम्मत और प्रधानखंटा ओवरब्रिज के जीर्णोद्धार की मांग को लेकर उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। सिंदरी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बलियापुर हीरक रोड विनोद बिहारी चौक से गोल बिल्डिंग तक की जर्जर सड़क की शीघ्र मरम्मत तथा प्रधानखंटा ओवरब्रिज के त्वरित जीर्णोद्धार एवं भारी वाहनों के सुव्यवस्थित परिचालन की मांग को लेकर मंगलवार को सिंदरी की भाजपा नेत्री तारा देवी एवं धनबाद जिला ग्रामीण मंत्री डॉ० निशी महतो ने धनबाद उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में बताया गया कि लगभग 30 वर्ष पूर्व निर्मित बलियापुर हीरक रोड वर्तमान में पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। सड़क पर जगह-जगह बड़े गड्ढे होने के कारण आए दिन सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं। इससे क्षेत्र के लोगों को भय और असुरक्षा के माहौल में आवागमन करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने सड़क की तत्काल मरम्मत कराकर आवागमन को सुरक्षित एवं सुगम बनाने की मांग की।

इसके साथ ही प्रधानखंटा ओवरब्रिज के शीघ्र जीर्णोद्धार तथा भारी वाहनों के सुव्यवस्थित परिचालन की भी मांग उठाई गई। ज्ञापन में कहा गया कि इन समस्याओं के समाधान से क्षेत्र में यातायात व्यवस्था बेहतर होगी, दुर्घटनाओं पर अंकुश लगेगा और आम लोगों को राहत मिलेगी। इस अवसर पर बलियापुर पूर्वी मंडल अध्यक्ष विद्युत चक्रवर्ती, बलियापुर पश्चिमी मंडल अध्यक्ष सुनील मोदक, भीखराजपुर पंचायत के मुखिया दिलीप महतो, बादल रवानी, विश्वामित्र महतो, मिहिलाल रवानी, अभिषेक विश्वकर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। ज्ञापन सौंपने के दौरान भाजपा नेताओं ने कहा कि जनता की सुरक्षा, सुगम यातायात और क्षेत्र के समग्र विकास के लिए इन मांगों पर शीघ्र कार्रवाई अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जिला प्रशासन जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जल्द सकारात्मक पहल करेगा।

धनबाद में ईडी की बड़ी कार्रवाई, अवैध कोयला कारोबार मामले में कई ठिकानों पर छापेमारी

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। अवैध कोयला खनन और उससे जुड़े कथित वित्तीय लेनदेन की जांच के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार की अहले सुबह धनबाद जिले के कई स्थानों पर एक साथ छापेमारी की। इस कार्रवाई से जिले में हड़कंप मच गया। ईडी की टीम ने लोयाबाद थाना क्षेत्र के कनकनी चार नंबर स्थित झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला महानगर उपाध्यक्ष हरेंद्र के आवास और कार्यालय में जांच शुरू की। सूत्रों के अनुसार, सुबह करीब 5:30 बजे छह वाहनों के काफिले के साथ ईडी के अधिकारी सुरक्षा बलों के साथ मौके पर पहुंचे। परिसर को सुरक्षा घेरे में लेकर दस्तावेजों और अन्य अभिलेखों की गहन जांच की गई। छापेमारी की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई और क्षेत्र में हलचल बढ़ गई। जानकारी के अनुसार, ईडी की कार्रवाई केवल लोयाबाद तक सीमित नहीं रही। सोनारडीह के तेतुलिया स्थित रोहित यादव के आवास के अलावा झरिया, कपुरिया तथा धनबाद शहर के अन्य स्थानों पर भी एक साथ छापेमारी की गई। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई अवैध कोयला कारोबार से जुड़े आर्थिक लेनदेन की जांच का हिस्सा है। सूत्रों के मुताबिक, एक कोयला कारोबारी के आवास का मुख्य द्वार नहीं खुलने पर ईडी की टीम ने सीढ़ी लगाकर परिसर में प्रवेश किया और जांच शुरू की। समाचार लिखे जाने तक विभिन्न स्थानों पर ईडी की कार्रवाई जारी थी। हालांकि, इस संबंध में ईडी की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, बुधवार 29 जुलाई 2026

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

सुभाषितम्

तलवार ही सब कुछ है, उसके बिना न मनुष्य अपनी रक्षा कर सकता है और न निर्बल की। - गुरु गोविंद सिंह

आधुनिक तकनीकों से मिली 'बाघ संरक्षण' अभियानों को ऊर्जा?

'अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस' मनाने का मुख्य मकसद विश्वभर में तेजी से घटती बाघों की आबादी को रोकने एवं उनके संरक्षण के प्रति समूची दुनिया को जागरूक करना है। यह दिन जंगल की शान कहे जाने वाले बाघों के लिए समर्पित है। सालाना ये दिन 29 जुलाई को पूरे संसार में मनाया जाता है। शुरुआत रूस स्थित 'पीटरर्सबर्ग टाइगर संरक्षण शिखर सम्मेलन' के दौरान वर्ष-2010 में की गई थी। विश्व में बाघों की संख्या करीब 78 फीसदी तक घट चुकी है। गनीमत है कि भारत बाघों के मामले में अभी भी टॉप पर है। वैश्विक स्तर के आंकड़ों पर गौर करें तो अनुमानित, बाघों की संख्या पूरे विश्व में लगभग 5,500 के बीच है। इनमें से 72 प्रतिशत आबादी अकेले भारत में ही है। साल 2022 बाघ गणना में भारतीय जंगलों और टाइगर रिजर्व में 3,682 जंगली बाघ थे, इनमें पिछले दो वर्षों में इजाफा ठीक-ठाक हुआ। 'ग्लोबल टाइगर दिवस-2025' की थीम थी- 'हमारे हाथों में है बाघों का संरक्षण।'

बाघों की आबादी के मामले में भारत के अलावा दूसरे पायदान पर रूस है। अखिल भारतीय बाघ जनगणना-2022 में बाघों की जितनी संख्या बताई गई थी, उनमें अब 12 फीसदी की वृद्धि हो चुकी है। हालांकि, संपूर्ण संख्या अगली गणना में ही सामने आएगी। बाघ संरक्षण की दिशा में बीते कुछ वर्षों से सराहनीय प्रयास हुए हैं। बाघों का सर्वेक्षण आधुनिक तकनीकों से किया जाने लगा है। प्रत्येक टाइगर रिजर्व क्षेत्रों में कैमरे लगवाए गए हैं, ताकि उनकी आबादी का सही-सही आंकड़ा सामने आ सके और उनकी चहलकदमी पर नजर रखी जा सके। पिछली बाघ गणना के दौरान मध्य प्रदेश के शिवपुरी में एकाध बाघ दिखे तो केंद्र सरकार ने 9 मार्च 2025 को उस जगह को 58 वां टाइगर रिजर्व स्थापित कर दिया जिसका नाम 'माधव राष्ट्रीय उधान' रखा गया। यह प्रदेश का 9वां टाइगर रिजर्व है।

गौरतलब है कि भारत में बाघों की गणना प्रत्येक 5 साल बाद की जाती है पिछली गणना 2022 में हुई थी, अगली गणना मार्च-2027 में करवाने का प्रस्ताव पारित है। बाघों की आबादी जितनी होनी चाहिए, उतनी है नहीं। बाघ संरक्षण पर केंद्र सरकार सालाना करीब 250 से 290 करोड़ रूपए खर्च करती है। वन्य जीव रेस्क्यू सेंटर में रखे गए प्रत्येक बाघ पर साल में 20 लाख से ज्यादा खर्च होता है। आजादी से पूर्व 100 साल पहले यानी 1926 के आसपास में भारत में बाघों की आबादी सर्वाधिक एक लाख से भी अधिक हुआ करती थी, जो घटती-घटती आज कुछ हजारों तक ही सिमट गई। उत्तराखंड स्थित सिर्फ जिम कॉर्बेट में ही हजारों बाघ पाए जाते थे। हालांकि, सर्वाधिक संख्या आज भी वहीं है। पिछली गणना में 231 बाघ बताए गए थे। इस समय मध्य प्रदेश में 785, कर्नाटक में 524 बाघ हैं।

बाघों के लुप्त होते कारणों में आवासों की कमी, वन-विखंडन, अवैध शिकार, मानव-वन्यजीव संघर्ष जैसे मुख्य वजहें हैं। अगर ये रूक जाएं तो बाघों की संख्या एकाएक बढ़ जाएगी। एशिया के कुछ देश ऐसे हैं जहां बाघ पूरी तरह से विलुप्त हो गए हैं उनमें, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम शामिल हैं। कुछ देश इस मामले में विलुप्ति की कगार पर हैं। बाघों का अवैध शिकार समूचे संसार में तेजी से जारी है। होता क्यों है? ये भी जानना जरूरी है।

दरअसल, अंतरराष्ट्रीय बाजार में बाघों के अंगों की सदैव से भारी डिमांड रही है जिनमें एशियाई बाघों की सबसे ज्यादा। इसे देखते हुए बाघ संरक्षण के क्षेत्र में और सख्ती बरतने की जरूरत है। कानूनों को कठोर और जुर्माने का भारी-भरकम प्रावधान किए जाने की जरूरत है। ताकि, कोई भी नुकसान पहुंचाने से पहले सौ बार सोचे। पिछले एक वर्ष में विभिन्न राज्यों में करीब 75 लोगों पर एफआईआर दर्ज हुई, कइयों को जेल भी हुई। नरसिंहपुर, बालाघाट और बांधवगढ़ में बाघों के अवैध शिकार व अंगों की तस्करी मामलों में मार्च 2025 में एक साथ दर्जनों शिकारियों की गिरफ्तारी हुई थी। आरोपियों पर वन्यजीव संरक्षण अधिनियम-1972 के तहत कार्रवाही की जाती है जिसमें 3 से 7 साल की कैद का प्रावधान है। इसे रिफॉर्म किए जाने की अब जरूरत है।

जंगली बाघ हमारे पारिस्थितिकी तंत्र के सामंजस्य को बनाए रखने में हमेशा से महत्वपूर्ण भूमिका निभाते आए हैं। भारत में टाइगरों के संरक्षण के लिए केंद्रीय और राज्य स्तरों पर विभिन्न अभियान बीते एकाध दशकों से जारी हैं। इन अभियानों के निरंतर चलते रहने से ही भारत में इस समय 58 टाइगर रिजर्व स्थापित हैं। ये बाघ रिजर्व 19 राज्यों में फैले हैं। सर्वाधिक टाइगर रिजर्व मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और कर्नाटक में हैं। करीब 30 पहले भारत में बाघों की आबादी अचानक से घटनी शुरू हुई तो सरकार ने 'टाइगर टास्क फोर्स' का गठन किया। जिसकी रिपोर्ट के आधार पर केंद्र सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने 1 जुलाई 1973 को 'प्रोजेक्ट टाइगर' आरंभ करके बाघों की घटती आबादी को किसी तरह रोकना शुरू किया। इस प्रयोग से जबरदस्त फायदा हुआ।

-डॉ. रमेश ठाकुर

गुरु की महिमा, भारतीय संस्कृति का अमर प्रकाश

विनय कुमार तिवारी

भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च माना गया है। गुरु केवल ज्ञान देने वाला शिक्षक नहीं होता, बल्कि वह जीवन को सही दिशा देने वाला मार्गदर्शक, प्रेरणास्रोत और व्यक्तित्व का निमार्ता होता है। भारतीय परंपरा में गुरु को ईश्वर से भी श्रेष्ठ माना गया है, क्योंकि गुरु ही ईश्वर के ज्ञान और सत्य का मार्ग दिखाता है। इसी महान गुरु परंपरा के सम्मान में प्रत्येक वर्ष आषाढ़ मास की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा का पर्व मनाया जाता है। यह दिन महर्षि वेदव्यास की जयंती के रूप में भी प्रसिद्ध है, जिन्होंने वेदों का विभाजन किया, महाभारत, अठारह पुराण तथा ब्रह्मसूत्र जैसे महान ग्रंथों की रचना कर भारतीय ज्ञान परंपरा को अमर बना दिया। इसलिए इस दिन को व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है। गुरु पूर्णिमा केवल एक धार्मिक पर्व नहीं है, बल्कि यह ज्ञान, संस्कार, कर्तव्य, अनुशासन और आत्मविकास का उत्सव है। इस दिन शिष्य अपने गुरु के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हैं और उनसे आशीर्वाद प्राप्त कर जीवन को सार्थक बनाने का संकल्प लेते हैं। भारतीय शास्त्रों में गुरु की महिमा का वर्णन अनेक स्थानों पर मिलता है। सबसे प्रसिद्ध श्लोक है–

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुदेवी महेश्वरः।
गुरुः साक्षात् परब्रह्म तस्मै श्रीगुरवे नमः॥

अर्थात् गुरु ही ब्रह्मा हैं, जो सृजन करते हैं, गुरु ही विष्णु हैं, जो पालन करते हैं तथा गुरु ही महेश्वर हैं, जो अज्ञान का नाश करते हैं। गुरु साक्षात परब्रह्म हैं, ऐसे श्रीगुरु को मेरा प्रणाम।

यह श्लोक स्पष्ट करता है कि गुरु का कार्य केवल शिक्षा देना नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर छिपी दिव्यता को जागृत करना है। उपनिषदों में भी गुरु की आवश्यकता पर विशेष बल दिया गया है–

तद्विज्ञानार्थं स गुरुमेवाभिगच्छेत्।
समित्पाणिः श्रोत्रियं ब्रह्मनिष्ठम्॥

अर्थात परम ज्ञान की प्राप्ति के लिए मनुष्य को ऐसे गुरु के पास जाना चाहिए जो वेदों का ज्ञाता और ब्रह्मनिष्ठ हो।

भारतीय संस्कृति में गुरु-शिष्य परंपरा हजारों वर्षों से चली आ रही है। महर्षि वशिष्ठ और भगवान श्रीराम, महर्षि सांदीपनि और भगवान श्रीकृष्ण, द्रोणाचार्य और अर्जुन, चाणक्य और चंद्रगुप्त, समर्थ रामदास और छत्रपति शिवाजी जैसे अनेक उदाहरण इस परंपरा की महानता को सिद्ध करते हैं। इन गुरुओं ने केवल शिक्षा ही नहीं दी, बल्कि राष्ट्र निर्माण की आधारशिला भी रखी।

गुरु पूर्णिमा पर विशेष

कबीरदास ने गुरु की महिमा का वर्णन करते हुए कहा–

गुरु गोविन्द दोऊ खड़े, काके लागूं पाय।
बलिहारी गुरु आपने, गोविन्द दियो बताय॥

अर्थात यदि गुरु और भगवान दोनों सामने खड़े हों तो पहले गुरु के चरण स्पर्श करने चाहिए, क्योंकि गुरु ने ही भगवान तक पहुंचने का मार्ग बताया है।

गुरु पूर्णिमा का संबंध महर्षि वेदव्यास से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने चारों वेदों का विभाजन कर उन्हें व्यवस्थित किया, महाभारत की रचना की और पुराणों के माध्यम से धर्म, संस्कृति एवं इतिहास को जन-जन तक पहुँचाया। इसी कारण उन्हें आदि गुरु भी कहा जाता है। उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए गुरु पूर्णिमा का पर्व मनाया जाता है।

भारतीय दर्शन में कहा गया है–

अज्ञानतिमिरान्धस्य ज्ञानाञ्जनशलाकया।
चक्षुरुन्मीलितं येन तस्मै श्रीगुरवे नमः॥

अर्थात जो गुरु अज्ञान रूपी अंधकार से ढकी आंखों को ज्ञान रूपी अंजन से खोल देते हैं, उन श्रीगुरु को प्रणाम है।

आज के आधुनिक युग में शिक्षा के अनेक साधन उपलब्ध हैं। इंटरनेट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल पुस्तकालय और ऑनलाइन पाठ्यक्रमों ने ज्ञान को सुलभ बना दिया है, लेकिन इन साधनों के बावजूद गुरु की आवश्यकता समाप्त नहीं हुई है। सूचना और ज्ञान में अंतर होता है। सूचना इंटरनेट से मिल सकती है, परंतु उस सूचना का सही उपयोग, विवेक, नैतिकता और जीवन मूल्यों का ज्ञान गुरु ही प्रदान करता है।

गुरु केवल विद्यालय या महाविद्यालय का शिक्षक नहीं होता। माता-पिता बच्चे के प्रथम गुरु होते हैं। समाज, प्रकृति, अनुभव और जीवन की परिस्थितियां भी गुरु का कार्य करती हैं। जो व्यक्ति हमें सही मार्ग दिखाए, हमारी गलतियों को सुधारने का साहस दे और हमारे व्यक्तित्व का निर्माण करे, वही वास्तविक गुरु है। संस्कृत में कहा गया है–

आचार्यात् पादमादत्ते पादं शिष्यः स्वमेधया।
पादं सब्रह्मचारिभ्यः पादं कालक्रमेण च॥

अर्थात विद्यार्थी एक चौथाई ज्ञान गुरु से, एक चौथाई अपनी बुद्धि से, एक चौथाई सहपाठियों से और शेष एक चौथाई समय एवं अनुभव से प्राप्त करता है। यह श्लोक बताता है कि गुरु शिक्षा का मूल आधार हैं।

भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते हैं–

तद्विद्धि प्रणिपातेन परिप्रश्नेन सेवया।
उपदेक्ष्यन्ति ते ज्ञानं ज्ञानिनस्तत्त्वदर्शिनः॥
(गीता 4.34)

अर्थात विनम्रता, सेवा और उचित प्रश्नों के माध्यम से गुरु के पास जाओ। तत्त्वदर्शी ज्ञानी पुरुष तुम्हें सत्य का ज्ञान देंगे। गुरु पूर्णिमा आत्मचिंतन का भी अवसर है। इस दिन हमें यह विचार करना चाहिए कि क्या हम अपने गुरु के उपदेशों का पालन कर रहे हैं? क्या हम अपने जीवन में सत्य, ईमानदारी, अनुशासन और सेवा जैसे मूल्यों को अपनाते हैं? गुरु के प्रति सच्ची श्रद्धा केवल पुष्प अर्पित करने से नहीं, बल्कि उनके बताए मार्ग पर चलने से प्रकट होती है। आज समाज अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है, नैतिक मूल्यों का ह्रास, नशे की प्रवृत्ति, हिंसा, स्वार्थ, पर्यावरण संकट और सामाजिक असमानता। इन समस्याओं का समाधान केवल कानूनों से नहीं, बल्कि संस्कारयुक्त शिक्षा से संभव है। गुरु ही विद्यार्थियों में चरित्र, अनुशासन, राष्ट्रप्रेम और मानवता के संस्कार विकसित कर सकते हैं।

स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि शिक्षा का उद्देश्य केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर निहित पूर्णता का विकास करना है। यही कार्य गुरु करते हैं। वे शिष्य को केवल सफल नहीं, बल्कि श्रेष्ठ और संवेदनशील मनुष्य बनाते हैं।

गुरु पूर्णिमा का पर्व हमें यह भी सिखाता है कि जीवन में विनम्रता और कृतज्ञता का भाव बनाए रखें। जो व्यक्ति अपने गुरु, माता-पिता और शिक्षकों का सम्मान करता है, उसके जीवन में सफलता और सम्मान स्वतः प्राप्त होते हैं। गुरु के आशीर्वाद से ज्ञान, विवेक और आत्मविश्वास का विकास होता है।

अंत में गुरु की महिमा का एक और प्रसिद्ध संस्कृत श्लोक स्मरणीय है–

ध्यानमूलं गुरोर्मूर्तिः पूजामूलं गुरोः पदम्।
मन्त्रमूलं गुरोर्वाक्यं मोक्षमूलं गुरोः कृपा॥

अर्थात गुरु का स्वरूप ही ध्यान का आधार है, उनके चरण पूजा का आधार हैं, उनके वचन मंत्र के समान हैं और उनकी कृपा ही मोक्ष का आधार है।

गुरु पूर्णिमा भारतीय संस्कृति का ऐसा पावन पर्व है, जो हमें ज्ञान, विनम्रता, कृतज्ञता और आत्मविकास का संदेश देता है। यह दिन हमें स्मरण कराता है कि जीवन में चाहे कितनी भी आधुनिक तकनीक क्यों न आ जाए, गुरु का स्थान कभी कोई नहीं ले सकता। गुरु ही वह दीपक हैं जो अज्ञान रूपी अंधकार को दूर कर ज्ञान का प्रकाश फैलाते हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह अपने गुरु का सम्मान करे, उनके उपदेशों को जीवन में उतारे और ज्ञान की इस महान परंपरा को आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाए।

'गुरु का सम्मान केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि जीवन भर निभाया जाने वाला संस्कार है। गुरु के चरणों में श्रद्धा ही ज्ञान, सफलता और जीवन की सच्ची समृद्धि का प्रथम सोपान है।'

साधन पथ प्रदर्शक हैं गुरु, किन्तु साध्य नहीं

डॉ. उमेश चन्द्र शर्मा

सद्गुरु पूजनीय, वंदनीय और पथ प्रदर्शक हैं, वह शिष्य के अज्ञान अंधकार को दूर कर ज्ञान रुपी दीपक जलाने वाला और परमात्म प्राप्ति हेतु साधन का दिग्दर्शन कराने वाला महापुरुष है। वह केवल गुरु ही है, जो अपने शिष्य में पिंड से लेकर ब्रह्मांड तक दर्शन की क्षमता विकसित करता है, गुरु ही अपने शिष्य को कर्म ज्ञान और भक्ति का यथार्थ दर्शन कराता है, जिसके सहारे शिष्य अध्यात्म के उस शिखर पर पहुंच सकता है, जहां जाने के बाद सांसारिक सुख-समृद्धि और वैभव तुच्छ दिखाई देने लगते हैं किंतु वह साध्य नहीं है और न ही ध्येय हो सकता है। ध्येय है, सर्वव्यापी, निर्विकार, निराकार और नियंता, परब्रह्म परमात्मा।

गुरु का महत्व समझाते हुए अक्सर इन पंक्तियों को भी उद्धृत किया जाता है। संत कबीरदास का यह प्रसिद्ध दोहा गुरु की महिमा का बखान करता है-

गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पायँ।
बलिहारी गुरु आपनो, गोविंद दियो बतायँ।।

गुरु और ईश्वर दोनों एक साथ खड़े हों तो पहले किसे प्रणाम करना चाहिए? ऐसे में गुरु के चरण पहले छूने चाहिए क्योंकि गुरु ने ही हमें ईश्वर तक पहुँचने का सही मार्ग और ज्ञान दिया है।)

यह सद्गुरु की महिमा है किंतु इस उक्ति का अभिप्राय ऐसा नहीं लिया जाना चाहिए कि गुरू ने गोविंद का पथ बतलाया है इसलिए उन्हें ही पकड़ कर बस वहीं ठहर जाना चाहिए बल्कि इसको इस रूप में लिया जाना चाहिए कि हम उस गुरु को पहले वंदन करें जो गोविन्द को बताकर परे हट गए कि देख यह सीधा सरल रास्ता गोविन्द की ओर ही जा रहा है, तू इसे पकड़ ले. तो हम उस गुरु को प्रथम प्रणिपात करें, जिन्होंने गोविन्द को पा लेने का मार्ग बताया ओर अलग हट गए, कि देख गोविन्द तुझे ऐसे मिलेंगे। सद्गुरु कहता है कि अब मेरी आवश्यकता रह ही नहीं जाती है। मेरे द्वारा जो पथ बताया गया है, उस पथ पर ही चलते चलते चले जाना है। सद्गुरू कहता है कि अब तू चलता चला जा उस पथ पर, जो मैंने तुझे बताया है। वास्तविकताओं में भी पथ का दिग्दर्शन कराने के बाद पथ प्रदर्शक की भूमिका आखिर क्या रह जाती है? सद्गुरु ने हमें जो रास्ता बता दिया उसके अनुसार हम अपनी यात्रा शुरू कर दें, यही उचित है। किंतु यदि हम चले नहीं और उस पथ प्रदर्शक या गुरु के पास रुके रह जाएं तो क्या हम अपनी मंज़िल पर पहुंच सकेंगे? उत्तर होगा नहीं।

इन पंक्तियों का सार तत्व यही है कि हमें अपने गुरु ने जो रास्ता बताया है, उस पर चलना शुरू कर दें तो परमात्मा रूपी मंजिल मिलेगी। यही है गुरू पूजा और दक्षिणा भी यही है कि उनके बताए मार्ग का अनुसरण करते हुए गुरु आज्ञानुसार परमात्मतत्व कीर्तन, जप, ध्यान ओर स्मरणरत हों। पथ प्रदर्शक सत्गुरु के बताए अनुसार साधन के माध्यम से ही साध्य परमात्मा को पाने की दिशा में आगे बढ़ा जा सकता है। सारभूत तत्व यही है कि उस गुरु का बड़ा आभार जो कि गोविन्द का पथ बताकर रास्ते से परे हट गए। गुरू मनुष्य की अंधकार से प्रकाश की आध्यात्मिक यात्रा का प्रेरक तत्व है। गुरु एक सीढ़ी है, जिसके सहारे ऊपर जाया जा सकता है, किंतु वह मंजिल नहीं है जहां जाकर सब यात्राएं विराम पा लेती है। गुरु तैरना सिखा देता है ताकि दरिया को पार किया जा सके, किंतु यदि कोई व्यक्ति जरूरत के वक्त भी गुरु के उस ज्ञान को अंगीकार नहीं करे तो वह डूबने से आखिर कैसे बचेगा? वस्तुतः गुरु एक सीढ़ी है, सीढ़ी के सहारे ऊपर तो चढ़ा जा सकता है किन्तु उसे ही थामे रखकर वास्तविक उद्देश्य की प्राप्ति नहीं की जा सकती। आचार्य रजनीश कहते हैं, 'गुरु एक सीढ़ी या निसेनी है, जिसपर चढ़कर ऊपर पहुंच जाओ और उसे गिरा दो किंतु यदि तुम उस निसेनी को थाम कर ही बैठे रह गए तो जिस उद्देश्य के लिए निसेनी पर चढ़ कर ऊपर पहुंचे हो तो उसे कभी पूरा नहीं कर पाओगे।'

यह प्रश्न भी किया जा सकता है कि निसेनी यदि गिरा दोगे तो फिर नीचे कैसे आओगे? कहा जाना चाहिए कि उस अनंत की यात्रा उच्च सोपान की यात्रा है, उस परम पुरुष तक पहुंचने की यात्रा जो कि अध्यात्म का चरम लक्ष्य है, हमारे ऋषियों-महर्षियों ने वैदादिकों में इसका गुणगान किया है और महात्मा पुरूषों ने इसकी बहुभांति विवेचना भी की है।

गुरू एक माध्यम है, जिसके द्वारा गोविन्द का ज्ञान होता है इसलिए गुरु ने गोविन्द की प्राप्ति के लिए जो साधन बताए हैं, हम वह साधन करें तो उस परमात्म तत्व की प्राप्ति की ओर बढ़ा जा सकता है। किंतु यदि हम गुरु द्वारा बताए गए साधन नहीं करें और गुरु के नाम का ही जाप करते रहें तो हमें क्या प्राप्त होगा? इसलिए निसेनी गिरा देने का अर्थ इतना ही है कि गुरू को नहीं पकड़ते हुए गुरू ने जो उपदेश दिया है उस पर अमल कर आत्मसात करें। साथ ही उन्होंने जो कुछ कहा है अथवा उनके द्वारा जो साधन बताया गया है, उसे पूरी श्रद्धा से अंगीकार करें।

शास्त्र कहते हैं कि शिक्षा गुरु तो अनेक हो सकते हैं किंतु दीक्षा गुरु केवल एक होना चाहिए, किंतु प्रश्न पैदा होता है कि वह कैसा हो? हमारे शास्त्रों में उल्लेख किया गया है कि वह अपने शिष्यों के लिए निरपेक्ष भाव से भावित और ब्रह साक्षात्कार का मार्ग प्रशस्त करने वाला हो, न कि गुरु दक्षिणा के नाम पर धन की अपेक्षा रखने वाला हो। आज देखा जाता है कि ज्यादातर महात्मा अपने अनुयायियों को अपने पंथ से जोड़े रखने ओर स्वयं के प्रति पूज्यता के भाव को बनाए रखने के लिए गुरु की महत्ता को अतिशयोक्तिपूर्ण ढंग से बखान करते हुए शिष्यों को बांधे रखते है, ऐसा व्यक्ति संत कहला सकता है किंतु वह सद्गुरु नहीं हो सकता। सद्गुरु तो पथ प्रदर्शक है, शिष्य के अज्ञान अंधकार को दूर कर ज्ञान रुपी दीपक जलाने वाला। ऐसा वह गुरु वंदनीय और प्रथम प्रणाम करने योग्य है, वह ब्रह्म स्वरूप है।

कांवड़ यात्रा : भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर

डॉ. आशीष वशिष्ठ

सावन महीने की शुरूआत होते ही हिमालय से लेकर कन्याकुमारी तक, गंगा गंगोत्री से लेकर रामेश्वरम तक सम्पूर्ण भारत शिवमय हो उठता है। सावन माह में शिवभक्तों की विशाल पदयात्राएं जो कांवड़ यात्रा के नाम से जानी जाती है, भारतीय संस्कृति की जीवंतता का अनुपम दृश्य प्रस्तुत करती हैं। कंधों पर सुसज्जित कांवड़, मुख पर 'बोल बम' का उद्घोष, हृदय में भगवान शिव के प्रति अनन्य भक्ति। यही है कांवड़ यात्रा का वास्तविक स्वरूप।

कांवड़ यात्रा केवल एक सामान्य यात्रा नहीं है बल्कि ये तपस्या, भक्ति और श्रद्धा की वह गाथा है जो शताब्दियों से चली आ रही है। धर्मशास्त्रों के अनुसार जब कांवड़ से जुड़े दोनों पात्र जिन्हें ब्रह्मघट और विष्णुघट कहा जाता है, पवित्र जल से भर लिए जाते हैं, उन्हें एक बांस की डण्डी के सहारे सजा-धजा कर और पूजित कर स्थापित कर दिया जाता है। धर्मशास्त्रों के अनुसार रूद्र अर्थात् शिव बांस में समाहित हैं। कांवड़िया कांवड़ के माध्यम से साक्षात ब्रह्मा, विष्णु, शिव, तीनों की कृपा एक साथ प्राप्त करते हैं।

भारत में दो कांवड़ यात्राएं होती हैं, दिल्ली से उत्तराखंड-गंगोत्री, ऋषिकेश या हरिद्वार तक की कांवड़ यात्रा और बिहार और झारखंड में सुल्तानगंज से देवघर तक की कांवड़ यात्रा। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश से सैकड़ों-हजारों लोग, युवा से लेकर बुजुर्ग तक, जिनमें महिलाएं और कभी-कभी बच्चे भी कांवड़ यात्रा में भाग लेते हैं। कंधों पर लटका पवित्र जल भगवान शिव को समर्पित है, जिन्हें अक्सर भोला या भोले बाबा कहकर पुकारा जाता है। भोले का अर्थ भोलेनाथ, यानी भगवान शिव भी हो सकता है। इसलिए, तीर्थयात्री भोला और भोले हैं!

वर्तमान में, कांवड़ यात्रा विश्व की सबसे बड़ी धार्मिक पदयात्राओं में मानी जाती है। आधुनिक समय में इसकी भव्यता अत्यधिक बढ़ी है, किंतु इसकी आध्यात्मिक जड़ें वैदिक एवं पौराणिक परंपराओं में गहराई तक समाई हुई हैं। प्राचीन ग्रंथों में कांवड़ यात्रा का उल्लेख प्रायः किया जाता है। यह प्रश्न बार-बार पूछा जाता है कि 'कांवड़ यात्रा' का उल्लेख किस ग्रंथ में मिलता है? इसका उत्तर थोड़ा सूक्ष्म है। 'कांवड़' शब्द अपने वर्तमान अर्थ में पुराणों में प्रत्यक्ष रूप से नहीं मिलता। किंतु पवित्र नदी से जल लाकर भगवान शिव का अभिषेक करने की परंपरा का वर्णन अनेक पुराणों में स्पष्ट रूप से मिलता है। वर्तमान कांवड़ यात्रा उसी प्राचीन शिवाभिषेक परंपरा का आधुनिक स्वरूप मानी जाती है। अर्थात कांवड़ यात्रा का भाव पुराण सम्मत है, जबकि 'कांवड़' शब्द अपेक्षाकृत उत्तरकालीन लोक प्रचलित नाम है। 'कंवार' शब्द की व्युत्पत्ति, जिसका अर्थ 'कंधा' है।

कांवड़ में दूर-दूर से पवित्र नदियों, खासकर गंगा का जल भरकर लाते हैं। इसे पैदल यात्रा करते हुए शिवलिंग पर चढ़ाते हैं। इस संकल्प यात्रा में सबसे महत्वपूर्ण होता है कांवड़ को अपने कंधे पर उठाकर ले जाना। यह कोई साधारण परंपरा नहीं है। इसके पीछे गहराई से जुड़ी पौराणिक मान्यताएं छुपी हुई हैं।

कांवड़ यात्रा का जिक्र किसी पौराणिक ग्रंथ में सीधे तौर पर नहीं मिलता है। इसका भी स्पष्ट रूप से कोई जिक्र नहीं है कि किसने पहली बार कांवड़ यात्रा शुरू की थी, लेकिन लोक व्यवहार में महाबली रावण, महाविष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम, अगस्त्य ऋषि, महर्षि मार्कंडेय, महारथी कर्ण और 61 नयनार संतों में से एक संत कनप्पा जैसे कई नाम शामिल हैं, जिन्होंने महादेव शिव को बड़ी सरल-सहज और आसान विधि से पूजन कर प्रसन्न किया था। रावण और भगवान परशुराम द्वारा तो शिवजी के लिए कांवड़ लाकर भी उनका जलाभिषेक करने का प्रसंग लोक कथाओं में मिलता है, हालांकि पुराणों में हर जगह इनके द्वारा की गई विधिवत पूजा का ही वर्णन मिलता है, जिसमें पंचोपचार पूजन से लेकर, षोडशोपचार पूजन तक का वर्णन मिलता है, फिर भी कांवड़ द्वारा जल लाकर शिवजी के अभिषेक का वर्णन नहीं मिलता है।

हालांकि कांवड़ शब्द का जिक्र रामायण में मिलता है। जहां राजा दशरथ द्वारा गलती से श्रवण कुमार की हत्या हो जाती है। इस प्रसंग में जब श्रवण कुमार के चरित्र का वर्णन आता है तब कांवड़ का जिक्र होता है। जहां पता चलता है कि श्रवण कुमार अपने अंधे माता-पिता को कांवड़ में बैठाकर उन्हें तीर्थ यात्रा पर ले जाता है। कांवड़ असल में तराजू जैसी आकृति का एक नमूना होता है। श्रवण ने अपने माता-पिता को दोनों ओर बिठा लिया और कांवड़ कंधे पर रखकर चला।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के तीर्थ क्षेत्र में दशानन रावण से जुड़ी कई लोक कथाएं प्रचलित हैं। यहां नोएडा के पास बिसरख गांव को रावण की जन्मस्थली बताया जाता है। मेरठ को मयराष्ट्र बताते हुए उसे रावण की ससुराल बताया जाता है। यहीं, बागपत स्थित पुरा महादेव मंदिर को लेकर मान्यता है कि यहां पर खुद रावण ने गढ़मुक्तेश्वर से गंगाजल लाकर शिवजी का जलाभिषेक किया था, जबकि रावण से भी सैकड़ों वर्ष पहले भगवान परशुराम ने इस मंदिर में शिवलिंग की स्थापना की थी और 108 कलश से उनका अभिषेक किया था।

स्कंद पुराण में शिव उपासना के लिए रामोपाख्यान सर्ग में एक जिक्र आता है, जहां शिवगण नंदी और रावण की बातचीत होती है। इस स्थान पर नंदी कहते हैं कि जो प्राणी जलाशय से शिवालय तक पैदल ही गमन करता है और फिर जल ले जाकर शिवालय को धोकर साफ करता है, वह बिना किसी विधान की पूजा के शिवलोक को प्राप्त कर लेता है। यहां ध्यान देने वाली बात है कि स्कंद पुराण में कांवड़ यात्रा का जिक्र नहीं है लेकिन ये जरूर लिखा है कि 'जलाशय से जल लेकर शिवालय तक की यात्रा'- संभवतः आगे चलकर यही व्याख्या कांवड़ यात्रा के संदर्भ में ली गई होगी।

हालांकि कांवड़ यात्रा विशुद्ध ग्रामीण परंपरा है और इसकी शुरूआत इधर के आधुनिक काल में ही कभी हुई हो, इसकी अधिक संभावना हो सकती है। शिवजी की कावड़ यात्रा का जिक्र पुराणों में मिले न मिले, किसी रावण ने कांवड़ पहले चढ़ाई हो या नहीं, शिवभक्तों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। उनके लिए तो बस इतनी सी बात है, वे शिव के हैं और शिव उनके हैं। वहीं, कांवड़ के व्युत्पत्तिपरक जो अर्थ किए गए हैं, उनमें एक के अनुसार 'क' अक्षर अग्नि को द्योतक है और 'आवर' का अर्थ ठीक से वरण करना। प्रार्थना यह है कि अग्नि अर्थात स्त्रष्टा, पालक एवं संहारकर्ता परमात्मा हमारा मार्गदर्शक बने और वही हमारे जीवन का लक्ष्य हो तथा हम अपने राष्ट्र और समाज को अपनी शक्ति से सक्षम बनाएं।

गंगाजल, पारद, पाषाण, धतूराफल आदि सबमें शिव सत्ता मानी गई है। अतः सब प्राणियों, जड़-जंगम पदार्थों में स्वयं भूतनाथ पशुपतिनाथ की सुगमता और सुलभता ही तो आपको देवाधिदेव महादेव सिद्ध करती है। कांवड़ शिव के उन सभी रूपों को नमन है।

आज का राशिफल

मेष- बुद्धि व धन का दुरूपयोग न करें। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय न गंवाकर काम पर ध्यान दीजिए।

वृष- कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा।

मिथुन- यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा।

कर्क- मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ।

सिंह- परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे।

कन्या- अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति ठीक रहेगी। मित्रों से सावधान रहें।

तुला- मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। सहयोग प्राप्त होगा।

वृश्चिक- दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। उतावलेपन से बचे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे।

धनु- घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा।

मकर- प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है।

कुंभ- कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कुछ तनाव हो सकता हैं।

मीन- आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा।

संक्षिप्त खबरें

सलगावां में हजारीबाग डेंटल कॉलेज का नि:शुल्क दंत जांच शिविर, 120 से अधिक बच्चों की हुई जांच

हजारीबाग। हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेस एंड हॉस्पिटल की ओर से मंगलवार को कटकमदाग प्रखंड के सलगावां स्थित सरकारी विद्यालय में निशुल्क दंत जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 120 से अधिक स्कूली बच्चों के दांतों की जांच की गई और उन्हें मुख एवं दंत स्वास्थ्य से संबंधित आवश्यक जानकारी एवं परामर्श दिया गया। इस अवसर पर कॉलेज के सचिव डॉ. प्रवीण श्रीनिवास ने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए दांतों की नियमित देखभाल और समय-समय पर जांच कराना जरूरी है। उन्होंने कहा कि ऐसे निशुल्क स्वास्थ्य शिविर लोगों में जागरूकता बढ़ाने के साथ समय पर उपचार सुनिश्चित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने बताया कि संस्थान भविष्य में भी सामाजिक सरोकारों के तहत इस तरह के जनहितकारी निशुल्क शिविर आयोजित करता रहेगा। यदि चाहें तो इसे झारखंड दर्शन की शैली में और अधिक आकर्षक बनाकर भी तैयार कर सकता हूँ।

एनटीपीसी परियोजना से ध्वस्त विद्यालय-आंगनबाड़ी केंद्रों के पुनर्निर्माण की मांग, अंचल कार्यालय में धरना

बड़कागांव। एनटीपीसी पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना से प्रभावित गांवों में ध्वस्त विद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्रों के पुनर्निर्माण की मांग को लेकर मंगलवार को अंचल कार्यालय परिसर में एकदिवसीय धरना-प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के बाद विधायक रोशन लाल चौधरी, अंचल अधिकारी और प्रखंड विकास पदाधिकारी को मांगपत्र सौंपकर शीघ्र कार्रवाई की मांग की गई। धरना की अध्यक्षता डॉ. मिथिलेश कुमार दांगी ने की, जबकि संचालन डाड़ीकला पंचायत के मुखिया इलियास अंसारी ने किया। वक्ताओं ने कहा कि परियोजना विस्तार के दौरान चार-पांच वर्ष पहले पश्चिमी क्षेत्र के सात विद्यालय और आठ आंगनबाड़ी केंद्र ध्वस्त कर दिए गए थे, लेकिन आज तक उनका पुनर्निर्माण नहीं कराया गया। इसके कारण बच्चों को दूर-दराज के विद्यालयों में पढ़ने जाना पड़ रहा है, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है। वहीं आंगनबाड़ी केंद्र नहीं रहने से छोटे बच्चों, गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं को मिलने वाली पोषण एवं स्वास्थ्य सेवाएं भी बाधित हो रही हैं। कार्यक्रम में चेपाकला के मुखिया अनिकेत नायक, मुखिया संघ अध्यक्ष रंजीत महतो, जिला परिषद प्रतिनिधि मोहम्मद इब्राहिम, भाजपा मंडल अध्यक्ष शिव शंकर उर्फ शिबू महतो सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, ग्रामीण और विस्थापित परिवारों के लोग मौजूद रहे।

फरार अभियुक्त के घर न्यायालय का इश्तिहार चिपकाया, पुलिस ने कसा शिकंजा

बड़कागांव। फरार अभियुक्तों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़कागांव पुलिस के सहयोग से रामगढ़ जिले के बरकाकाना (पतरातू) थाना पुलिस ने बड़कागांव थाना क्षेत्र के चेलंगदाग गांव में फरार अभियुक्त मोहन गंझू के घर पर न्यायालय का इश्तिहार चिपकाया। यह कार्रवाई बरकाकाना थाना कांड संख्या 266/25 में न्यायालय के आदेश पर की गई। बरकाकाना ओपी प्रभारी उमाशंकर वर्मा पुलिस बल के साथ चेलंगदाग गांव पहुंचे और अभियुक्त मोहन गंझू के आवास पर विधिवत इश्तिहार तामिला किया। इसके साथ ही गांव के प्रमुख चौक-चौराहों पर भी न्यायालय का इश्तिहार चिपकाकर लोगों को सूचित किया गया कि अभियुक्त शीघ्र न्यायालय अथवा पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण करे। पुलिस के अनुसार, मोहन गंझू, पिता बरतू गंझू, ग्राम चेलंगदाग, थाना बड़कागांव, जिला हजारीबाग का निवासी है। उसके विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 126(2), 115(2), 117(2), 191(2), 191(3), 190, 308(3), 308(4), 352, 351(2) एवं 3(5) के तहत मामला दर्ज है। मामले में वह लंबे समय से फरार चल रहा है तथा उसके विरुद्ध न्यायालय से वारंट भी निर्गत है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि यदि अभियुक्त निर्धारित अवधि के भीतर न्यायालय के समक्ष उपस्थित नहीं होता है, तो उसके विरुद्ध कानून के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

15 अगस्त तक जमा करें आवेदन, खास महाल लीजधारियों को प्रशासन की अंतिम अपील

हजारीबाग। जिले के सभी खास महाल लीजधारियों एवं उनके वैध उत्तराधिकारियों के लिए जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण सूचना जारी की है। खास महाल प्रकोष्ठ ने कहा है कि लीज नवीकरण, नामांतरण, उत्तराधिकारी नामांतरण, हस्तांतरण, प्रयोजन परिवर्तन, बंदोबस्ती एवं वंशावली से संबंधित लंबित मामलों के लिए 15 अगस्त 2026 तक आवेदन आवश्यक दस्तावेजों के साथ जमा करना अनिवार्य है। प्रशासन के अनुसार खास महाल क्षेत्र की लीज भूमि का प्रत्येक 30 वर्ष पर नवीकरण किया जाता है। लीजधारियों की लीज अवधि 31 मार्च 2008 को समाप्त हो चुकी है, लेकिन अब तक बड़ी संख्या में लीजधारियों अथवा उनके वैध उत्तराधिकारियों ने अगले 30 वर्षों के लिए लीज नवीकरण और अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं के लिए आवेदन प्रस्तुत नहीं किया है। खास महाल प्रकोष्ठ ने सभी संबंधित लीजधारियों एवं उनके वैध उत्तराधिकारियों से निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी आवश्यक दस्तावेजों सहित आवेदन जमा करने की अपील की है, ताकि लीज नवीकरण एवं अन्य लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जा सके।

हजारीबाग आर्ट एंड कल्चरल ट्रस्ट का पुनर्गठन, रामकिशोर सावंत अध्यक्ष, प्रदीप पाठक महासचिव व सुबोध सिन्हा बने कोषाध्यक्ष

आमसभा में पुरानी कमेटी भंग कर सर्वसम्मति से नई कमेटी का गठन, कलाकारों के उत्थान पर बनी रणनीति

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। वर्ष 2016 से कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में सक्रिय हजारीबाग आर्ट एंड कल्चरल ट्रस्ट की आमसभा की बैठक बड़ा बाजार स्थित सुभाष मार्ग स्थित ट्रस्ट कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में जिले की विभिन्न संगीत, नृत्य एवं सांस्कृतिक संस्थाओं से जुड़े कलाकारों ने भाग लिया। इस दौरान कलाकारों के उत्थान, सांस्कृतिक गतिविधियों के विस्तार तथा ट्रस्ट की भावी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में सर्वसम्मति से वर्ष 2016 में गठित पुरानी कमेटी को भंग कर नई कमेटी का गठन किया गया। नई कार्यकारिणी में रामकिशोर सावंत को अध्यक्ष, प्रदीप पाठक को महासचिव, कला एवं संस्कृति विभाग के विधायक प्रतिनिधि सुबोध सिन्हा को कोषाध्यक्ष, मीडिया प्रभारी आशीष सिन्हा , मीडिया प्रवक्ता संजय तिवारी,तथा हजारीबाग बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजकुमार उर्फ राजू को कानूनी सलाहकार की जिम्मेदारी सौंपी गई।

ट्रस्ट के उपाध्यक्ष के रूप में राजीव रंजन मिश्रा, शोभा सिन्हा, अमित गुप्ता, राजा निजामुद्दीन, संजय तिवारी, पंकज सिन्हा, माथुर साहब, अनवर फिदवी, नियाजउद्दीन, एस. एम. इम्तियाज तथा अभिमन्यु सिंह उर्फ बबलू का चयन किया गया। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में सीमा गुप्ता, रूबी राणा, ललन कुमार, करण पांडे, अशोक कुमार, अखिलेश वर्मा, प्रवीण राठौर, सलीम राजा, अरमान आलम, संतोष कुमार, नेहा श्रीवास्तव, सविता रानी, एकता अरोड़ा, शशिकांत उर्फ चुन्नु, समीर अंबष्ट, अनीता वर्मा, अभिषेक कुमार तथा अधिवक्ता ईश्वरी प्रसाद को शामिल किया गया। बैठक में ट्रस्ट के संरक्षक मनोज सिन्हा, प्रवीण जायसवाल, दीपक सिन्हा, राजपाल नारायण, विश्वेन्दु जयपुरिया, उमेश कुमार और ज्ञान सागर सहित बड़ी संख्या में कलाकार उपस्थित रहे। बैठक के अंत में नई कमेटी ने हजारीबाग में कला एवं संस्कृति के संरक्षण, कलाकारों के हितों की रक्षा तथा सांस्कृतिक गतिविधियों को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया।

हजारीबाग पुलिस अपराध नियंत्रण पर सख्त, लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन का निर्देश

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। पुलिस महानिरीक्षक उत्तरी छोटानागपुर प्रक्षेत्र, बोकारो शैलेंद्र कुमार सिन्हा ने मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय, हजारीबाग में जिले के सभी पुलिस उपाधीक्षकों, पुलिस निरीक्षकों, थाना प्रभारियों एवं कांड अनुसंधानकर्ताओं के साथ अपराध नियंत्रण एवं विधि-व्यवस्था की समीक्षा बैठक की। बैठक में पुलिस उप-महानिरीक्षक उत्तरी छोटानागपुर क्षेत्र हजारीबाग अंजनी कुमार झा, पुलिस अधीक्षक अमन कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अमित कुमार सहित जिले के सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में पिछले छह माह के दौरान हुई सभी महत्वपूर्ण आपराधिक घटनाओं की समीक्षा करते हुए लंबित कांडों के त्वरित निष्पादन का निर्देश दिया गया। महिला अपराध से जुड़े सभी लंबित मामलों का 60 दिनों के भीतर निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा गया। वहीं एससी-एसटी अत्याचार अधिनियम एवं नक्सल मामलों की भी शीघ्र समीक्षा कर लंबित कांडों का जल्द निष्पादन करने का निर्देश दिया गया। पुलिस महानिरीक्षक ने सभी थाना प्रभारियों को आमजनों के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार करने, उनकी शिकायतों को गंभीरता से सुनने और त्वरित समाधान सुनिश्चित करने की हिदायत दी। साथ ही नशीले पदार्थों की खरीद-बिक्री करने वाले गिरोहों के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्रवाई करने तथा ऐसे गिरोहों को चिन्हित कर सीसीए के तहत कठोर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और सभी थाना क्षेत्रों में विधि-व्यवस्था बनाए रखने तथा अपराध नियंत्रण को प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

पेलावल दक्षिणी उप स्वास्थ्य केंद्र जल्द होगा चालू, उपायुक्त से मिलने के बाद जगी उम्मीद

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। पेलावल विकास मंच (पीवीएम) के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को उपायुक्त के जनता दरबार में पहुंचकर पेलावल दक्षिणी उप स्वास्थ्य केंद्र को शीघ्र चालू कराने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने इस संबंध में एक गुहार-पत्र सौंपते हुए बताया कि भवन का निर्माण पूरा हुए लगभग एक वर्ष बीत चुका है, लेकिन अब तक उसका हैंडओवर नहीं होने से स्वास्थ्य केंद्र शुरू नहीं हो सका है। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि करीब 10 वर्ष पहले पेलावल दक्षिणी पंचायत भवन के समीप उप स्वास्थ्य केंद्र की आधारशिला रखी गई थी। भवन की ढलाई के बाद निर्माण कार्य लंबे समय तक बंद रहा। बाद में पेलावल विकास मंच के प्रयास और ग्रामीणों की मांग पर निर्माण कार्य दोबारा शुरू हुआ और लगभग एक वर्ष पहले भवन पूरी तरह तैयार हो गया। इसके बावजूद केंद्र अब तक शुरू नहीं हो पाया।

मामले की जानकारी मिलने पर उपायुक्त ने तत्काल संज्ञान लेते हुए प्रतिनिधिमंडल को गुहार-पत्र के साथ उप विकास आयुक्त के पास भेजा। मंच के सदस्यों ने बताया कि अधिकारियों की सकारात्मक पहल से उन्हें उम्मीद है कि उप स्वास्थ्य केंद्र जल्द ही शुरू कर दिया जाएगा।

यह पहल पेलावल विकास मंच के संस्थापक सह अध्यक्ष एम. हक भारती के निर्देशन में की गई। प्रतिनिधिमंडल में सुधीर ठाकुर, चंद्रशेखर शर्मा, मो. आरिफ और इंजमामुल हक भारती शामिल थे।

नगर निगम के दो युवा कर्मियों के निधन पर शोक सभा

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग नगर निगम में कार्यरत टीपर चालक पिंटू कुमार गुप्ता (36) और सफाई कर्मचारी रवि कुमार (30) का लंबी बीमारी के बाद 27 जुलाई को निधन हो गया। दोनों कर्मचारी कोरा हेठ टोला के निवासी थे। उनके असमय निधन से नगर निगम कर्मियों और स्थानीय लोगों में शोक की लहर दौड़ गई। दिवंगत कर्मियों की स्मृति में अखिल भारतीय मजदूर संगठन की ओर से शोक सभा आयोजित की गई। सभा में अधिकारियों और कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं की शांति तथा शोकाकुल परिवारों को दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। शोक सभा में संगठन के प्रदेश अध्यक्ष विवेक कुमार वाल्मीकि, सहायक नगर आयुक्त विपिन कुमार, प्रधान सहायक निरंजन सिंह, हेड जमादार दीपक गोस्वामी सहित यूनियन के चुम्मु राम, गौतम राम, सुधीर राम, रविकांत कुमार सिंह और नगर निगम के कई कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने दिवंगत कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान प्रधान सहायक निरंजन सिंह ने मृतक कर्मचारियों के आश्रित परिवारों को तत्काल 10 हजार रुपये की सहयोग राशि प्रदान की। उन्होंने बताया कि नगर निगम बोर्ड द्वारा अंतिम संस्कार के लिए घोषित 10 हजार रुपये की सहायता राशि भी जल्द उपलब्ध करा दी जाएगी। मजदूर संगठन ने इस सहयोग के लिए उनका आभार जताया। सहायक नगर आयुक्त विपिन कुमार ने पीड़ित परिवारों को आश्वस्त किया कि मृत कर्मचारियों के आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर जल्द ही दैनिक मजदूर के रूप में कार्य दिया जाएगा।

अनुपयोगी किताबें बनेंगी किसी का भविष्य, जिला प्रशासन ने शुरू किया पुस्तक दान अभियान

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने ₹पुस्तक दान अभियान₹ शुरू किया है। अभियान के तहत जिले के विभिन्न संस्थानों से प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित उपयोगी पुस्तकों का संग्रह किया जाएगा।

जिला प्रशासन ने जिले के सभी नागरिकों, शिक्षण एवं कोचिंग संस्थानों, सरकारी और गैर-सरकारी कार्यालयों, सामाजिक संगठनों तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पूरी कर चुके अभ्यर्थियों से अपनी अनुपयोगी लेकिन अच्छी स्थिति में उपलब्ध पुस्तकों का दान करने की अपील की है। प्रशासन का कहना है कि अलमारी में रखी एक पुस्तक किसी जरूरतमंद विद्यार्थी के सपनों को नई उड़ान दे सकती है और उसके उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला बन सकती है।

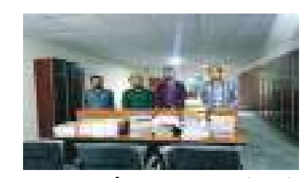

अभियान के तहत किसी भी प्रतियोगी परीक्षा से संबंधित पुस्तकें दान की जा सकती हैं। एकत्रित पुस्तकों को हजारीबाग जिले के विभिन्न पुस्तकालयों और अध्ययन केंद्रों में उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि जरूरतमंद छात्र-छात्राएं इनका उपयोग कर अपनी तैयारी को बेहतर बना सकें।

पुस्तकें जिला योजना कार्यालय, कक्ष संख्या अ-206, द्वितीय तल, नया समाहरणालय भवन, हजारीबाग में प्रतिदिन सुबह 10:30 बजे से शाम 5:00 बजे तक जमा की जा सकती हैं।

जिला प्रशासन ने सभी जिलेवासियों से इस जनहितकारी अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील करते हुए कहा है कि एक पुस्तक किसी विद्यार्थी का भविष्य बदल सकती है।

कटकमसांडी में भव्य जन-उद्यान निर्माण की मांग तेज, जनप्रतिनिधियों, वन विभाग व प्रशासन से शीघ्र पहल की अपील

झारखंड दर्शन संवाददाता

कटकमसांडी। कटकमसांडी पंचायत में करीयाआसान से बाहेरावानाला तक एक भव्य एवं आधुनिक जन-उद्यान (पार्क) के निर्माण की मांग अब स्थानीय लोगों के बीच प्रमुख जनमुद्दा बनती जा रही है। क्षेत्र के नागरिकों, बुद्धिजीवियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं का मानना है कि वर्तमान समय में स्वच्छ पर्यावरण, हरित क्षेत्र और सार्वजनिक मनोरंजन स्थल की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। ऐसे में कटकमसांडी में एक आधुनिक जन-उद्यान का निर्माण क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है।

सामाजिक कार्यकर्ता एवं भाजपा महामंत्री अरविंद कुमार यादव ने कहा कि आज अधिकांश शहरों और प्रखंड मुख्यालयों में लोगों के लिए पार्क एवं हरित क्षेत्र विकसित किए जा रहे हैं, लेकिन कटकमसांडी जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में आज भी ऐसा कोई व्यवस्थित सार्वजनिक उद्यान उपलब्ध नहीं है,

जहां बच्चे सुरक्षित वातावरण में खेल सकें, युवा मॉर्निंग वॉक और व्यायाम कर सकें तथा बुजुर्ग प्राकृतिक वातावरण में समय व्यतीत कर सकें। उन्होंने कहा कि करीयाआसान से बाहेरावानाला तक यदि एक भव्य जन-उद्यान विकसित किया जाता है, तो यह पूरे क्षेत्र की पहचान और गौरव का केंद्र बन सकता है।

उन्होंने कहा कि प्रस्तावित पार्क में बच्चों के लिए आधुनिक खेल क्षेत्र, ओपन जिम, पैदल पथ, योग स्थल, आकर्षक पौधरोपण, बैठने की व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल तथा पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी सुविधाएं विकसित की जा सकती हैं। इससे लोगों को बेहतर सार्वजनिक सुविधा मिलने के साथ-साथ क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता भी बढ़ेगी और पर्यावरण संरक्षण को नई दिशा मिलेगी।

अरविंद कुमार यादव ने कहा कि ₹कटकमसांडी की आवश्यकता, कटकमसांडी की प्रतिष्ठा₹ अब एक भव्य जन-उद्यान के निर्माण से जुड़ चुकी है। उनका कहना है कि यह परियोजना केवल एक पार्क तक सीमित नहीं होगी, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, हरित और स्वस्थ वातावरण की अमूल्य धरोहर बनेगी।

उन्होंने कटकमसांडी पंचायत के सभी जनप्रतिनिधियों, जिला प्रशासन, संबंधित विभागों तथा कटकमसांडी पश्चिमी वन प्रमंडल के पदाधिकारियों से विनम्र आग्रह किया कि वन क्षेत्र के अनुरूप किसी उपयुक्त स्थान का चयन कर एक सुंदर एवं आधुनिक जन-उद्यान विकसित करने की दिशा में आवश्यक पहल करें। उनका कहना है कि वन विभाग के सहयोग से विकसित होने वाला पार्क पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता के संवर्धन, प्रकृति पर्यटन को बढ़ावा देने तथा लोगों को प्रकृति से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

सावन स्पेशल ट्रेन बनी श्रद्धालुओं के लिए बड़ी राहत

ओम आरोहणम संस्था के प्रयास से हजारीबाग को मिली विशेष रेल सेवा

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। सावन माह में बाबा बैद्यनाथ धाम जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए बड़ी राहत लेकर रांची-भागलपुर सावन स्पेशल ट्रेन का संचालन शुरू हो गया है। सोमवार को हजारीबाग टाउन रेलवे स्टेशन पर भाजपा एवं संघ परिवार के कार्यकर्ताओं ने ट्रेन से यात्रा कर रहे श्रद्धालुओं का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

बताया गया कि श्रद्धालुओं की लंबे समय से चली आ रही मांग पर ओम आरोहणम संस्था के लगातार तीन वर्षों के प्रयास से रांची-भागलपुर-रांची (वाया हजारीबाग) विशेष कांवरिया सावन स्पेशल ट्रेन का परिचालन संभव हो सका है। संस्था की संस्थापिका शेफाली गुप्ता ने इस जनहितकारी पहल के लिए केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव एवं रेलवे प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए इस वर्ष ट्रेन के कोचों की संख्या 14 से बढ़ाकर 20 कर दी गई है। इससे यात्रियों को अधिक सुरक्षित, सुविधाजनक और आरामदायक यात्रा का लाभ मिलेगा। यह ट्रेन रांची, मुरी, बरकाकाना, हजारीबाग, तिलैया, कोडरमा, गया, सुल्तानगंज और भागलपुर सहित कई प्रमुख स्टेशनों से होकर संचालित होगी। ट्रेन प्रत्येक सोमवार को रांची से रवाना होकर मंगलवार सुबह सुल्तानगंज पहुंचेगी, जबकि भागलपुर से मंगलवार और शनिवार को इसका परिचालन होगा।

ओम आरोहणम संस्था ने सावन माह में इस विशेष रेल सेवा को स्थायी रूप से संचालित करने की भी मांग की है, जिस पर संस्था को सकारात्मक आश्वासन मिला है। संस्था की संस्थापिका शेफाली गुप्ता ने कहा कि सावन आस्था और भक्ति का पवित्र पर्व है। ऐसे समय में विशेष कांवरिया ट्रेन और अतिरिक्त कोचों की व्यवस्था से हजारों श्रद्धालुओं को बड़ी सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि संस्था आगे भी जनहित और श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए लगातार प्रयास करती रहेगी।

बैठक 2 अगस्त को होगी प्रखंड अध्यक्षों व समाज के प्रबुद्धजनों की बैठक, चुनाव की तिथि होगी तय

रविदास महासभा का चुनाव संविधान के अनुसार ही होगा, 26 का चुनाव अवैधानिक: बिनोद

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। जिला रविदास महासभा के जिला अध्यक्ष बिनोद कुमार ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि महासभा की चुनाव प्रक्रिया संविधान के अनुरूप जारी है और बहुत जल्द संगठन का विधिवत चुनाव कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों से रविदास महासभा पुनर्गठन समिति के नाम पर कुछ लोगों द्वारा यह प्रचार किया जा रहा है कि वर्तमान जिला कमेटी चुनाव नहीं कराना चाहती, जबकि यह आरोप पूरी तरह निराधार है। बिनोद कुमार ने कहा कि 26

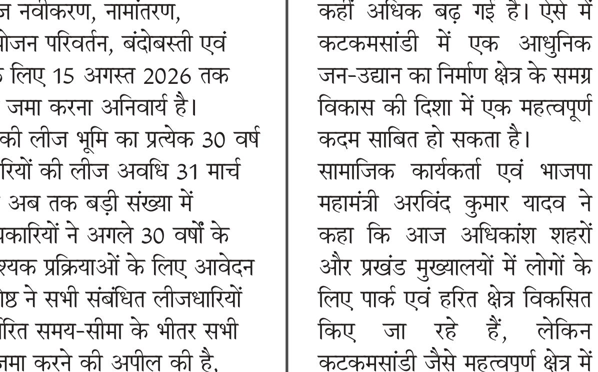

जुलाई 2026 को कुछ लोगों द्वारा प्रिंट एवं सोशल मीडिया के माध्यम से जिला अध्यक्ष और अन्य पदों के चुनाव का दावा किया गया। उन्होंने इस पूरी प्रक्रिया को असंवैधानिक, मनमाना और महासभा के संविधान के विपरीत बताते हुए इसे पूरी तरह खारिज कर दिया। उनका कहना है कि इस कथित चुनाव में शामिल कई लोग इस भ्रम में पहुंचे थे कि यह चुनाव जिला रविदास महासभा की ओर से कराया जा रहा है, जबकि वास्तविकता इससे अलग थी। उन्होंने समाज के लोगों से किसी भी प्रकार के भ्रामक प्रचार या अफवाहों पर विश्वास नहीं करने तथा केवल जिला रविदास महासभा द्वारा जारी आधिकारिक सूचना को ही मान्य मानने की अपील की। उन्होंने कहा कि महासभा वर्षों से समाज की एकता और हितों के लिए कार्य करती रही है। जिला अध्यक्ष ने कहा कि संगठन में कोई भी बने, इससे उन्हें कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन चुनाव केवल संगठन के संविधान और निर्धारित प्रक्रिया के तहत ही होना चाहिए। मनमाने ढंग से कमेटी गठित करने से समाज में भ्रम की स्थिति पैदा होगी और संगठन की गरिमा प्रभावित होगी।

जिला अध्यक्ष ने बताया कि 2 अगस्त 2026 को सभी प्रखंड अध्यक्षों, जिला कार्यकारिणी के सदस्यों, समाज के प्रबुद्धजनों तथा जिला मुख्यालय में रहने वाले प्रमुख लोगों की बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में सर्वसम्मति से चुनाव की अंतिम तिथि तय की जाएगी और महासभा के संविधान के अनुरूप चुनाव कराकर नई जिला कमेटी का गठन किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसी प्रक्रिया से गठित कमेटी को ही वैधानिक एवं स्थायी जिला कमेटी माना जाएगा।

बिनोद कुमार ने दोहराया कि वर्तमान जिला कमेटी 26 जुलाई को हुए कथित चुनाव को असंवैधानिक और अवैध मानती है। उन्होंने समाज के सभी लोगों से अपील की कि वे भ्रम की स्थिति से बचें तथा 2 अगस्त को बैठक के बाद होने वाली संवैधानिक चुनाव प्रक्रिया में सहयोग करें। साथ ही सभी प्रखंड अध्यक्षों से बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने का आग्रह किया।

हजारीबाग यूथ विंग ने दिया सेवा और सम्मान का संदेश

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग यूथ विंग ने सामाजिक सेवा और जनकल्याण के अपने अभियान के तहत मंगलवार को सीसीआर परिसर में ट्रैफिक पुलिस जवानों के लिए रेनकोट वितरण कार्यक्रम के दूसरे चरण का आयोजन किया। इस दौरान 70 से अधिक ट्रैफिक पुलिस जवानों को रेनकोट वितरित किए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीसीआर डीएसपी मो. अरमानुल हक थे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के स्वागत के साथ हुई। संस्था के सचिव रितेश खण्डेलवाल ने स्वागत भाषण दिया, जबकि मंच संचालन सेजल सिंह और वर्षा डे ने किया। इसके बाद ट्रैफिक पुलिस जवानों को रेनकोट प्रदान किए गए।

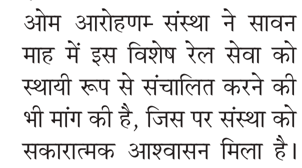

मुख्य अतिथि मो. अरमानुल हक ने कहा कि पुलिस कर्मियों के सम्मान और सहयोग के लिए सामाजिक संस्थाओं की ऐसी पहल प्रेरणादायी है। इससे पुलिस और समाज के बीच विश्वास और सहयोग की भावना मजबूत होती है। संस्था के संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन ने कहा कि हजारीबाग यूथ विंग सेवा को अपना सामाजिक दायित्व मानकर कार्य कर रही है। कहा कि हर मौसम में अपनी जिम्मेदारी निभाने वाले ट्रैफिक पुलिस जवानों का सम्मान करना संस्था का नैतिक दायित्व है।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, बुधवार 29 जुलाई 2026

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

पाकुड़ में एमएसएमई मंत्रालय का उद्यमी जागरूकता एवं विक्रेता विकास कार्यक्रम आयोजित

पाकुड़। भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय ने पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सहयोग से सोमवार को रवींद्र भवन, पाकुड़ में उद्यमी जागरूकता एवं विशेष विक्रेता विकास कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य नए एवं वर्तमान उद्यमियों को सरकारी योजनाओं, स्वरोजगार के अवसरों तथा सरकारी खरीद प्रणाली से जोड़कर उद्यमिता को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में 100 से अधिक उद्यमियों ने भाग लिया। उन्हें राष्ट्रीय एससी-एसटी हब योजना, उद्यम पंजीकरण, सरकारी ई-मार्केटप्लेस, विक्रेता पंजीकरण, ई-टेंडरिंग, बैंक ऋण, क्रेडिट सुविधाओं, सब्सिडी योजनाओं तथा व्यवसाय विस्तार से संबंधित विभिन्न विषयों की विस्तृत जानकारी दी गई। तकनीकी सत्र में एमएसएमई विकास एवं सुविधा कार्यालय धनबाद, राष्ट्रीय एससी-एसटी हब, जीईएम, जिला उद्योग केंद्र, सीएमपीडीआई, गेल इंडिया लिमिटेड, विभिन्न राष्ट्रीयकृत बैंकों, आईसीएआई, जेएसएलपीएस एवं आरसेटीआई के विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को वित्तीय सहायता, डिजिटल प्लेटफॉर्म, विक्रेता पंजीकरण और व्यवसाय विस्तार के संबंध में उपयोगी जानकारी दी। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों और वित्तीय संस्थानों के प्रतिनिधियों ने उद्यमियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। यह आयोजन सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने, वित्तीय संसाधनों तक पहुंच बनाने तथा आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

श्रावणी मेला में होटलों और भोजनालयों के लिए नई दरें लागू, गुणवत्ता पर प्रशासन की सख्ती

देवघर। विश्वप्रसिद्ध राजकीय श्रावणी मेला-2026 के दौरान लाखों श्रद्धालुओं को उचित मूल्य पर स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने होटलों और भोजनालयों के लिए नई मूल्य सूची जारी की है। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सौरभ कुमार भुवानिया के निर्देश पर भोजन सामग्री के दरों की समीक्षा के बाद संशोधित दरें स्वीकृत की गई हैं। नई सूची के अनुसार मारवाड़ी बासा में भरपेट भोजन 90 रुपये तथा सामान्य भरपेट भोजन 80 रुपये निर्धारित किया गया है। इसके अलावा दाल 60 रुपये, दाल फ्राई 100 रुपये, तंदूरी रोटी 15 रुपये, साधारण रोटी 7 रुपये, सत्तू पराठा 40 रुपये, मटर पनीर 180 रुपये, पालक पनीर 160 रुपये तथा पनीर बटर मसाला 170 रुपये प्रति प्लेट तय किया गया है। अन्य भोजनालयों में चावल, दाल, सब्जी, भुजिया और चटनी सहित भोजन की अधिकतम कीमत 80 रुपये प्रति प्लेट निर्धारित की गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सभी होटल एवं भोजनालय संचालकों को अपनी मूल्य सूची प्रमुख स्थान पर प्रदर्शित करनी होगी। स्वच्छ रसोई, निशुल्क शुद्ध पेयजल, सीसीटीवी कैमरा, अग्निशमन यंत्र, स्वच्छ जल निकासी, डस्टबिन तथा व्यावसायिक गैस सिलेंडर का उपयोग अनिवार्य किया गया है। साथ ही खाद्य सामग्री की गुणवत्ता, खरीद संबंधी अभिलेखों का संधारण एवं खाद्य सुरक्षा विभाग से लाइसेंस या उसके नवीकरण को भी अनिवार्य बनाया गया है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 22 वर्ष का सश्रम कारावास

गोड्डा। पोक्सो के विशेष न्यायाधीश सह जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम कुमार पवन की अदालत ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में दोषी पाए गए साहिबगंज जिले के तीनपहाड़ थाना क्षेत्र स्थित सालबनी निवासी नानू कर्मकार को 22 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने पोक्सो अधिनियम की धारा 4(2) के तहत दोषी पर 50,000 रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। जुमार्ना अदा नहीं करने की स्थिति में एक वर्ष का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। इसके अतिरिक्त भारतीय न्याय संहिता की धारा 96 के तहत सात वर्ष के कारावास एवं 20,000 रुपये के जुमार्ने की सजा सुनाई गई है। जुमार्ना नहीं देने पर छह माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। न्यायालय ने दोनों सजाएं साथ-साथ चलाने का आदेश दिया है। मामले में 21 नवंबर 2025 को ललमटिया थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। शिकायत के अनुसार, पीड़िता की मौसी ने आरोप लगाया था कि विवाह समारोह के दौरान घर पर अकेली रह गई 13 वर्षीय बालिका को आरोपी बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। बाद में पीड़िता के घर लौटने पर घटना का खुलासा हुआ, जिसके बाद पुलिस में मामला दर्ज कराया गया। विचारण के दौरान अभियोजन पक्ष ने छह गवाहों के बयान न्यायालय में प्रस्तुत किए। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद न्यायालय ने आरोपी को दोषी करार देते हुए यह सजा सुनाई।

एसआईआर-2026 में शत-प्रतिशत प्रपत्र वितरण, 98 प्रतिशत डिजिटाइजेशन पूरा

पाकुड़। उपायुक्त की अध्यक्षता में मंगलवार को समाहरणालय सभागार में विशेष गहन पुनरीक्षण- 2026 की समीक्षा को लेकर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्वाचन संबंधी प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त ने बताया कि जिले में गणना प्रपत्रों का शत-प्रतिशत वितरण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है तथा 27 जुलाई 2026 तक 98 प्रतिशत प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन भी संपन्न हो चुका है। उन्होंने कहा कि शेष कार्य को समयसीमा के भीतर पूरा करने के लिए सभी संबंधित पदाधिकारी एवं बीएलओ सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपील की कि यदि कोई पात्र मतदाता अब भी गणना प्रपत्र भरने या डिजिटाइजेशन से वंचित है, तो उसे तत्काल चिन्हित कर उसी दिन प्रपत्र भरवाते हुए डिजिटाइजेशन सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने कहा कि त्रुटिरहित, अद्यतन एवं समावेशी मतदाता सूची तैयार करने में राजनीतिक दलों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

मछली कारोबारी से हुई लूट मामले में पांच गिरफ्तार

गिरिडीह। मछली कारोबारी से पिछले दिनो दो लाख सात हजार रुपये की लूट मामले में गिरिडीह पुलिस ने पांच दिनों के भीतर पूरे मामले का उद्भभेदन कर पांच अपराधियों को दबोचा है। मंगलवार को एसपी डॉक्टर विमल कुमार और डीएसपी रूपेंद्र राणा ने प्रेसवार्ता कर पूरे मामले की जानकारी दी। इस दौरान एसपी डॉक्टर विमल ने बताया कि बीते 23 जुलाई को मछली कारोबारी से पचम्बा थाना इलाके के मोहनपुर में वन विभाग के समीप लूट की घटना हुई थी। मामले में पांच अपराधियों को दबोचा गया। पकड़े गये सभी अपराधी अलग थाना इलाके के रहने वाले हैं। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार अपराधियों के पास से दो देशी कट्टा, तीन जिंदा गोली और दो बगैर नंबर की बाइक बरामद हुई। इसमें एक बुलेट भी है। साथ ही 10 हजार नगद राशि भी बरामद की गई है। गिरफ्तार अपराधियों में बेंगाबाद थाना इलाके के परसन गांव निवासी दीपक वर्मा, पप्पू वर्मा, मोतीलेदा निवासी विजय राय, नगर थाना इलाके के शास्त्रीनगर निवासी अशोक दास और मुफ्फसिल थाना इलाके के शंकर दास शामिल हैं। एसपी के अनुसार इसमें तीन अपराधियों के खिलाफ पहले से कई अपराधिक केस दर्ज हैं।

संभावित बाढ़ और स्वास्थ्य सेवाओं की तैयारियों की उपायुक्त ने की समीक्षा

स्वास्थ्य केंद्रों में जांच किट उपलब्ध कराने का निर्देश

झारखंड दर्शन संवाददाता

साहिबगंज। उपायुक्त दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति एवं स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संभावित बाढ़ की तैयारियों, स्वास्थ्य संस्थानों की व्यवस्था, दवाओं की उपलब्धता तथा विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई।

उपायुक्त ने निर्देश दिया कि अगले तीन दिनों के भीतर मोटर बोट एम्बुलेंस एवं जिला प्रशासन की अन्य नौकाओं की मरम्मत पूरी कर उन्हें पूर्णतः क्रियाशील बनाया जाए। साथ ही प्रशिक्षित चालकों की उपलब्धता हर समय सुनिश्चित की जाए, ताकि आपदा की स्थिति में लोगों को त्वरित स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।

उन्होंने दियारा क्षेत्र के सभी स्वास्थ्य संस्थानों में आवश्यक दवाओं और चिकित्सा उपकरणों का पर्याप्त भंडार बनाए रखने के निर्देश भी दिए। बैठक में मलेरिया के बढ़ते मामलों पर चिंता व्यक्त करते हुए सभी स्वास्थ्य केंद्रों में जांच किट उपलब्ध कराने तथा प्रत्येक प्रखंड में मलेरिया नियंत्रण कक्ष स्थापित करने के निर्देश दिए गए। सदर अस्पताल, अनुमंडल अस्पताल एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में आवश्यकता अनुसार बेड बढ़ाने, ऑक्सीजन प्लांट की मरम्मत कराने तथा सेंट्रल लैब के लंबित भुगतान का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा गया। उपायुक्त ने अस्पताल प्रबंधन को मरीजों के साथ सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित करने, चिकित्सकों की रोस्टर के अनुसार नियमित उपस्थिति बनाए रखने तथा वार्डों का प्रतिदिन निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्यालय अवधि में निजी क्लीनिक में कार्य करते पाए जाने वाले चिकित्सकों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

एसआरटी महाविद्यालय धमड़ी का स्थापना दिवस आज, सभी तैयारियां पूरी

झारखंड दर्शन संवाददाता

मेहरमा। स्थानीय एसआरटी महाविद्यालय, धमड़ी का स्थापना दिवस बुधवार को हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया जाएगा। समारोह को यादगार बनाने के लिए महाविद्यालय प्रशासन, शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं पिछले कई दिनों से तैयारियों में जुटे हुए थे। सभी आवश्यक तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है तथा परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ० शंभू कुमार सिंह ने बताया कि स्थापना दिवस समारोह के दौरान महाविद्यालय की स्थापना से लेकर अब तक की विकास यात्रा, शैक्षणिक उपलब्धियों तथा शिक्षा के क्षेत्र में संस्थान द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला जाएगा। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल औपचारिकता नहीं,

बल्कि संस्थान की उपलब्धियों और गौरवपूर्ण परंपरा का उत्सव है। समारोह में विद्यार्थियों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम, भाषण प्रतियोगिता तथा अन्य शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इसके माध्यम से छात्र-छात्राओं में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, अनुशासन एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम को भव्य स्वरूप देने के लिए महाविद्यालय परिसर को रंग-बिरंगी झालरों एवं पुष्पों से सजाया गया है। विभिन्न व्यवस्थाओं के सफल संचालन हेतु अलग-अलग समितियों का गठन कर उन्हें आवश्यक दायित्व सौंपे गए हैं। महाविद्यालय परिवार ने क्षेत्र के नागरिकों से समारोह में सहभागी बनकर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाने की अपील की है। स्थापना दिवस को लेकर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों में विशेष उत्साह का वातावरण देखा जा रहा है।

सीपीग्राम पोर्टल पर प्राप्त सभी जनशिकायतों का शत-प्रतिशत निस्तारण, समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश

झारखंड दर्शन संवाददाता

जामताड़ा। समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में सोमवार को केंद्रीय लोक शिकायत निवारण एवं निगरानी प्रणाली पोर्टल पर प्राप्त जनशिकायतों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित लंबित एवं प्राप्त शिकायतों की अद्यतन स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि प्रत्येक शिकायत का नियमानुसार, गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित समय-सीमा के भीतर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम नागरिकों को त्वरित एवं प्रभावी राहत मिल सके। समीक्षा के दौरान बताया गया कि गत माह सीपीग्राम पोर्टल पर कुल 20 शिकायतें प्राप्त हुई थीं। सभी शिकायतों का शत-प्रतिशत निस्तारण कर दिया गया है। वर्तमान में पोर्टल पर कोई भी शिकायत लंबित नहीं है, जो जिला

प्रशासन की प्रभावी कार्यप्रणाली एवं जवाबदेही को दशार्ता है। बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि भविष्य में भी पोर्टल पर प्राप्त होने वाली प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही की गई कार्रवाई का प्रतिवेदन निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अनिवार्य रूप से पोर्टल पर अपलोड किया जाए। शिकायतों के निस्तारण में पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं जवाबदेही बनाए रखने पर विशेष बल दिया गया। अधिकारियों से कहा गया कि शिकायतों के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा प्रत्येक मामले का गंभीरतापूर्वक परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई की जाए। बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा करते हुए जनहित से जुड़े मामलों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में अपर समाहर्ता पूनम कच्छप, जिला परिवहन पदाधिकारी मुकेश कुमार सहित विभिन्न विभागों के संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

बाल विवाह व नशा मुक्ति पर जागरूकता कार्यक्रम, प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

झारखंड दर्शन संवाददाता

दुमका। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दुमका एवं सामाजिक संस्था ग्राम ज्योति के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को सिद्धू-कान्हू उच्च विद्यालय में बाल विवाह एवं नशा मुक्ति विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कक्षा नौ एवं दस के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को बाल विवाह के सामाजिक, शारीरिक, मानसिक एवं शैक्षणिक दुष्प्रभावों के साथ-साथ इससे संबंधित कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि बाल विवाह बच्चों के अधिकारों का हनन है तथा यह उनके स्वास्थ्य, शिक्षा और भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। साथ ही नशे के दुष्प्रभावों से बचने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश भी दिया गया। इसके बाद निबंध लेखन एवं चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने बाल विवाह उन्मूलन, नशा मुक्ति, शिक्षा के महत्व तथा सामाजिक जागरूकता से जुड़े विषयों पर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को डीएलएसए के सचिव विवेक कुमार ने प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने विद्यार्थियों से सामाजिक कुरीतियों का विरोध करने, शिक्षा को प्राथमिकता देने तथा जिम्मेदार नागरिक बनने का आह्वान किया। ग्राम ज्योति के जिला समन्वयक मुकेश कुमार ने भी बाल विवाह एवं नशा जैसी बुराइयों के विरुद्ध सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधन, शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

जनता दरबार में सुनी गईं आमजन की समस्याएं, त्वरित समाधान के दिए निर्देश

झारखंड दर्शन संवाददाता

देवघर। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सौरभ कुमार भुवानिया के निर्देश पर मंगलवार को जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रीतिलता किस्कू की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने अपनी विभिन्न समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं।जनता दरबार में बिजली बिल माफी, झारखंड मुख्यमंत्री मईंया सम्मान योजना, भू-राजस्व, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, आवास, अंचल तथा कृषि विभाग से संबंधित शिकायतें एवं आवेदन प्राप्त हुए। अधिकारियों ने कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया, जबकि शेष मामलों को संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजा गया।

जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्राप्त आवेदनों की भौतिक जांच कर निर्धारित समय सीमा के भीतर उनका निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं पारदर्शी समाधान जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी पात्र व्यक्ति को योजनाओं का लाभ मिलने में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए।

उन्होंने अधिकारियों से यह भी कहा कि शिकायतों के निस्तारण में संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करें, ताकि लोगों का प्रशासन पर विश्वास और अधिक मजबूत हो। जनता दरबार के माध्यम से नागरिकों को एक ही स्थान पर अपनी समस्याएं रखने तथा उनके समाधान की प्रभावी व्यवस्था उपलब्ध कराई जा रही है। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पात्र मतदाताओं का नाम हर हाल में मतदाता सूची में जुड़वाएं : मंत्री दीपिका पांडेय सिंह

झारखंड दर्शन संवाददाता

ठाकुरगंगटी। प्रखंड कांग्रेस कार्यालय में सोमवार को विधायक सह ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों के बीएलए-2 के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने मतदान केंद्रवार अभियान की प्रगति की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंत्री ने सभी बीएलए-2 से क्रमवार संवाद कर उनके क्षेत्र में मतदाता सूची के अद्यतन कार्य, अभियान की प्रगति तथा सामने आ रही समस्याओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती प्रत्येक पात्र मतदाता की भागीदारी पर निर्भर करती है। इसलिए यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी योग्य नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे। उन्होंने निर्देश दिया कि जिन पात्र नागरिकों का नाम अभी तक मतदाता सूची में शामिल नहीं हुआ है, उनसे संपर्क कर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार उनका नाम अवश्य जुड़वाया जाए। यदि कोई मतदाता बाहर रह रहा हो अथवा किसी कारणवश उपस्थित नहीं हो पा रहा हो, तो उससे संपर्क स्थापित कर आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए प्रेरित किया जाए। अभियान के दौरान किसी भी प्रकार की तकनीकी अथवा प्रशासनिक समस्या आने पर तत्काल संबंधित अधिकारियों एवं पार्टी नेतृत्व को सूचित किया जाए, ताकि समय रहते उसका समाधान किया जा सके। दीपिका पांडेय सिंह ने पंचायत, प्रखंड एवं जिला स्तर के कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकताओं से अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ता समन्वय और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें, जिससे एक भी पात्र मतदाता का नाम सूची से छूटने न पाए। बैठक में क्षेत्र के विकास कार्यों, जनसमस्याओं एवं संगठनात्मक गतिविधियों पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

श्रावणी मेला में सुरक्षा सख्त, कांवड़िया पथ पर बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वाड का विशेष अभियान

झारखंड दर्शन संवाददाता

देवघर। राजकीय श्रावणी मेला-2026 को सुरक्षित, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से देवघर पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ कर दी है। लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बम निरोधक एवं निस्तारण दस्ता तथा डॉग स्क्वाड की टीम लगातार कांवड़िया पथ और श्रद्धालुओं के ठहरने वाले स्थलों पर विशेष जांच अभियान चला रही है। सुरक्षा दल आधुनिक उपकरणों तथा प्रशिक्षित खोजी श्वानों की सहायता से पूरे कांवड़िया मार्ग, धर्मशालाओं, विश्राम स्थलों एवं

अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में एंटी-सैबोटाज जांच कर रहे हैं। अभियान के दौरान संदिग्ध वस्तुओं, विस्फोटक सामग्री अथवा किसी भी संभावित सुरक्षा खतरे की गहन जांच की जा रही है, ताकि मेले के दौरान किसी भी अप्रिय घटना की संभावना को पूरी तरह समाप्त किया जा सके। देवघर पुलिस ने स्पष्ट किया है कि श्रद्धालुओं को सुरक्षित, भयमुक्त एवं व्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से सुरक्षा एजेंसियां चौबीसों घंटे निगरानी कर रही हैं तथा मेले के प्रत्येक महत्वपूर्ण स्थल पर विशेष सतर्कता बरती जा रही है।

श्रावणी मेले में उमड़ रही भारी भीड़ के बीच यह विशेष सैनिटाइजेशन एवं सुरक्षा अभियान श्रद्धालुओं में विश्वास और सुरक्षा की भावना को मजबूत कर रहा है। पुलिस प्रशासन ने सभी श्रद्धालुओं से अपील की है कि यदि उन्हें कोई संदिग्ध वस्तु, व्यक्ति अथवा गतिविधि दिखाई दे तो इसकी सूचना तुरंत निकटतम पुलिसकर्मी या नियंत्रण कक्ष को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई कर मेले की सुरक्षा एवं व्यवस्था बनाए रखी जा सके।

ईएफ का शत-प्रतिशत वितरण, संग्रहण व डिजिटाइजेशन करने वाले बीएलओ और बीडीओ सम्मानित

झारखंड दर्शन संवाददाता

दुमका। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने सोमवार को समाहरणालय सभागार में आयोजित समारोह में ईएफ के शत-प्रतिशत वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन का कार्य सफलतापूर्वक पूरा करने वाले बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजर तथा तीन प्रखंड विकास पदाधिकारियों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने सभी सम्मानित अधिकारियों एवं कर्मियों को उत्कृष्ट कार्य के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया को सफल एवं पारदर्शी बनाने में बीएलओ तथा बीएलओ सुपरवाइजर की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उनके समर्पण, निष्ठा और समयबद्ध कार्यशैली के कारण निर्वाचन संबंधी दायित्वों का प्रभावी ढंग से निर्वहन संभव हो सका। उन्होंने कहा कि निर्वाचन कार्य टीम भावना, समन्वय और जिम्मेदारी की भावना से ही सफल होता है। सभी संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी भविष्य में भी इसी सक्रियता और प्रतिबद्धता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें, ताकि निर्वाचन प्रक्रिया की विश्वसनीयता और अधिक मजबूत हो सके। उपायुक्त ने कहा कि उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मियों का सम्मान अन्य कर्मचारियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनता है। इससे बेहतर कार्य संस्कृति का विकास होता है तथा सभी अधिकारी और कर्मचारी अपने दायित्वों के प्रति अधिक उत्तरदायी बनते हैं।

संक्षिप्त खबरें

साइकिल मिलने से छात्र-छात्राओं के चेहरे खिले, 103 विद्यार्थियों को मिला लाभ

पीपरा। पीपरा प्रखंड कार्यालय परिसर में मंगलवार को मुख्यमंत्री साइकिल योजना के तहत छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल का वितरण किया गया। कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी विनय कुमार एवं कल्याण पदाधिकारी अमित कुमार ने संयुक्त रूप से चार विद्यालयों के कुल 103 छात्र-छात्राओं को साइकिल प्रदान की। इस दौरान अधिकारियों ने कहा कि सरकार की इस योजना का उद्देश्य विद्यार्थियों को विद्यालय आने-जाने में सुविधा उपलब्ध कराना तथा शिक्षा के प्रति उनका उत्साह बढ़ाना है। साइकिल मिलने पर छात्र-छात्राओं के चेहरे खुशी से खिल उठे। छात्रों ने कहा कि अब विद्यालय आने-जाने में समय और परेशानी दोनों कम होगी, जिससे पढ़ाई पर अधिक ध्यान दे सकेंगे। इस अवसर पर स्तरोन्नत उच्च विद्यालय बभंडी, राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय यदूडीह, उत्क्रमित मध्य विद्यालय रस्सी टोला भितिहा तथा राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय गहोरा के छात्र-छात्राओं को साइकिल वितरित की गई। कार्यक्रम में विद्यालयों के प्रधानाध्यापक कमल किशोर बिहार, अफसाना खातून एवं सुरेंद्र राम सहित छात्र-छात्राएं व अन्य लोग उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री पर टिप्पणी गठबंधन धर्म के खिलाफ : सन्नी शुक्ला

मेदिनीनगर। झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता सन्नी शुक्ला ने पूर्व मंत्री के.एन. त्रिपाठी द्वारा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ दिए जा रहे बयानों पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की सार्वजनिक बयानबाजी महागठबंधन की भावना और गठबंधन धर्म के अनुरूप नहीं है। इससे कार्यकताओं के बीच भ्रम और असंतोष की स्थिति उत्पन्न होती है। सन्नी शुक्ला ने कहा कि के.एन. त्रिपाठी एक वरिष्ठ और अनुभवी नेता हैं तथा उन्हें मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में मंत्री बनने का अवसर मिला था। इसके बावजूद वे लगातार ऐसे बयान देकर केवल सुर्खियों में बने रहने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि झामुमो के कार्यकताओं ने हर चुनाव में गठबंधन धर्म का पूरी निष्ठा के साथ पालन करते हुए कांग्रेस प्रत्याशियों के समर्थन में पूरी ताकत से कार्य किया है। इसलिए कांग्रेस नेतृत्व की भी जिम्मेदारी है कि वह अपने नेताओं के ऐसे बयानों पर गंभीरता से विचार करे और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करे। सन्नी शुक्ला ने कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से आग्रह किया कि महागठबंधन की एकजुटता, अनुशासन और कार्यकताओं के मनोबल को बनाए रखने के लिए इस मामले में उचित हस्तक्षेप किया जाए। उन्होंने कहा कि जनता विकास और सुशासन की अपेक्षा रखती है, इसलिए सहयोगी दलों के नेताओं को भी सार्वजनिक मयार्दा और गठबंधन की गरिमा का पूरा सम्मान करना चाहिए।

डीएमएफटी योजनाओं को समयबद्ध पूरा करने के उपायुक्त ने दिए निर्देश

गुमला। उपायुक्त दिलेश्वर महत्तो की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट मद से संचालित विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 एवं 2026-27 के अंतर्गत स्वीकृत, निमार्णाधीन तथा पूर्ण योजनाओं की विभागवार प्रगति की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी कार्यपालक अभियंताओं को निर्देश दिया कि निमार्णाधीन योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि संबंधित अभियंता नियमित रूप से स्थलीय निरीक्षण करें तथा कार्यों की गुणवत्ता और प्रगति की सतत निगरानी सुनिश्चित करें। बैठक में ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, लघु सिंचाई प्रमंडल, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, जिला परिषद, राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम तथा ग्रामीण कार्य विभाग की योजनाओं की समीक्षा की गई। विभागों ने अपनी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। उपायुक्त ने लंबित कार्यों में तेजी लाने और सभी प्रक्रियाओं को समयबद्ध ढंग से पूरा करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि डीएमएफटी का उद्देश्य खनन प्रभावित क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं और जनकल्याणकारी सेवाओं का विकास करना है। इसलिए सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य कर योजनाओं को शीघ्र पूरा करें, ताकि आम जनता को समय पर लाभ मिल सके। बैठक में उप विकास आयुक्त अनिमेष रंजन सहित विभिन्न विभागों के कार्यपालक अभियंता एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से युवक गंभीर रूप से घायल, अस्पताल में उपचार जारी

नावा बाजार। प्रखंड के कंडा गांव निवासी 24 वर्षीय ओम सिंह आकाशीय बिजली की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद परिजनों एवं ग्रामीणों ने उन्हें तत्काल उपचार के लिए मेदिनीनगर स्थित सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कंडा गांव निवासी ओम सिंह, पिता ललन सिंह, अपने खेत में धान की फसल देखने गए थे। इसी दौरान खेत के समीप स्थित एक महुआ के पेड़ पर अचानक आकाशीय बिजली गिर गई। बिजली गिरने के प्रभाव से वह गंभीर रूप से झुलस गए और वहीं गिर पड़े। घटना की सूचना मिलते ही परिजन एवं आसपास के ग्रामीण तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे। सभी ने मिलकर घायल युवक को प्राथमिक सहायता उपलब्ध कराई और तुरंत सदर अस्पताल, मेदिनीनगर पहुंचाया। चिकित्सकों के अनुसार उनका उपचार जारी है तथा उनकी स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

बाल संरक्षण व महिला सशक्तिकरण पर उपायुक्त सख्त, कहा

कागजी नहीं, जमीनी कार्रवाई दिखनी चाहिए

झारखंड दर्शन संवाददाता

मेदिनीनगर। समाहरणालय सभागार में उपायुक्त की अध्यक्षता में बाल संरक्षण एवं महिला सशक्तिकरण को लेकर जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने सभी विभागों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं को स्पष्ट निर्देश दिया कि केवल कागजी प्रगति पर्याप्त नहीं है, बल्कि योजनाओं का प्रभाव धरातल पर दिखाई देना चाहिए। बैठक में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी नीता चौहान ने बताया कि जिले में बाल विवाह की रोकथाम, कुपोषण उन्मूलन तथा महिलाओं के विरुद्ध हिंसा रोकने के लिए लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं। आंगनबाड़ी केंद्रों एवं पंचायत स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं तथा प्रत्येक मामले की नियमित निगरानी की जा रही है। प्रशिक्षु आईएएस रितिक मेहता ने विभिन्न विभागों के बीच समन्वय और नियमित क्षेत्र भ्रमण पर विशेष बल दिया। उपायुक्त ने पुलिस विभाग को पॉक्सो, बाल विवाह और महिला उत्पीड़न से जुड़े मामलों में त्वरित एवं संवेदनशील कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। शिक्षा विभाग को विद्यालय छोड़ चुके बच्चों का पुनः नामांकन कराने तथा स्कूलों में नशामुक्ति और पॉक्सो कानून पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और होटलों में बाल श्रम के विरुद्ध सघन अभियान चलाने, बच्चों का रेस्क्यू कर पुनर्वास से जोड़ने तथा पीड़ित महिलाओं और बच्चों को त्वरित निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने का भी निर्णय लिया गया। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से जागरूकता बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। बैठक में जिला बाल संरक्षण इकाई, बाल कल्याण समिति तथा विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

भुइयां समाज के बीच वस्त्र वितरण, शिक्षा और नशामुक्ति का दिया गया संदेश

झारखंड दर्शन संवाददाता

सतबरवा। प्रखंड की धुटूवा पंचायत अंतर्गत ग्राम बोलिया में भुइयां समाज के जरूरतमंद परिवारों के बीच साड़ी, धोती एवं अन्य वस्त्रों का वितरण किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से समाज के लोगों को शिक्षा का महत्व समझाने तथा नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहने का संदेश भी दिया गया। जानकारी के अनुसार, डाल्टनगंज स्थित पुष्पांजलि रेडीमेड प्रतिष्ठान ने सैकड़ों जरूरतमंद परिवारों के लिए वस्त्र उपलब्ध कराए। इन वस्त्रों का वितरण समाजसेवी निर्दोष कुमार द्वारा ग्रामीणों के बीच किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष एवं बच्चे शामिल हुए। इस अवसर पर निर्दोष कुमार और शिक्षक बिहारी प्रसाद ने कहा कि शिक्षा ही समाज के विकास और सशक्तिकरण का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने अभिभावकों से अपने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजने की अपील की। साथ ही युवाओं से नशाखोरी जैसी कुप्रथाओं से दूर रहकर स्वस्थ एवं जागरूक समाज के निर्माण में योगदान देने का आग्रह किया। कार्यक्रम में पूर्व मुखिया कईल भुइयां, जितेंद्र भुइयां, दिलीप भुइयां, ब्रह्मदेव भुइयां, दिनू भुइयां, नगीना भुइयां सहित अनेक गणमान्य ग्रामीण उपस्थित रहे। कहा कि जरूरतमंद लोगों की सहायता के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता का संदेश देना भी अत्यंत सराहनीय कार्य है। ग्रामीणों ने आयोजनकताओं एवं दानदाताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में सहयोग, समानता और शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करते हैं।

मधुबाना हत्याकांड में मुख्य आरोपी गिरफ्तार, पुरानी रंजिश बनी हत्या की वजह

झारखंड दर्शन संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले के पिपरा थाना क्षेत्र स्थित मधुबाना गांव में हुई हत्या के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना 27 जुलाई को दोपहर करीब 1:30 बजे वीर कुंवर स्थान के समीप हुई, जहां प्रभुनाथ रजवार (50) पर धारदार हथियार बलुआ से हमला किया गया। गंभीर रूप से घायल प्रभुनाथ को पहले अनुमंडलीय अस्पताल, छतरपुर और बाद में बेहतर इलाज के लिए मेदिनीनगर मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मंगलवार को आयोजित प्रेस वार्ता में छतरपुर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी प्रशांत कुमार ने बताया कि मृतक के भाई श्याम लाल रजवार के फर्दबयान के आधार पर पिपरा थाना कांड संख्या 41/2026 दर्ज किया गया है। मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 118(2), 103(1) तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस अधीक्षक कपिल चौधरी के निर्देश पर गठित विशेष छापेमारी दल ने मुख्य आरोपी रमेश सिंह उर्फ मोरा सिंह (55), निवासी मधुबाना, को पड़वा मोड़ से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने स्वीकार किया कि पिछले वर्ष दुर्गा पूजा के दौरान हुए विवाद और गाली-गलौज की घटना के कारण वह रंजिश रखे हुए था, जिसके चलते उसने हत्या की। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त खून से सना बलुआ भी बरामद कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है तथा सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

स्कूल में पानी नहीं, डैम की ओर जाने को मजबूर बच्चे; चापाकल और चारदीवारी की मांग

झारखंड दर्शन संवाददाता

सतबरवा। प्रखंड की धावाडीह पंचायत स्थित बरहकुरवा उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय में पेयजल एवं सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव बच्चों के लिए गंभीर समस्या बन गया है। विद्यालय में चापाकल और चारदीवारी नहीं होने से छात्र-छात्राओं को प्रतिदिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। विद्यालय में अध्ययनरत छात्रा विद्या कुमारी तथा छात्र नितेश कुमार और प्रीतम कुमार ने बताया कि स्कूल में पानी की व्यवस्था नहीं होने के कारण उन्हें प्यास लगने पर घर या आसपास के लोगों के यहां जाना पड़ता है। बच्चों ने जिला प्रशासन से विद्यालय में शीघ्र चापाकल लगवाने की मांग की, ताकि उन्हें बाहर भटकना न पड़े। पानी के अभाव का असर मध्याह्न भोजन व्यवस्था पर भी पड़ रहा है। भोजन तैयार करने के लिए रसोइया और सहायिका आसपास के घरों से पानी लाती हैं। उसी पानी का उपयोग भोजन बनाने और सीमित मात्रा में बच्चों को पीने के लिए किया जाता है। गर्मी के दिनों में बच्चों द्वारा घर से लाया गया पानी भी जल्द समाप्त हो जाता है। प्रधाना ध्यापक बिंदेश्वरी सिंह ने बताया कि विद्यालय पहाड़ी एवं सुखाड़ प्रभावित क्षेत्र में स्थित है। पानी नहीं होने से शौचालय अनुपयोगी बना हुआ है और बच्चे शौच के लिए पास के डैम की ओर चले जाते हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। चारदीवारी नहीं होने के कारण विद्यालय परिसर में लगाए गए पौधे भी मवेशियों द्वारा नष्ट कर दिए जाते हैं। उन्होंने बताया कि इस संबंध में विभाग को एसडीएमआईएस एवं एसडीपी पोर्टल के माध्यम से सूचना भेजी जा चुकी है। उन्होंने जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग से विद्यालय में शीघ्र चापाकल लगाने और चारदीवारी निर्माण कराने की मांग की।

पलामू के मुद्दों पर सांसद इमरान प्रतापगढ़ी से मिले जीशान खान और शहरयार अली

झारखंड दर्शन संवाददाता

मेदिनीनगर। कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के जिला अध्यक्ष एवं मुहर्रम इंतजामिया कमेटी के जनरल सचिव जीशान खान तथा पूर्व जनरल सचिव शहरयार अली ने नई दिल्ली में राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की। मुलाकात के दौरान पलामू जिले के अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रतिनिधिमंडल ने सांसद के समक्ष क्षेत्र में शिक्षा, सामाजिक विकास, बुनियादी सुविधाओं तथा अल्पसंख्यक समाज के हितों से संबंधित विषयों को प्रमुखता से रखा। उन्होंने पलामू के लोगों की समस्याओं से अवगत कराते हुए उनके समाधान के लिए आवश्यक पहल करने का आग्रह किया। साथ ही जिले के समग्र विकास और समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए केंद्र स्तर पर प्रभावी हस्तक्षेप की अपेक्षा भी व्यक्त की। सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना और भरोसा दिलाया कि सभी विषयों पर आवश्यक स्तर पर पहल की जाएगी। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर संबंधित स्तर तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। मुलाकात के बाद जीशान खान ने कहा कि यह संवाद सकारात्मक और सार्थक रहा। उन्हें विश्वास है कि पलामू की समस्याओं को राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी ढंग से उठाया जाएगा तथा जिले को इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि समाज के अधिकारों की रक्षा, शिक्षा, विकास और जनसरोकारों से जुड़े विषयों पर उनका प्रयास आगे भी निरंतर जारी रहेगा। पूर्व जनरल सचिव शहरयार अली ने भी कहा कि जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद से क्षेत्रीय समस्याओं के समाधान का मार्ग प्रशस्त होता है।

संत रविदास की 650वीं जयंती पर छह माह तक चलेगा समरसता संकल्प अभियान

झारखंड दर्शन संवाददाता

गुमला। संत शिरोमणि गुरु रविदास की 650 वीं जयंती के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित किए जाने वाले समरसता संकल्प अभियान की जानकारी मंगलवार को गुमला जिला मुख्यालय स्थित होटल बिंदेश में आयोजित प्रेस वार्ता में दी गई। प्रेस वार्ता को जिलाध्यक्ष सागर उरांव, निवर्तमान जिलाध्यक्ष विनय कुमार लाल, पूर्व जिलाध्यक्ष अनूपचंद्र अधिकारी तथा जिला महामंत्री संदीप प्रसाद ने संयुक्त रूप से संबोधित किया। वक्ताओं ने बताया कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के नेतृत्व में यह राज्यव्यापी अभियान 29 जुलाई 2026 से प्रारंभ होकर 20 फरवरी 2027 तक चलेगा। इस अवधि में गुमला सहित पूरे झारखंड में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाकर संत रविदास के समता, सेवा, सामाजिक न्याय, सद्भाव और मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। अभियान के अंतर्गत विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक एवं जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनके माध्यम से समाज में समरसता और सामाजिक एकता को सुदृढ़ करने का प्रयास किया जाएगा। नेताओं ने कहा कि संत रविदास भारतीय संत परंपरा के महान संत थे। उन्होंने अपने जीवन और विचारों से सामाजिक भेदभाव, ऊंच-नीच तथा जातिगत विभाजन का विरोध करते हुए समानता और मानवता का संदेश दिया। उनके आदर्श आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य संत रविदास के विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना तथा सामाजिक समरसता को मजबूत करना है। इस अवसर पर कार्यकताओं से अभियान को सफल बनाने और अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया।

पौधों को प्रदूषण के खिलाफ मिसाइल बनाकर चला रहे अभियान : डॉ. कौशल

झारखंड दर्शन संवाददाता

छतरपुर। छतरपुर प्रखंड के डाली बाजार स्थित कौशल नगर के मोहनलाल खुर्जा-पार्वती देवी पार्क जैविक उद्यान में सोमवार को पर्यावरण धर्म एवं वृक्षों पर रक्षाबंधन आंदोलन की स्वर्ण जयंती के अवसर पर पौधा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पर्यावरणविद डॉ० कौशल किशोर जायसवाल ने ग्रामीणों के बीच अमरूद, काजू, आंवला, कटहल और सागवान के एक हजार पौधों का वितरण किया। पौधों के वितरण से पूर्व उपस्थित लोगों को पर्यावरण धर्म के आठ मूल ज्ञान मंत्रों की शपथ दिलाई गई तथा पौधों के संरक्षण का संकल्प कराया गया। कार्यक्रम की शुरूआत भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं ह्यमिसाइल मैनह्ल डॉ० ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। डाली बाजार की मुखिया पूनम जायसवाल और डॉ० कौशल ने माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इसके बाद पौधरोपण एवं वृक्षों पर रक्षाबंधन कर कार्यक्रम का समापन हुआ। डॉ० कौशल ने कहा कि डॉ० कलाम ने देश की सुरक्षा के लिए आकाश में उड़ने वाली मिसाइलें विकसित कीं, जबकि वे प्रदूषण रूपी शत्रु से पृथ्वी को बचाने के लिए पौधा रूपी मिसाइल धरती में रोपने का अभियान चला रहे हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 1967 में ह्यजंगल लगाओ, जंगल बचाओ तथा 1977 में पर्यावरण धम आंदोलन की शुरूआत हुई थी, जो आज स्वर्ण जयंती वर्ष में देश-विदेश तक पहुंच चुका है। मुखिया पूनम जायसवाल ने महिलाओं से पौधों की बच्चों की तरह देखभाल करने की अपील की। शिक्षक सरफराज अहमद ने डॉ० कलाम और डॉ० कौशल के पर्यावरण संरक्षण एवं राष्ट्रहित में योगदान की सराहना की। कार्यक्रम में मनोज यादव, अफजाल अंसारी, शहाबुद्दीन अंसारी, रामजी प्रसाद, जुबेर अंसारी, खालिद खान, सद्दाम हुसैन, गुलाम गौस, बाबूराम, रजी अहमद, वसीम अंसारी, धर्मदेव यादव, विनोद यादव, मुंतज़िर अंसारी, लक्ष्मण राम सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

शिलान्यास हरिहरगंज नगर पंचायत में 17 लाख की लागत से तीन पीसीसी सड़कों का शिलान्यास

गुणवत्तापूर्ण कार्य कराने का दिया गया निर्देश

वार्ड दो, चार व नौ में पीसीसी पथ का होगा निर्माण

झारखंड दर्शन संवाददाता

हरिहरगंज। हरिहरगंज नगर विकास एवं आवास विभाग के तहत हरिहरगंज नगर पंचायत क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में मंगलवार को करीब 17 लाख रुपये की लागत से बनने वाली तीन पीसीसी सड़कों का शिलान्यास किया गया। नगर पंचायत अध्यक्ष कुमारी शीला चौधरी, उपाध्यक्ष सुशील कुमार रवि, सांसद प्रतिनिधि राजीव रंजन, विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव, कार्यपालक पदाधिकारी फैजूर रहमान अंसारी, सिटी मैनेजर नजीबुल्लाह अंसारी तथा वार्ड पार्षद बृजनंदन साव उर्फ बाबू भाई और पिंकी कुमारी ने संयुक्त रूप से नारियल फोड़कर व शिलापट्ट का अनावरण कर निर्माण कार्य की शुरूआत की।शिलान्यास के दौरान जनप्रतिनिधियों ने कहा कि नगर पंचायत क्षेत्र में बेहतर सड़क संपर्क उपलब्ध कराना प्राथमिकता है।

नई पीसीसी सड़कों के निर्माण से स्थानीय लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी तथा बरसात के दिनों में कीचड़ व जलजमाव की समस्या से भी राहत मिलेगी। कार्यपालक पदाधिकारी फैजूर रहमान अंसारी ने बताया कि वार्ड संख्या दो में सियरभूका रोड पर मंटू चौधरी के घर से विनोद विश्वकर्मा के घर तक, वार्ड संख्या चार में सिनेमा हॉल रोड पर लल्लू प्रसाद के घर से तिरुपति दुकान तक तथा वार्ड संख्या नौ में एनएच-139 के अररुआ मोड़ से जग्गू चौक तक पीसीसी पथ का निर्माण कराया जाएगा।

उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा. संवेदक को निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य करने तथा समय पर योजना पूरी करने का निर्देश दिया गया है। निर्माण कार्य की नियमित निगरानी भी नगर पंचायत की ओर से की जाएगी। मौके पर जानू चौधरी, आशीर्वाद कंस्ट्रक्शन के उपेंद्र यादव व प्रकाश कुमार, जिला परिषद प्रतिनिधि राजेश राम, युवराज ट्रेडर्स के रामप्रसाद गुप्ता व रामजी पासवान, वार्ड पार्षद त्रिपुरारी राम, पवन पासवान, अवधेश मेहता, अमरजीत यादव, अनुज कुमार, महताब आलम, आकाश कुमार, पूर्व उप प्रमुख कृष्ण प्रसाद, शंभू सिंह, कलीम शाह, आनंद यदुवंशी, अशोक यादव, भोला गुप्ता, पप्पू चौधरी, शंभू साव, उमा यादव, दीपक यादव, संदीप साव, विश्वनाथ, उदय कुमार समेत बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे।

ताली चेड़ी धाम में सावन भर बलि पर रोक, पूजा-पाठ और दर्शन यथावत रहेंगे

झारखंड दर्शन संवाददाता

नावा बाजार। प्रखंड के ग्राम ताली पहाड़ी स्थित प्रसिद्ध ताली चेड़ी धाम में सावन माह के दौरान 30 जुलाई से 28 अगस्त तक किसी भी प्रकार की पशु बलि नहीं दी जाएगी। यह निर्णय ताली चेड़ी धाम ट्रस्ट समिति, बैगा समाज एवं ग्रामीणों की संयुक्त बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया।

ट्रस्ट समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि सावन भगवान शिव की आराधना का अत्यंत पवित्र महीना माना जाता है। धार्मिक आस्था एवं परंपराओं के सम्मान में पूरे सावन मास के दौरान धाम परिसर में बलि की परंपरा पर अस्थायी रोक लगाने का निर्णय लिया गया है। समिति ने स्पष्ट किया कि यह व्यवस्था केवल सावन माह तक प्रभावी रहेगी। उन्होंने कहा कि बलि पर रोक का अर्थ यह नहीं है कि मंदिर की अन्य धार्मिक गतिविधियां प्रभावित होंगी। श्रद्धालु पूर्व की भांति मंदिर में दर्शन, पूजा-अर्चना, मन्नत, प्रसाद अर्पित करने सहित सभी धार्मिक अनुष्ठान कर सकेंगे। मंदिर परिसर नियमित रूप से श्रद्धालुओं के लिए खुला रहेगा और पूजा-पाठ की सभी व्यवस्थाएं पूर्ववत संचालित होंगी।

ट्रस्ट समिति ने क्षेत्र के श्रद्धालुओं एवं ग्रामीणों से अपील की है कि वे इस निर्णय का सम्मान करें तथा सावन माह में मंदिर की धार्मिक मयार्दा, स्वच्छता और शांति बनाए रखने में सहयोग दें। समिति का कहना है कि यह निर्णय धार्मिक परंपराओं और सामाजिक सौहार्द को ध्यान में रखकर लिया गया है।

हिन्दी दैनिक झारखंड दर्शन
बोकारो, बुधवार 29 जुलाई 2026 E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

अनुज रावत बने पुरानी दिल्ली 6 के कप्तान

नई दिल्ली। आगामी दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) सीजन-3 से पहले पुरानी दिल्ली 6 फ्रेंचाइजी ने विकेटकीपर-बल्लेबाज अनुज रावत को टीम का कप्तान नियुक्त किया है। 31 जुलाई से शुरू होने वाले टूर्नामेंट में अनुज रावत के नेतृत्व में टीम खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगी। घरेलू क्रिकेट और टी20 प्रारूप में नेतृत्व का अनुभव रखने वाले अनुज रावत अनुभवी खिलाड़ियों और युवा प्रतिभाओं से सजी संतुलित टीम की कमान संभालेंगे। फ्रेंचाइजी ने उनके नेतृत्व पर पूरा भरोसा जताते हुए उन्हें टीम का आदर्श कप्तान बताया है। पुरानी दिल्ली 6 के मालिक आकाश नांगिया ने कहा कि अनुज रावत एक सिद्ध खिलाड़ी हैं, जिनमें धैर्य, परिपक्वता और खेल की गहरी समझ है। उन्होंने कहा कि शीर्ष स्तर का उनका अनुभव और साथियों को प्रेरित करने की क्षमता उन्हें टीम का सर्वश्रेष्ठ नेता बनाती है। फ्रेंचाइजी को विश्वास है कि उनके नेतृत्व में टीम पूरे सीजन शानदार प्रदर्शन करेगी। आकाश नांगिया ने यह भी कहा कि टीम का गठन अनुभवी खिलाड़ियों और उभरती प्रतिभाओं के संतुलित मिश्रण के साथ किया गया है। खिलाड़ियों ने अभ्यास के दौरान शानदार प्रतिबद्धता दिखाई है और टीम के पास चैंपियन बनने की पूरी क्षमता है। पुरानी दिल्ली 6 अपने अभियान की शुरुआत 31 जुलाई को करेगी और अनुज रावत की कप्तानी में लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हुए खिताब जीतने का प्रयास करेगी।

आधिकारिक वेबसाइट की गलती से फैला भ्रम, हाई जंप फाइनल से बाहर हुए तेजस्विन

ग्लासगो। राष्ट्रमंडल खेल 2026 में सोमवार को पुरुषों की हाई जंप स्पर्धा के फाइनल के दौरान भारतीय एथलीट तेजस्विन शंकर को लेकर आधिकारिक परिणाम वेबसाइट की बड़ी गलती से भ्रम की स्थिति पैदा हो गई। वेबसाइट पर उन्हें डीएनएस (डिड नॉट स्टार्ट) दिखाया गया, जबकि लाइव प्रसारण में वह स्कॉट्सटाउन स्टेडियम में प्रतियोगिता के लिए मौजूद दिखाई दिए। शुरूआत में वेबसाइट की इस त्रुटि से ऐसा लगा कि भारत की ओर से फाइनल में केवल दो खिलाड़ी ही हिस्सा ले रहे हैं। हालांकि कुछ ही देर बाद तेजस्विन शंकर अपने साथी खिलाड़ियों सर्वेश कुशारे और जे. आदर्श राम के साथ मैदान पर नजर आए, जिससे स्पष्ट हो गया कि वेबसाइट पर डीएनएस दिखाया जाना तकनीकी गलती थी। तेजस्विन ने 2.05 मीटर की शुरूआती ऊंचाई से अपने अभियान की शुरूआत की, लेकिन पहले प्रयास में बार पार नहीं कर सके। प्रयास के बाद मैट पर उतरते समय उन्हें असहजता महसूस हुई और वह चोट से परेशान नजर आए। इसके बाद उन्होंने प्रतियोगिता से हटने का फैसला किया और उनका हाई जंप फाइनल समय से पहले ही समाप्त हो गया। फिलहाल उनकी चोट की गंभीरता को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि इस चोट का असर राष्ट्रमंडल खेलों में उनकी आगामी डेकाथलॉन स्पर्धा में भागीदारी पर पड़ेगा या नहीं। तेजस्विन शंकर मौजूदा प्रतियोगिता में गत चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता के रूप में उतरे थे।

श्रीलंका टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम घोषित, सारांश जैन को पहली बार मौका, जडेजा की वापसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कमान एक बार फिर शुभमन गिल के हाथों में होगी, जबकि केएल राहुल को उपकप्तान बनाया गया है। इस टीम में सबसे बड़ा आकर्षण मध्य प्रदेश के अनुभवी ऑफ स्पिन ऑलराउंडर सारांश जैन का पहली बार टेस्ट टीम में चयन है। 33 वर्षीय सारांश को वॉशिंगटन सुंदर के हैमस्ट्रिंग चोटिल होने के बाद मौका मिला है। घरेलू क्रिकेट और इंडिया ए के लिए लगातार शानदार प्रदर्शन के दम पर उन्होंने राष्ट्रीय टीम में जगह बनाई है। वहीं, अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की भी टीम में वापसी हुई है। उन्हें जून में अफगानिस्तान के खिलाफ खेले गए एकमात्र टेस्ट मैच के लिए आराम दिया गया था। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और बल्लेबाज साई सुदर्शन को भी टीम में शामिल किया गया है, लेकिन दोनों का चयन बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) से फिटनेस मंजूरी मिलने पर ही प्रभावी होगा।

भारतीय खिलाड़ियों की हर जीत बन रही पूरे दल की प्रेरणा

भारोत्तोलन में शानदार प्रदर्शन, पैरा शॉटपुट में एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक तथा एथलेटिक्स में रजत पदक ने टीम इंडिया के अभियान को नई गति दी

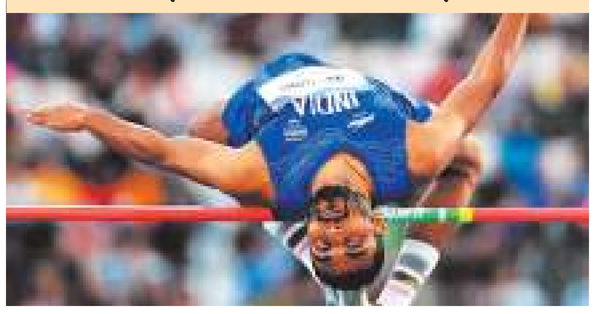

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन केवल पदक तालिका तक सीमित नहीं है बल्कि यह पूरे भारतीय दल के आत्मविश्वास और मनोबल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रहा है। किसी एक खिलाड़ी की सफलता दूसरे खिलाड़ी के लिए प्रेरणा बन रही है और यही भावना टीम इंडिया को एकजुट रखे हुए है।

भारतीय अभियान की शुरुआत पैरा पावर लिफ्टिंग में पदक से हुई, जिसके बाद भारोत्तोलन में शानदार प्रदर्शन, पैरा शॉटपुट में एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक तथा एथलेटिक्स में रजत पदक ने टीम इंडिया के अभियान को नई गति दी। इन उपलब्धियों ने पूरे भारतीय दल के भीतर यह विश्वास मजबूत किया है कि सामूहिक प्रयास से बड़ी सफलताएं हासिल की जा सकती हैं।

ओलंपिक चैंपियन मीराबाई चानू ने एक बार फिर भारोत्तोलन में भारत का नेतृत्व किया, जबकि ज्ञानेश्वरी देवी, बिंदिया रानी देवी और उनके साथियों ने राष्ट्रमंडल में भारत की मजबूत पहचान को और सुदृढ़ किया। इन खिलाड़ियों की सफलता ने केवल पदकों की संख्या नहीं बढ़ाई बल्कि पूरे भारतीय दल के आत्मविश्वास को भी नई ऊर्जा दी।

एथलेटिक्स में सर्वेश कुशारे ने पुरुष ऊंची कूद में रजत पदक जीतकर भारतीय अभियान को और मजबूती दी। चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में हासिल की गई उनकी सफलता ने एथलेटिक्स दल का उत्साह बढ़ाया है। अब सभी की निगाहें नीरज चोपड़ा, मुरली श्रीशंकर और तेजस्विन शंकर जैसे खिलाड़ियों पर हैं, जिनकी तैयारियों को भी साथी खिलाड़ियों की उपलब्धियां प्रेरित कर रही हैं।

पैरा खेलों में भी भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शॉटपुट में एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीता। इन उपलब्धियों का पूरे दल ने समान उत्साह के साथ स्वागत किया, जिससे यह संदेश गया कि सक्षम और पैरा खिलाड़ी एक ही टीम इंडिया परिवार का हिस्सा हैं।

मुक्केबाजी शिविर में भी यही माहौल देखने को मिल रहा है। ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन अपने अनुशासन और समर्पण से युवा मुक्केबाजों जादुमणि सिंह और प्रीति सहित अन्य खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनी हुई हैं। अनुभवी खिलाड़ियों के साथ अभ्यास कर युवा खिलाड़ी केवल तकनीक ही नहीं, बल्कि बड़े मंच पर खेलने का आत्मविश्वास भी हासिल कर रहे हैं।

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष डॉ. पी. टी. उषा ने मंगलवार को आईओए के हवाले से कहा कि बहु-खेल प्रतियोगिताओं की सबसे बड़ी खूबसूरती यही है कि अलग-अलग खेलों के खिलाड़ी एक-दूसरे की सफलता का समान उत्साह से जश्न मनाते हैं।

उन्होंने कहा, एक भारोत्तोलक तैराक की सफलता पर खुश होता है, मुक्केबाज एथलीट का उत्साह बढ़ाता है और लॉन बॉल्स खिलाड़ी किसी दूसरे खेल के खिलाड़ी को बधाई देता है। सभी अलग-अलग खेलों से हैं लेकिन सभी एक ही जर्सी पहन कर भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। यही भावना टीम इंडिया की सबसे बड़ी ताकत है। अब तक जीते गए हर पदक का जश्न पूरे दल ने मनाया है और यही सामूहिक गर्व उन खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ाता है, जिन्हें अभी प्रतियोगिता में उतरना है।

भारतीय दल का मानना है कि राष्ट्रमंडल खेलों की सबसे बड़ी ताकत यही सामूहिक भावना है, जहां व्यक्तिगत सपने पूरे दल की साझा उम्मीद बन जाते हैं। हर भारतीय पदक अगले खिलाड़ी के लिए प्रेरणा बन रहा है और यही विश्वास टीम इंडिया को ग्लासगो में लगातार आगे बढ़ा रहा है।

राष्ट्रमंडल खेल 2026: सर्वेश कुशारे ने ऊंची कूद में जीता रजत

एथलेटिक्स में भारत का पहला पदक

एजेंसी

ग्लासगो। भारत के स्टार हाई जंप खिलाड़ी सर्वेश कुशारे ने सोमवार (स्थानीय समयानुसार) राष्ट्रमंडल खेल 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों की ऊंची कूद स्पर्धा का रजत पदक जीत लिया। इसके साथ ही उन्होंने ग्लासगो खेलों में एथलेटिक्स में भारत का पहला पदक दिलाया।

31 वर्षीय सर्वेश ने फाइनल में 2.05 मीटर, 2.10 मीटर, 2.15 मीटर और 2.20 मीटर की ऊंचाई पहले ही प्रयास में सफलतापूर्वक पार की। इसके बाद उन्होंने 2.25 मीटर की ऊंचाई तीसरे प्रयास में पार कर रजत पदक लगभग सुनिश्चित कर लिया।

जमैका के रोमेन बेकफोर्ड ने भी 2.25 मीटर की ऊंचाई पार की, लेकिन उन्होंने यह ऊंचाई पहले प्रयास में ही पार कर ली थी। इसी आधार पर उन्हें स्वर्ण पदक मिला। इसके बाद दोनों खिलाड़ी 2.28 मीटर की ऊंचाई पार करने में तीनों प्रयासों में असफल रहे। इंग्लैंड के किमानी जैक ने 2.20 मीटर की छलांग लगाकर कांस्य पदक अपने नाम किया।

सर्वेश कुशारे शानदार फॉर्म में राष्ट्रमंडल खेलों में पहुंचे थे। उन्होंने 27 जून को भुवनेश्वर में आयोजित राष्ट्रीय अंतर-राज्य एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 2.31 मीटर की छलांग लगाकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था। इसके अलावा 2025 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की हाई जंप फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय बनकर उन्होंने इतिहास भी रचा था, जहां उन्होंने छठा स्थान हासिल किया था। भारत की ओर से इस स्पर्धा के फाइनल में तीन खिलाड़ी उतरे थे। हालांकि, तेजस्विन शंकर शुरूआती 2.05 मीटर की ऊंचाई पार करने में असफल रहने के बाद चोट के कारण मुकाबले से हट गए। इसके बावजूद बर्मिंघम 2022 के कांस्य पदक विजेता तेजस्विन पूरे मुकाबले के दौरान ट्रैक के किनारे मौजूद रहे और सर्वेश का उत्साह बढ़ाते रहे। भारत के एक अन्य खिलाड़ी जे. आदर्श राम भी फाइनल में शामिल थे।

शर्मिला ढांकर ने पैरा एथलेटिक्स में भारत को दिलाया पहला स्वर्ण; शिल्पा ने जीता कांस्य

एजेंसी

ग्लासगो। राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारत की पैरा एथलेटिक्स टीम ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। भारतीय पैरा एथलीट शर्मिला ढांकर ने स्थानीय समयानुसार सोमवार को महिलाओं की शॉटपुट एफ57 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में पैरा एथलेटिक्स में भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया।

इसके साथ ही वह राष्ट्रमंडल खेलों में पैरा एथलेटिक्स में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला भी बन गईं।

शर्मिला ने फाइनल में 9.81 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो कर शीर्ष स्थान हासिल किया और इतिहास रच दिया। एफ57 वर्ग उन खिलाड़ियों के लिए होता है, जिनके निचले अंगों में दिव्यांगता, अंगों की कमी या मांसपेशियों की शक्ति कम होती है।

इसी स्पर्धा में भारत की शिल्पा के. शायला ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। शुरूआत में शिल्पा 7.26 मीटर के साथ चौथे स्थान पर थीं, लेकिन नाइजीरिया की यूकारिया इयियाजी का 8.19 मीटर का एकमात्र वैध थ्रो तकनीकी जांच के बाद फाउल घोषित कर दिया गया। इसके बाद शिल्पा तीसरे स्थान पर पहुंच गईं और उन्हें कांस्य पदक मिला।

यह पहली बार है जब राष्ट्रमंडल खेलों की किसी एक पैरा एथलेटिक्स स्पर्धा में भारत ने दो पदक जीते हैं। शर्मिला के ऐतिहासिक स्वर्ण और शिल्पा के कांस्य ने भारतीय दल के लिए यादगार दिन बना दिया।

इन दोनों पदकों के साथ भारत का कुल पदक आंकड़ा 10 पहुंच गया है, जिसमें दो स्वर्ण, पांच रजत और तीन कांस्य पदक शामिल हैं। पदक तालिका में भारत फिलहाल आठवें स्थान पर है।

राष्ट्रमंडल खेल 2026: अजय बाबू ने भारोत्तोलन में जीता रजत पदक

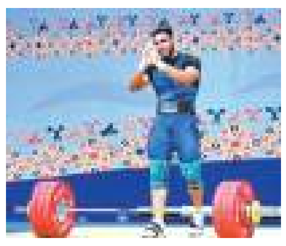

एजेंसी

ग्लासगो। राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारत के भारोत्तोलक वल्लुरी अजय बाबू ने भारतीय समयानुसार मंगलवार तड़के पुरुषों के 79 किलोग्राम भारवर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। बेहद रोमांचक मुकाबले में अजय बाबू लंबे समय तक स्वर्ण पदक की दौड़ में आगे रहे, लेकिन मलेशिया के मुहम्मद एरी हिदायत ने अंतिम प्रयास में खेलों का नया रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीत लिया।

अजय बाबू ने स्नैच स्पर्धा में 149 किलोग्राम वजन सफलतापूर्वक उठाकर राष्ट्रमंडल खेलों का नया रिकॉर्ड बनाया। दूसरे प्रयास में वह असफल रहे थे, लेकिन तीसरे प्रयास में उसी वजन को उठाकर उन्होंने शानदार वापसी की और स्नैच के बाद शीर्ष स्थान हासिल किया।क्लीन एंड जर्क में भी भारतीय खिलाड़ी ने लगातार तीनों प्रयास सफल किए। उन्होंने क्रमशः 174 किलोग्राम, 178 किलोग्राम और 181 किलोग्राम वजन उठाया। इस तरह उनका कुल वजन 330 किलोग्राम रहा और वह स्वर्ण पदक के बेहद करीब पहुंच गए।

आईएसएसएफ विश्व कप: सोनम उत्तम और हिमांशु ढिल्लों ने 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में जीता कांस्य

एजेंसी

हांगझोउ। चीन के हांगझोउ में आयोजित आईएसएसएफ विश्व कप राइफल/ पिस्टल/ शॉटगन प्रतियोगिता में भारत की सोनम उत्तम मस्कर और हिमांशु ढिल्लों की जोड़ी ने 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर देश की झोली में एक और पदक डाला। दोनों ने फाइनल में कुल 441.2 अंक (220.6-220.6) हासिल कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस स्पर्धा में चीन की दोनों टीमों ने स्वर्ण और रजत पदक अपने नाम किए।

भारतीय निशानेबाजों ने क्वालिफिकेशन राउंड में भी शानदार प्रदर्शन किया। सोनम (317.2) और हिमांशु (317.4) ने मिलकर 634.6 अंक जुटाए और फाइनल में जगह बनाई। वहीं एलावेनिल वलारिवन (316.8) और पार्थ राकेश माने (317.4) की दूसरी भारतीय जोड़ी ने 634.2 अंक के साथ फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। फाइनल में सोनम और हिमांशु ने संयमित प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक सुनिश्चित किया, जबकि एलावेनिल और पार्थ 378.8 अंक (एलावेनिल 190.5, पार्थ 188.3) के साथ चौथे स्थान पर रहे।

पदक जीतने के बाद सोनम उत्तम मस्कर ने कहा कि यह प्रतियोगिता काफी चुनौतीपूर्ण रही और यह सफलता आगामी एशियाई खेलों तथा विश्व चैंपियनशिप के लिए उनका आत्मविश्वास बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि बड़े मंच पर मिला अनुभव भविष्य की प्रतियोगिताओं में काफी मदद करेगा।

अपने करियर के पहले सीनियर आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में उतरने वाले हिमांशु ढिल्लों ने इसे यादगार उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि कोच के मार्गदर्शन और अपने खेल पर भरोसा रखने से उन्हें सफलता मिली और पहला सीनियर विश्व कप पदक जीतना उनके लिए बेहद खास पल है। 23 वर्षीय महाराष्ट्र की सोनम उत्तम मस्कर इससे पहले 2024 में काहिरा विश्व कप और नई दिल्ली विश्व कप फाइनल में रजत पदक जीत चुकी हैं।

व्यापार

स्टॉक मार्केट में मेटालिक टेक्नोफोर्ज की प्रीमियम एंट्री, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑटोमोबाइल सेक्टर के लिए पार्ट्स बनाने वाली वाली फोर्जिंग एंड मशीनिंग कंपनी मेटालिक टेक्नोफोर्ज के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूती के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 77 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 12.99 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 87 रुपये के स्तर पर हुई।

लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर 90.90 रुपये तक चढ़ गया, वहीं बिकवाली का दबाव बन जाने पर ये टूट कर 82.65 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक भी आया। हालांकि बाद में खरीदारी होने से लोअर सर्किट ब्रेक हो गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद ये शेयर 83.05 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 6.05 रुपये यानी 7.86 प्रतिशत का फायदा हो गया।

इस कंपनी का 49.96 करोड़ रुपये का आईपीओ 21 से 23 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 8.47 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 4.58 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 17.07 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन सात गुना सब्सक्राइब हुआ था।

इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 64.88 लाख नए शेयर बेचे गए हैं।

स्विगी इंस्टामार्ट के सीईओ अमितेश कुमार झा का इस्तीफा, नंदिता सिन्हा लेंगी उनकी जगह

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑनलाइन फूड और क्विक कॉमर्स सेक्टर की दिग्गज कंपनी स्विगी के इंस्टामार्ट प्लेटफॉर्म के कारोबार में बड़ा बदलाव हुआ है। इंस्टामार्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमितेश कुमार झा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है, उनकी जगह अब मिंत्रा की पूर्व सीईओ नंदिता सिन्हा कंपनी का कार्यभार संभालेंगी।

कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को बताया कि स्विगी के स्वामित्व वाले त्वरित वाणिज्य मंच इंस्टामार्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमितेश कुमार झा ने इस्तीफा दे दिया है। कंपनी की सूचना के अनुसार नंदिता सिन्हा 03 अगस्त, 2026 से मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) का पद संभालेंगी। नंदिता सिन्हा इससे पहले मिंत्रा की सीईओ थीं।

कंपनी के मुताबिक, झा ने स्विगी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (समूह) श्रीहर्ष मजेटी को भेजे अपने इस्तीफे में कहा, मैं संगठन के बाहर अन्य अवसरों को अपनाने के लिए इंस्टामार्ट के सीईओ पद से इस्तीफा दे रहा हूं।

वहीं, नई जिम्मेदारी के बारे में सिन्हा ने कहा, इंस्टामार्ट भारत में लोगों की रोजमर्रा की खरीदारी के केंद्र में है। मैं अपने सहयोगियों, भागीदारों और उपभोक्ताओं के साथ मिलकर इसकी वृद्धि के अगले चरण को आगे बढ़ाने के लिए उत्साहित हूं।

अमृतसर से हब एंड स्पोक इंटरनेशनल फ्लाइट ऑपरेशन सुविधा का शुभारंभ

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मंगलवार को अमृतसर एयरपोर्ट से हब एंड स्पोक मॉडल के तहत अंतरराष्ट्रीय उड़ान सेवाओं की शुरूआत की। इसके साथ ही वाराणसी के बाद अब अमृतसर इस व्यवस्था से जुड़ने वाला देश का दूसरा एयरपोर्ट बन गया है।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि मंत्रालय ने अमृतसर से हब एंड स्पोक अंतरराष्ट्रीय उड़ान संचालन सुविधा का शुभारंभ किया है। यह सुविधा अब तक अमृतसर से केवल सात अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए सीधी उड़ानें के लिए उपलब्ध थीं। नई व्यवस्था लागू होने के बाद यात्रियों को दिल्ली एयरपोर्ट के वैश्विक नेटवर्क का लाभ अमृतसर से ही मिल सकेगा। इससे वे 20 से अधिक अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों तक आसानी से यात्रा कर सकेंगे। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने इस अवसर पर अपने वीडियो संदेश के माध्यम से अमृतसर हवाई अड्डे पर उपस्थित सभी हितधारकों को बधाई देते हुए कहा कि हब एंड स्पोक केवल विमानन के संचालन का मॉडल नहीं है, बल्कि यह एक शानदार अवसर है। इसके लिए दिल्ली केंद्र के तौर पर काम करेगा जबकि अमृतसर पंजाब, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के लिए प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रवेश द्वार भी बनेगा। उन्होंने कहा कि अमृतसर उन भारतीय शहरों में से एक है, जिन्हें प्रवासी भारतीयों से अपने मजबूत संपर्क और बड़ी क्षेत्रीय जनसंख्या को आकर्षित करने के साथ उन्हें विश्व से जोड़ने के लिए इस बदलाव से सबसे अधिक लाभ होगा। यात्री अब एक ही चेक-इन और एक ही बैगेज टैग के जरिए अपनी पूरी अंतरराष्ट्रीय यात्रा कर सकेंगे। नागर विमानन मंत्री ने कहा कि इससे यात्रा पहले की तुलना में अधिक आसान और सुविधाजनक होगी। हर साल लगभग 1.5 लाख यात्री अमृतसर से दिल्ली अंतरराष्ट्रीय उड़ान पकड़ने के लिए जाते हैं, जबकि लगभग 1.5 लाख यात्री भी विदेश से दिल्ली होते हुए अमृतसर पहुंचते हैं।

बंगाल में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, 99 बीडीओ का तबादला

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने ग्रामीण प्रशासन को मजबूत करने के उद्देश्य से बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 99 प्रखंड विकास अधिकारियों (बीडीओ) का तबादला किया है। राज्य के कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग ने मंगलवार को इस संबंध में अधिसूचना जारी की।

मई में विधानसभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में नई सरकार बनने के बाद राज्य प्रशासन में लगातार बड़े स्तर पर बदलाव किए जा रहे हैं। इससे पहले वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस महकमे में व्यापक फेरबदल किया गया था। अब सरकार ने ग्रामीण प्रशासन की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी माने जाने वाले बीडीओ स्तर पर बदलाव शुरू किया है।

सरकारी सूत्रों के अनुसार, विधानसभा चुनाव के परिणाम घोषित होने के बाद राज्य के विभिन्न हिस्सों में त्रिस्तरीय पंचायत व्यवस्था के कई निर्वाचित प्रधान और उपप्रधान नियमित रूप से कार्यालय नहीं आ रहे थे। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिक सेवाओं और विकास कार्यों पर असर पड़ रहा था। इसी स्थिति को देखते हुए सरकार ने बड़े पैमाने पर बीडीओ का तबादला करने का निर्णय लिया।

सूत्रों का कहना है कि नई नियुक्तियों में वर्ष 2018 से 2025 बैच के युवा पश्चिम बंगाल सिविल सेवा (डब्ल्यूबीसीएस) अधिकारियों को प्राथमिकता दी गई है। सरकार का मानना है कि युवा अधिकारियों की तैनाती से ग्रामीण विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी और प्रशासनिक व्यवस्था अधिक प्रभावी बनेगी।

इसी बीच, पिछले सप्ताह विधानसभा ने पश्चिम बंगाल पंचायत (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2026 पारित किया था। सरकार का कहना है कि इस कानून का उद्देश्य पंचायत व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और प्रशासनिक दक्षता बढ़ाना है।

विधेयक के तहत पश्चिम बंगाल पंचायत अधिनियम, 1973 की कई धाराओं में संशोधन किया गया है। इसके अनुसार, पंचायत के तीनों स्तरों के निर्वाचित प्रतिनिधियों की बिल स्वीकृत करने और हस्ताक्षर करने की वित्तीय शक्तियों में कमी की जाएगी। अब निर्वाचित पंचायत प्रमुख केवल विकास प्रस्तावों को मंजूरी देंगे, जबकि भुगतान और बिलों की अंतिम स्वीकृति प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा दी जाएगी।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री दिलीप घोष ने विधानसभा में चर्चा के दौरान कहा कि इस संशोधन का उद्देश्य निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों के संवैधानिक अधिकारों को कम करना नहीं है, बल्कि ग्रामीण विकास कार्यों में भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी पर रोक लगाना है। उन्होंने कहा कि नई व्यवस्था से ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी सेवाओं का संचालन अधिक पारदर्शी और निर्बाध होगा।

आसनसोल-दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट में बड़ा फेरबदल
14 पुलिस अधिकारियों का किया गया तबादला

पश्चिम बर्दवान। आसनसोल-दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट (एडीपीसी) में पुलिस व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से बड़े पैमाने पर प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। पुलिस आयुक्त कार्यालय द्वारा जारी आदेश (सीओ संख्या 2979/2026) के अनुसार 28 जुलाई 2026 से 14 पुलिस अधिकारियों का तत्काल प्रभाव से तबादला कर उन्हें नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। सभी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से अपने नए पदस्थापन स्थल पर योगदान देने का निर्देश दिया गया है। जारी आदेश के अनुसार कोक ओवन थाना के प्रभारी एसआई (यूबी) बिजय दलापति को डिटेक्टिव डिपार्टमेंट (डीडी), एडीपीसी भेजा गया है। वहीं, हीरापुर थाना में तैनात एसआई (यूबी) अंजन मंडल को कोक ओवन थाना का नया प्रभारी बनाया गया है। चुरुलिया आउट पोस्ट के प्रभारी एसआई (यूबी) बुद्धदेव गाइन का तबादला आसनसोल दक्षिण थाना किया गया है। बिधाननगर आउट पोस्ट के प्रभारी एसआई (यूबी) सुकांत दास को जामुड़िया टीजी का प्रभारी नियुक्त किया गया है।

पश्चिम बंगाल मेडिकल काउंसिल में बड़ा फेरबदल, तीनों नामित सदस्य हटाए गए

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल मेडिकल काउंसिल में महत्वपूर्ण फेरबदल करते हुए पिछले तृणमूल कांग्रेस शासन के दौरान नियुक्त तीनों नामित सदस्यों को तत्काल प्रभाव से हटा दिया है।

जलागांव मेडिकल काउंसिल से हटाए गए सदस्यों में डॉ. निर्मल माझी, डॉ. सौरव पाल और डॉ. असिम कुमार सरकार शामिल हैं। डॉ. माझी विशेष रूप से चर्चित रहे थे, जो पिछली ममता बनर्जी सरकार में मंत्री होने के साथ-साथ तीन बार के विधायक थे।

नए नियुक्तियों में डॉ. प्राणत टुडू को शामिल किया गया है, जो पहली बार के भाजपा विधायक हैं और जनजातीय बहुल झाड़ग्राम जिले की बिनपुर सीट से विधायक हैं। उन्होंने पिछली सरकार में वन मंत्री रहीं बिरबाहा हंसदा को लगभग 23 हजार वोटों के अंतर से हराया था। अन्य दो नए नामित सदस्यों में डॉ. कल्याण आशीष मुखर्जी और डॉ. मृण्मय अधिकारी शामिल हैं।

यह फेरबदल पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद का पहला बड़ा प्रशासनिक कदम है। विपक्ष ने 2022 के काउंसिल चुनावों में भारी धांधली के आरोप लगाए थे, जिसमें डॉ. माझी का नाम मुख्य सूत्रधार के रूप में सामने आया था।

पिछले शासन के दौरान काउंसिल और विशेष रूप से डॉ. माझी कई विवादों में फंसे थे। 2024 अगस्त के आर.जी. कर बलात्कार-हत्या मामले में काउंसिल की भूमिका पर सवाल उठाए गए थे। डॉ. माझी पर अपने रिश्तेदार के पालतू कुत्ते की डायलिसिस के लिए मेडिकल कॉलेज में विशेष व्यवस्था करने का आरोप लगा था।

राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि वर्तमान काउंसिल का कार्यकाल अभी शेष है, इसलिए नए चुनाव की संभावना कम है। इसलिए मौजूदा ढांचे में ही फेरबदल के जरिए बदलाव किए जा रहे हैं। अधिसूचना के अनुसार, तीनों नए नामित सदस्य जल्द ही काउंसिल में अपनी जिम्मेदारियां संभालेंगे।

संक्षिप्त खबरें

प्रखंड प्रमुख के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव, पंचायत समिति सदस्यों ने बीडीओ को सौंपा आवेदन

अररिया। फारबिसगंज प्रखंड प्रमुख ओमप्रकाश पासवान के खिलाफ पंचायत समिति सदस्यों ने अविश्वास प्रस्ताव लाते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी को आवेदन सौंपा है। पूर्व प्रखंड प्रमुख सुरेश पासवान के नेतृत्व में करीब दो दर्जन पंचायत समिति सदस्य प्रखंड कार्यालय पहुंचे और अविश्वास प्रस्ताव से संबंधित आवेदन जमा किया। इस दौरान बड़ी संख्या में महिला पंचायत समिति सदस्य भी मौजूद रहीं। पूर्व प्रखंड प्रमुख सुरेश पासवान ने आरोप लगाया कि वर्तमान प्रखंड प्रमुख के कार्यकाल में प्रखंड क्षेत्र में अपेक्षित विकास कार्य नहीं हो पाया हैं। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों की लगातार अनदेखी की गई है, जिससे पंचायत समिति सदस्यों में असंतोष व्याप्त है। पंचायत समिति सदस्यों ने बीडीओ से अविश्वास प्रस्ताव पर नियमानुसार शीघ्र विशेष बैठक बुलाने की मांग की, ताकि मामले पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत निर्णय लिया जा सके। इस संबंध में प्रखंड विकास पदाधिकारी ने बताया कि अविश्वास प्रस्ताव का आवेदन प्राप्त हो गया है और नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मुलाकाती परिसर में मुलाकात से न्याय तक नामक लीगल एड क्लिनिक का उद्घाटन

अररिया। अररिया जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से मंडल कारा के मुलाकाती परिसर में मुलाकात से न्याय तक नामक लीगल एड क्लिनिक का शुभारम्भ किया गया। इस क्लिनिक का उद्देश्य कैदियों से मिलने आने वाले परिजनों और अन्य व्यक्तियों को तत्काल विधिक सहायता उपलब्ध कराना है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार गंजन पाण्डे ने इसका विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव रोहित श्रीवास्तव और कारा अधीक्षक सहित कई अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश गंजन पाण्डे ने बताया कि इस क्लिनिक का मुख्य उद्देश्य समाज के अधिक से अधिक लोगों तक विधिक सेवा प्राधिकार की योजनाओं और सुविधाओं को पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि बंदियों से मुलाकात करने आने वाले लोग इस क्लिनिक के माध्यम से उचित विधिक सलाह और सहायता प्राप्त कर सकेंगे, जिससे न्याय तक पहुंच आसान बनेगी। क्लिनिक के उद्घाटन के बाद जिला जज गंजन पाण्डे ने होम एवं चाइल्ड एडॉप्शन होम का भी दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों की देखभाल, गोद लेने की प्रक्रिया और कानूनी सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया।

एनसीसी कैडेट्स ने नमामि गंगे घाट पर चलाया सफाई अभियान

भागलपुर। विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेले को प्लास्टिक मुक्त और स्वच्छ बनाने की दिशा में सुल्तानगंज में मंगलवार को जागरूकता अभियान चलाया गया। जलवायु समर्थ पंचायत अभियान के तहत 25 बिहार बटालियन एनसीसी भागलपुर के कैडेट्स ने नमामि गंगे घाट पर गंगा सफाई अभियान चलाकर श्रद्धालुओं को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। घाट पर एनसीसी कैडेट्स ने प्लास्टिक और अन्य कचरे की सफाई की इस दौरान उनके हाथों में प्लास्टिक हटाओ, गंगा बचाओ जैसे संदेश लिखी तख्तियां भी थीं। कैडेट्स ने श्रद्धालुओं से अपील की कि वे पूजा सामग्री या प्लास्टिक गंगा में न फेंकें और घाट की स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें। एनसीसी कैडेट्स का कहना है कि गंगा में प्लास्टिक और कचरा फेंकने से नदी प्रदूषित होती है, जिसका असर पर्यावरण और जलीय जीवों पर भी पड़ता है। इसलिए श्रावणी मेले के दौरान लोगों को लगातार जागरूक किया जा रहा है, ताकि आस्था के साथ-साथ स्वच्छता का भी संदेश जन-जन तक पहुंचे।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने की 'बिहार गति' परियोजनाओं की समीक्षा
समयबद्ध क्रियान्वयन पर दिया जोर

एजेंसी

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को लोक सेवक आवास स्थित 'संकल्प' सभागार में 'बिहार गति' के अंतर्गत चिन्हित विकास परियोजनाओं की समीक्षा की। बैठक में राज्य में क्रियान्वित 100 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली परियोजनाओं तथा केंद्र प्रायोजित योजनाओं की प्रगति का विस्तृत आकलन किया गया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक में जल संसाधन, पथ निर्माण और स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख परियोजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि परियोजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली बाधाओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए और नियमित समीक्षा के माध्यम से कार्यों की गति बनाए रखी जाए।

जल संसाधन विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कोसी-मेची इंटर स्टेट लिंक परियोजना के निर्माण कार्य में मानसून समाप्त होते ही तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि परियोजना को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के लिए सभी संबंधित एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए। साथ ही नियमित निगरानी के माध्यम से सभी प्रशासनिक एवं तकनीकी अवरोधों का समय रहते समाधान सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने उत्तरी कोयल जलाशय परियोजना के कार्यों में तेजी लाने पर भी जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना के शीघ्र पूरा होने से सिंचाई क्षमता बढ़ेगी

और किसानों को इसका प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। वहीं, मंडई वीयर परियोजना की नियमित निगरानी करते हुए इसे निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि राज्य की सिंचाई एवं जल प्रबंधन व्यवस्था और मजबूत हो सके।

पथ निर्माण विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने वाराणसी-रांची-कोलकाता छह लेन कॉरिडोर, आमस-दरभंगा फोर लेन परियोजना तथा कन्हौली-शेरपुर (एनएच-131जी) छह लेन परियोजना के निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने भूमि अधिग्रहण, वन विभाग की स्वीकृतियों तथा अन्य प्रशासनिक बाधाओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने और सभी परियोजनाओं की नियमित समीक्षा करते हुए समयबद्ध निष्पादन पर विशेष जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन परियोजनाओं के पूरा होने से राज्य में सड़क संपर्क बेहतर होगा, आवागमन सुगम बनेगा और आर्थिक तथा औद्योगिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने 'टीबी मुक्त भारत' अभियान को और अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रोगियों की पहचान, उपचार और जागरूकता कार्यक्रमों को और सशक्त बनाया जाए, ताकि अभियान के लक्ष्य समय पर हासिल किए जा सकें।

बैठक में मुख्यमंत्री ने राज्य में कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के माध्यम से 2,000 करोड़ रुपये का फंड जुटाने का लक्ष्य तय करने और इसके लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश भी दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास, खेल, महिला सशक्तिकरण तथा अन्य जनकल्याणकारी क्षेत्रों में सीएसआर निवेश को बढ़ावा देने के लिए उद्योगों और कॉरपोरेट संस्थानों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए। इससे सरकार और निजी क्षेत्र की साझेदारी के माध्यम से विकसित और समृद्ध बिहार के निर्माण को नई गति मिलेगी।

बक्सर में बिजली चोरी के खिलाफ छापेमारी, चार पर प्राथमिकी दर्ज

बक्सर। स्थानीय थाना क्षेत्र के कुकुढा गांव में बिजली चोरी रोकने के उद्देश्य से विद्युत विभाग द्वारा विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया। इटाढ़ी पावर हाउस के कनीय विद्युत अभियंता श्रीराम कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने जांच के दौरान चार लोगों को बिजली चोरी करते हुए पकड़ा। विभाग की ओर से कुमारी चांदनी पटेल, मोहम्मद अकबर, रमेश महतो एवं असजद अंसारी के विरुद्ध बिजली चोरी अधिनियम के तहत जुमार्ना लगाते हुए इटाढ़ी थाना में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई। विद्युत विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बिजली चोरी से विभाग को राजस्व की भारी क्षति होती है और विद्युत आपूर्ति व्यवस्था भी प्रभावित होती है। इसे रोकने के लिए लगातार विशेष जांच एवं छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बिजली चोरी करने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने उपभोक्ताओं से वैध विद्युत कनेक्शन का उपयोग करने तथा बिजली चोरी से बचने की अपील की है।

सहरसा जंक्शन से 45 बोतल प्रतिबंधित कफ सिरप बरामद, एक आगिरफ्तार

एजेंसी

सहरसा। रेलवे सुरक्षा बल ने सहरसा जंक्शन से 45 बोतल प्रतिबंधित सिरप बरामद किया है, जिसकी कुल कीमत 7785,रुपये आंकी गई है। जानकारी अनुसार मंगलवार को रेलवे सुरक्षा बल के प्रभारी निरीक्षक धनंजय कुमार साथ में उनि सुजीत कुमार मिश्र,एवं प्रधान आरक्षी बीरेन्द्र कुमार, सहरसा रेलवे स्टेशन पर गश्त कर रहे थे।

गश्त के दौरान प्लेटफार्म ऑन ड्यूटी स्टाफ सीटी दिलीप कुमार मंडल, रेसुब पोस्ट मिले सभी साथ होकर आगे बढे तो सहायक अवर निरीक्षक नेहा कुमारी, मध निषेध थाना सहरसा साथ स्टाफ सभी साथ मिलकर प्लेटफार्म संख्या-02 पर चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान समय दोपहर 2.20 बजे एक व्यक्ति सफेद रंग का प्लास्टिक का झोला लिए संदिग्धावस्था में क्रू लोबी के पास देखा गया। सभी के द्वारा उक्त व्यक्ति को घेरकर रोका गया तथा उसके पास सफेद रंग का प्लास्टिक का झोला के बारे में पूछा गया तो उनके द्वारा कोई संतोषप्रद जबाब नही दिया गया तथा उनसे पूछने पर अपना नाम भरत कुमार, उम्र-25 वर्ष, पिता-फागु चौधरी, सा.-झिटकिया, थाना-सिंघेश्वर, मधेपुरा, का निवासी बताया।

उसके पास पाए गये सफेद रंग का प्लास्टिक का झोला को प्लेटफार्म पर रखवाकर खुलवाया गया तो उसमें कुल 45 बोतल प्रतिबंध सिरप प्रत्येक का मूल्य-173/- रुपया पाया गया। मौके पर सहायक अवर निरीक्षक नेहा कुमारी द्वारा समक्ष गवाहन समस्त कार्यवाही उपरांत कुल 45 बरामद प्रतिबंधित सिरप बोतल को जब्त किया गया तथा भरत कुमार को गिरफ्तार कर अग्रेतर कार्यवाही के लिए मद्य निषेध थाना, सहरसा को सौपा गया।

पानी से भरे गड्ढे में डूबने से 11 वर्षीय बच्ची की मौत, पिपराही गांव में मचा कोहराम

एजेंसी

सुपौल। जिले के पिपरा थाना क्षेत्र के दीना पट्टी पंचायत के पिपराही गांव में पानी से भरे गहरे गड्ढे में डूबने से 11 वर्षीय एक मासूम बच्ची की दर्दनाक मौत हो गई।

मृतका की पहचान पिपराही निवासी शिवकुमार ठाकुर की 11 वर्षीय पुत्री प्रियंका कुमारी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार प्रियंका सोमवार की शाम करीब चार बजे घर से निकली थी। देर शाम तक उसके वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका।

मंगलवार सुबह गांव के समीप एक ईंट-भट्ठा चिमनी के पास स्थित पानी से भरे गहरे गड्ढे में उसका शव बरामद हुआ। घटना की सूचना मिलते ही पिपरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, सुपौल भेज दिया। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। मृतका की मां लीला देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया जाता है कि प्रियंका तीन भाई-बहनों में सबसे छोटी थी। उसकी असामयिक मौत से पूरे गांव में शोक का माहौल है।

इधर, घटना के बाद ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि ईंट-भट्ठों के आसपास बने गहरे एवं खुले पानी से भरे गड्ढों की तत्काल घेराबंदी कराई जाए। उनका कहना है कि ऐसे खुले गड्ढे लगातार हादसों को न्योता दे रहे हैं। पिपरा थानाध्यक्ष किशोर कुमार ने बताया कि पानी से भरे गड्ढे में डूबने से एक 11 वर्षीय बच्ची की मौत हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मामले में यदि कोई शिकायत प्राप्त होती है तो विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

न्यायालय के आदेश पर दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज
पति समेत ससुराल पक्ष पर आरोप

एजेंसी

किशनगंज। दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर छह बच्चों की मां को ससुराल से निकाल देने का मामला सामने आया है। पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले के ग्वालपोखर थाना क्षेत्र की रहने वाली पीड़िता ने पति और ससुराल पक्ष पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने, मारपीट करने तथा घर से बेदखल करने का आरोप लगाया है। न्यायालय के आदेश पर मंगलवार को किशनगंज सदर थाना में पति सहित अन्य ससुराल वालों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है।

प्राथमिकी के अनुसार पीड़िता की शादी करीब 15 वर्ष पूर्व किशनगंज सदर थाना क्षेत्र के टेउसा निवासी शाहिद अली से हुई थी। शादी के बाद वह अपने ससुराल में रह रही थी। इस दौरान दंपति के छह बच्चे भी हुए। महिला का आरोप है कि शादी के शुरूआती वर्षों तक सब कुछ सामान्य रहा, लेकिन समय बीतने के साथ पति और उसके परिजन का व्यवहार बदल गया।

पीड़िता का आरोप है कि पति और ससुराल पक्ष के लोग दहेज में दो लाख रुपये नकद, सोने-चांदी के जेवर और एक मोटरसाइकिल की मांग करने लगे। मांग पूरी नहीं होने पर उसके साथ लगातार शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना की जाती थी। महिला ने बताया कि उसके मायके की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण परिजन दहेज की मांग पूरी नहीं कर सके।

आरोप है कि दहेज नहीं मिलने से नाराज पति ने एक दिन महिला को उसके छह बच्चों सहित घर से बाहर निकाल दिया। इसके बाद से वह अपने बच्चों के साथ मायके में रहकर जीवनयापन कर रही है। न्याय नहीं मिलने पर पीड़िता ने न्यायालय की शरण ली, जिसके बाद अदालत के निर्देश पर सदर थाना में मामला दर्ज किया गया। सदर थानाध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया कि न्यायालय के आदेश पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है और जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नवादा चेकपोस्ट पर 279.870 किलो ग्राम गांजा जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी

नवादा। जिले के रजौली स्थित बिहार-झारखंड सीमा के चित्रकोली उत्पाद चेकपोस्ट पर मंगलवार को वाहन जांच अभियान के दौरान उत्पाद विभाग ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 279.870 किलोग्राम गांजा बरामद किया। कार्रवाई उत्पाद चेकपोस्ट प्रभारी अमृत कुमार गुप्ता के नेतृत्व में की गई। नियमित और सघन जांच के दौरान उनकी सतर्कता एवं संदिग्ध वाहनों पर पैनी नजर के कारण यह बड़ी खेप पकड़ी जा सकी। स्थानीय स्तर पर भी उनकी कार्यशैली की चर्चा होती रही है, क्योंकि चेकपोस्ट पर लगातार की जा रही सख्त जांच से कई तस्करी के प्रयास विफल हुए हैं।

कार्रवाई के दौरान रजौली अंचल अधिकारी सह दंडाधिकारी गुरफान मजहरी की मौजूदगी में पंजाब नंबर ढइ-10ऋ्रऌ8369 की 407 मिनी कंटेनर की तलाशी ली गई। वाहन से बरामद गांजा का इलेक्ट्रॉनिक कांटा मंगाकर विधिसम्मत तरीके से वजन कराया गया, जिसमें कुल 279.870 किलोग्राम गांजा पाया गया। इसके बाद गांजा और वाहन को जब्त कर लिया गया।

संक्षिप्त खबरें

संसद के बाहर भाजपा सांसदों का प्रदर्शन, पंजाब के शिक्षामंत्री हरजोत सिंह बैंस के इस्तीफे की मांग

नई दिल्ली। पंजाब में कथित पेपर लीक मामले को लेकर भाजपा सांसदों ने मंगलवार को संसद परिसर के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। सांसदों ने पंजाब सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस के इस्तीफे की मांग की। भाजपा सांसदों का आरोप है कि पंजाब में परीक्षा और भर्ती प्रक्रियाओं में कथित पेपर लीक और अनियमितताओं ने लाखों छात्रों के भविष्य को प्रभावित किया है। उनका कहना है कि इस मामले की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए शिक्षा मंत्री को अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। प्रदर्शन के दौरान भाजपा सांसदों ने हाथों में तख्तियां लेकर पंजाब सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की।

जम्मू से 3029 तीर्थयात्री अमरनाथ रवाना

जम्मू। 3,029 तीर्थयात्रियों का नया जत्था मंगलवार तड़के जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच कश्मीर में बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों के अनुसार 21वां जत्था सुबह 2:45 बजे 151 गाड़ियों के काफिले में रवाना हुआ जिसमें 57 बसें, 30 मीडियम मोटर वाहन, 58 लाइट मोटर वाहन और छह दोपहिया वाहन शामिल थे। इस जत्थे में 2,310 पुरुष तीर्थयात्री, 590 महिलाएं, 14 बच्चे, 45 साधु, 40 साध्वियां और 30 विदेशी पुरुष तीर्थयात्री शामिल हैं। आज भी पहलगाम रूट के लिए कोई काफिला तय नहीं था। अधिकारियों ने बताया कि यात्रियों का जत्था मल्टी-लेयर सुरक्षा के बीच बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि इस नए जत्थे के रवाना होने के साथ ही इस साल सालाना श्री अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू बेस कैंप से निकलने वाले तीर्थयात्रियों की कुल संख्या 1,30,355 हो गई है।

प्रधानमंत्री से मिले असम के सांसद, बाढ़ की स्थिति से कराया अवगत

नई दिल्ली। असम के सांसदों ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से दिल्ली में मुलाकात की और राज्य के अलग-अलग हिस्सों में बाढ़ की मौजूदा स्थिति से अवगत कराया। प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा, 'आज असम के सांसदों से मुलाकात की और राज्य के अलग-अलग हिस्सों में बाढ़ की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की। केंद्र सरकार, प्रभावित लोगों की मदद के लिए असम सरकार के साथ मिलकर काम कर रही है। मैं सभी की सुरक्षा और भलाई के लिए प्रार्थना करता हूं।' उल्लेखनीय है कि पिछले कई दिनों से लगातार जारी मूसलाधार बारिश से पूर्वोत्तर क्षेत्र में तबाही मची हुई है। यहां बाढ़ आने से कई परिवार बेघर हो गए हैं। उनका जन-जीवन काफी प्रभावित हुआ है। फिलहाल, जिला प्रशासन, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, आर्मी और एयर फोर्स की टीमें लगातार प्रभावित क्षेत्रों में निगरानी रखे हुए हैं।

सीजेपी प्रवक्ता आशुतोष और दीपक बालियान लौटे घर

नई दिल्ली। सोशल मीडिया अभियान कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रवक्ता आशुतोष रांका और दीपक बालियान मंगलवार को जयपुर स्थित अपने घर लौट गए। यह जानकारी खुद रांका ने एक्स पर साझा की। उन्होंने कहा, 'पिछले दो महीनों से दिल्ली में विरोध-प्रदर्शन करने के बाद आज मेरे साथी दीपक बालियान और मैं जयपुर स्थित अपने घर लौट रहे हैं। हम आज शाम 5 बजे राजस्थान यूनिवर्सिटी में छात्रों से मिलेंगे।' रांका ने कहा कि जब तक हम देश की शिक्षा व्यवस्था को ठीक नहीं कर लेते, तब तक सीजेपी चुप नहीं बैठेगी। उल्लेखनीय है कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर करीब 37 दिनों तक सीजेपी ने छात्र आंदोलन चलाया।इस दौरान केंद्र सरकार से बातचीत करने वाले सीजेपी के प्रतिनिधियों में प्रवक्ता सौरव दास के साथ आशुतोष रांका भी थे।

ओडिशा में भारी बारिश का कहर, बालेश्वर में सर्वाधिक 246.6 मिमी वर्षा दर्ज

भुवनेश्वर। ओडिशा के कई जिलों में पिछले 24 घंटों के दौरान भारी से अत्यंत भारी वर्षा दर्ज की गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार मंगलवार सुबह 8:30 बजे तक राज्य के विभिन्न हिस्सों में लगातार तेज बारिश होती रही। मौसम विज्ञान केंद्र, भुवनेश्वर द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक बालेश्वर जिला सबसे अधिक प्रभावित रहा, जहां 246.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई। इसके अलावा नीलगिरि में 239.0 मिमी, जाजपुर में 236.8 मिमी और रेमुना में 222.0 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। मयूरभंज, क्योंझर और सुंदरगढ़ जिलों के कई स्टेशनों पर भी अत्यधिक वर्षा दर्ज की गई है। मौसम विज्ञान विभाग ने राज्य में पांच स्थानों पर ह्यअत्यंत भारीह्न, 24 स्थानों पर 'बहुत भारी' और 60 स्थानों पर 'भारी' वर्षा की श्रेणी दर्ज की है। मौसम विभाग के अनुसार यह स्थिति उस गहरे दबाव (डीप डिप्रेशन) के कारण बनी है, जो ओडिशा-पश्चिम बंगाल तट को पार कर अब अंदरूनी इलाकों की ओर बढ़ रहा है। लगातार बारिश के चलते कई क्षेत्रों में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। बालेश्वर जिले में जलका नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, जिससे बस्ता और सदर ब्लॉकों में सैकड़ों हेक्टेयर कृषि भूमि जलमग्न हो गई है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया दो महत्वपूर्ण नीतिगत सुधारों का अनावरण

आईसीजी ने महिलाओं को बराबर मौके देने के लिए शुरू किया 'जेंडर न्यूट्रल फ्रेमवर्क'

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के लिए दो महत्वपूर्ण नीतिगत सुधार किये गए हैं, जिनका अनावरण मंगलवार को नई दिल्ली के कर्तव्य भवन-2 में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया। इनका उद्देश्य अधिकारियों की भर्ती और सेवा शर्तों में लैंगिक समानता को बढ़ावा देना और ड्यूटी के दौरान समुद्र में लापता हुए कर्मियों के परिवारों को अनुग्रह राशि प्रदान करने की प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना है। रक्षा मंत्री ने कहा कि नारी शक्ति के लिए हमारे पक्के वादे के मुताबिक हमने आईसीजी में महिला अधिकारियों के इंडक्शन, ट्रेनिंग और स्थाई नियुक्ति में बराबर मौके पक्का करने के लिए एक 'जेंडर न्यूट्रल फ्रेमवर्क' शुरू किया है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि इसके अलावा कोस्ट गार्ड के जवानों की पूरी भलाई पक्का करने के लिए हमने ड्यूटी के दौरान समुद्र में लापता होने वाले जवानों के अगले परिजनों के लिए एक्स-ग्रेशिया और सपोर्ट प्रोसेस को आसान और तेज

समुद्र में लापता कर्मियों के लिए अनुग्रह राशि देने की प्रक्रिया को सरल बनाया गया

दूसरे नीतिगत सुधार से उन कर्मियों के परिजनों को राहत और प्रशासनिक सुगमता मिलेगी, जो दुर्भाग्यवश कर्तव्य निभाते हुए समुद्र में लापता हो जाते हैं। इस नीति की प्रमुख विशेषताओं में से एक यह अधिकार है कि कर्तव्य के दौरान समुद्र में लापता हुए आईसीजी कर्मियों को अनुग्रह राशि के भुगतान हेतु 'मृत मान लिया जाए।' यह सुधार परिजनों को अनुग्रह राशि और अंतिम लाभ प्रदान करने की प्रक्रिया को अत्यधिक सरल और त्वरित बनाता है। यह उपाय सुनिश्चित करता है कि मानसिक आघात के समय वीर कर्मियों के परिवारों को लंबे प्रशासनिक विलंब का सामना न करना पड़े।

कर दिया है। एक शुक्रगुजार देश उन लोगों के परिवारों के साथ मजबूती से खड़ा है, जो हमारी समुद्री सीमाओं की रक्षा करते हैं। रक्षा मंत्री ने पिछले पांच दशकों में आईसीजी की असाधारण सेवा की सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि ये दूरदर्शी नीतियां बल के मनोबल और प्रचालनगत क्षमता को और सुदृढ़ करेंगी, क्योंकि यह 2027 में अपनी स्वर्ण जयंती की ओर बढ़ रहा है।

जेंडर-न्यूट्रल प्रवेश एवं कैरियर प्रगति पहली नीति निर्देश आईसीजी में अधिकारियों की भर्ती के लिए जेंडर-न्यूट्रल ढांचा लागू करके एक व्यापक, महिला-केंद्रित दृष्टिकोण स्थापित करती है। नीति की मुख्य विशेषताओं में महिला उम्मीदवारों को उनके पुरुष समकक्षों के समान अल्पकालिक सेवा नियुक्तियों (एसएसए) और स्थायी नियुक्तियों (पीए) में शामिल करना शामिल है। एसएसए का विकल्प पुरुष उम्मीदवारों के लिए भी खोल दिया गया है। यह नीति प्रारंभिक प्रशिक्षण चरण से ही कैरियर में प्रगति के समान अवसर सुनिश्चित करती है। विद्यमान महिला पीए अधिकारियों को भी पात्रता शर्तों की पूर्ति के अधीन उच्च पदों पर पदोन्नति के लिए विचार किया जाएगा। एसएसए पर कार्यरत वर्तमान महिला अधिकारियों को भी निर्धारित शर्तों की पूर्ति के अधीन अपनी सेवा को पीए में परिवर्तित करने का विकल्प प्रदान किया जाएगा। यह प्रगतिशील कदम नारी शक्ति और राष्ट्र के समुद्री सुरक्षा तंत्र में समान अवसर के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

संशोधन विधेयक शिक्षा व्यवस्था की विफलता छिपाने का प्रयास : गौरव

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में मंगलवार को पेपर लीक के दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई से जुड़े विधेयक पर विपक्ष की ओर से चर्चा की शुरूआत कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने की। सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि सरकार शिक्षा व्यवस्था में वास्तविक सुधार करने के बजाय केवल कानूनों में संशोधन कर रही है। ऐसे में विपक्ष छात्रों की मांगों और निष्पक्ष परीक्षा व्यवस्था के पक्ष में खड़ा रहेगा।

लोकसभा में लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि सरकार को नए कानून लाने के बजाय परीक्षा प्रणाली की कमजोरियों को दूर करना चाहिए। गोगोई ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। उनके अनुसार परीक्षा संस्थानों में जवाबदेही सुनिश्चित किए बिना सुधार संभव नहीं है।

गोगोई ने कहा कि परीक्षा में अनियमितताओं और असफलता के कारण छात्रों में मानसिक तनाव बढ़ रहा है। सरकार को केवल दंड बढ़ाने के बजाय ईमानदार छात्रों का भविष्य प्रभावित करने वाली परिस्थितियों को समाप्त करना चाहिए। गोगोई ने कहा कि पेपर माफिया, परीक्षा केंद्रों, प्रिंटिंग प्रेस, कोचिंग संस्थानों, आउटसोर्सिंग व्यवस्था और परीक्षा संचालन से जुड़ी खामियों पर व्यापक सुधार आवश्यक है। पूर्व में गठित उच्चस्तरीय समिति की सिफारिशों का अपेक्षित परिणाम भी सामने नहीं आया और दोबारा पेपर लीक की घटनायें हुई।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 में भी सरकार ने इसी प्रकार का कानून लाकर दावा किया था कि इससे पेपर लीक पूरी तरह रुक जाएंगे लेकिन दो वर्ष के भीतर फिर बड़े स्तर पर परीक्षा घोटाले सामने आ गए। उनके अनुसार इससे स्पष्ट होता है कि केवल दंड बढ़ाने से समस्या का समाधान नहीं होगा।

उनके अनुसार शिक्षा व्यवस्था का उद्देश्य युवाओं को अवसर देना होना चाहिए। किसी भी छात्र के लिए सड़क पर उतरना आसान नहीं होता और ऐसा तभी होता है जब उसके भीतर गहरा असंतोष और निराशा हो।

परभणी-मुदखेड़ रेलखंड पर क्षमता बढ़ाने को इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन सिस्टम होगा अपग्रेड

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने नेटवर्क क्षमता बढ़ाने और परिचालन दक्षता में सुधार के उद्देश्य से दक्षिण मध्य रेलवे के नांदेड़ मंडल के परभणी-मुदखेड़ दोहरी लाइन रेलखंड पर इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन प्रणाली के उन्नयन को मंजूरी दी है। 163 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना के तहत विद्युत आपूर्ति से जुड़े आवश्यक कार्य भी किए जाएंगे।

रेल मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि परियोजना के तहत 164 ट्रैक किलोमीटर लंबे रेलखंड पर मौजूदा 1गुणा25 केवी इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन प्रणाली को अत्याधुनिक 2गुणा25 केवी प्रणाली में परिवर्तित किया जाएगा। इसके साथ ही बढ़े हुए विद्युत भार को संभालने के लिए बिजली आपूर्ति अवसंरचना को भी सुदृढ़ किया जाएगा।

वंदे भारत संचालन को मिलेगा बल

परभणी-मुदखेड़ रेलखंड रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हाईली यूटिलाइज्ड नेटवर्क (एचयूएन) रूट-9 का हिस्सा है, जो अजमेर-इंदौर-खंडवा-अकोला-पूर्णा-मुदखेड़-सिकंदराबाद-महबूबनगर-धोने को जोड़ता है। मंत्रालय के अनुसार, ट्रैक्शन प्रणाली के उन्नयन से रेलखंड पर ट्रेनों के संचालन के लिए अधिक विश्वसनीय और मजबूत विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होगी। इससे माल ढुलाई क्षमता में वृद्धि होगी और वंदेभारत एक्सप्रेस जैसी आधुनिक ट्रेनों के संचालन को भी बेहतर समर्थन मिलेगा।

रेलवे का कहना है कि यह परियोजना वर्ष 2029-30 तक 3,000 मिलियन टन माल ढुलाई के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान देगी। साथ ही, यह उच्च घनत्व वाले रेल मार्गों पर विद्युत अवसंरचना के आधुनिकीकरण और परिचालन दक्षता बढ़ाने की भारतीय रेलवे की सतत पहल का हिस्सा है।

ट्विशा मौत मामले में गिरिबाला और समर्थ सिंह की न्यायिक हिरासत 11 अगस्त तक बढ़ी

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के बहुचर्चित ट्विशा शर्मा मौत मामले में सीबीआई की विशेष अदालत ने मंगलवार को दोनों मुख्य आरोपितों सास गिरिबाला सिंह और पति समर्थ सिंह की न्यायिक हिरासत 11 अगस्त तक बढ़ा दी है। सुनवाई के दौरान आरोपियों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेशी हुई। बचाव पक्ष द्वारा वॉइस सैंपल प्रक्रिया और रिमांड बढ़ाने पर आपत्ति जताई गई, जिसे अदालत ने खारिज करते हुए सीबीआई की अर्जी स्वीकार कर ली। भोपाल के चर्चित ट्विशा मामले में आज ड्यूटी मजिस्ट्रेट की अदालत में सुनवाई हुई। ट्विशा पक्ष के अधिवक्ता शुभांग दीक्षित ने बताया कि जमानत अर्जी

● वीसी के माध्यम से हुई पेशी, अदालत ने सीबीआई की अर्जी की स्वीकार

खारिज होने के बाद न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने पर आरोपित गिरिबाला सिंह और उनके बेटे समर्थ सिंह की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) के जरिए अदालत में पेशी कराई गई। सुनवाई के दौरान मृतका ट्विशा के पिता और भाई भी अदालत परिसर में मौजूद रहे। मामले की गंभीरता और जांच की संवेदनशीलता को देखते हुए अदालत ने सीबीआई के आवेदन को स्वीकार करते हुए दोनों आरोपितों की ज्यूडिशियल रिमांड 11 अगस्त तक बढ़ाने के आदेश जारी किए।

उत्तराखंड में मूसलाधार बारिश, चारधाम यात्रा पर दो दिन की रोक

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को व्यापक रूप से प्रभावित किया है। चारधाम यात्रा मार्गों पर भू-स्खलन और भारी वर्षा की चेतावनी को देखते हुए चारधाम यात्रा को दो दिन (28 और 29 जुलाई) को रोक दिया गया है। गढ़वाल आयुक्त आनंद स्वरूप ने कहा कि चारधाम यात्रा मार्गों पर कई स्थानों पर हुए भू-स्खलन श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए 28 और 29 जुलाई के लिए चारधाम यात्रा को स्थगित कर दिया गया है। मौसम अनुकूल होने और मार्ग सुरक्षित होने के बाद यात्रा पुनः शुरू की जाएगी। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से निर्धारित अवधि तक यात्रा पर न निकलने और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करने की अपील की है। मौसम विज्ञान केंद्र, देहरादून के अनुसार, राज्य में अगले दो दिनों तक कई जिलों में भारी से बहुत भारी वर्षा तथा कुछ स्थानों पर अत्यंत तीव्र वर्षा का दौर जारी रहने की संभावना है। मंगलवार को उत्तरकाशी, देहरादून, टिहरी, रुद्रप्रयाग, चमोली, पौड़ी, हरिद्वार, नैनीताल, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों के लिए भारी से बहुत भारी वर्षा, आकाशीय बिजली और तीव्र बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। 29 जुलाई को भी उत्तरकाशी, देहरादून, टिहरी, रुद्रप्रयाग, चमोली, नैनीताल और बागेश्वर में इसी तरह की स्थिति बने रहने का अनुमान है।

फर्जी कॉल सेंटर मामले में ईडी ने मास्टरमाइंड को किया गिरफ्तार

एजेंसी

हैदराबाद। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने फर्जी कॉल सेंटर के जरिए अमेरिकी नागरिकों से साइबर ठगी और धनशोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) के मामले में मुख्य आरोपित विकास कुमार निमार उर्फ मिस्टी को गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसी का आरोप है कि निमार देश के विभिन्न शहरों से संचालित एक संगठित साइबर ठगी नेटवर्क का मास्टरमाइंड था, जो खुद को तकनीकी सहायता (टेक्निकल सपोर्ट) कर्मी बताकर अमेरिकी नागरिकों को अपने जाल में फंसाता था।

ईडी के अनुसार, आरोपित को सोमवार को गिरफ्तार किया गया। मंगलवार को उसे अदालत में पेश किया गया, जहां से न्यायालय ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया। एजेंसी अब मामले में शामिल अन्य आरोपितों, वित्तीय लेनदेन और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की भी जांच कर रही है। जांच एजेंसी के मुताबिक, विकास कुमार निमार ने हैदराबाद में एक फर्जी कॉल सेंटर स्थापित किया था। यहां से प्रशिक्षित कर्मचारियों के माध्यम से अमेरिकी नागरिकों को फोन किए जाते थे और खुद को प्रतिष्ठित तकनीकी कंपनियों का कर्मचारी बताकर उनसे संपर्क किया जाता था। इसके बाद कंप्यूटर या अन्य डिजिटल उपकरणों में तकनीकी खराबी, वायरस संक्रमण अथवा सुरक्षा संबंधी समस्या का झांसा देकर लोगों से संपर्क स्थापित किया जाता था। जांच में यह भी सामने आया है कि कथित तौर पर पीड़ितों को डराकर या भ्रमित कर उनसे बड़ी रकम वसूली जाती थी।

ईडी ने वर्ष 2023 में मधापुर थाने में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जांच शुरू की थी। जांच के दौरान एजेंसी ने संदिग्ध बैंक खातों, विदेशी फंड ट्रांसफर और वित्तीय लेनदेन का विश्लेषण किया। प्रारंभिक जांच में ऐसे साक्ष्य मिलने का दावा किया गया है, जिनसे संकेत मिलता है कि गिरोह ने अमेरिकी नागरिकों को धमकाकर और धोखाधड़ी के माध्यम से करोड़ों रुपये एकत्र किए तथा इस धन को विभिन्न माध्यमों से वैध दिखाने का प्रयास किया। ईडी की जांच में यह भी सामने आया है कि विकास कुमार निमार हैदराबाद, विशाखापत्तनम, लखनऊ समेत देश के कई शहरों में साइबर कॉल सेंटर संचालित करता था। एजेंसी का आरोप है कि उसने 'वीसी सॉल्यूशंस' नाम से कई कॉल सेंटर स्थापित किए थे। इन संस्थानों के बैंक खातों की जांच में बड़ी मात्रा में नकद जमा होने और संदिग्ध वित्तीय गतिविधियों के प्रमाण मिले हैं। एजेंसी अब इन खातों से जुड़े लेनदेन और लाभार्थियों की भी पड़ताल कर रही है।

कावेरी जल विवाद : कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच गहराता नजर आ रहा विवाद

सीडब्ल्यूआरसी की तमिलनाडु को 15 दिन तक प्रतिदिन 3,500 क्यूसेक पानी छोड़ने की सिफारिश, कर्नाटक ने जताई आपत्ति

एजेंसी

बेंगलुरु/नई दिल्ली। कावेरी जल बंटवारे को लेकर एक बार फिर कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच विवाद गहराता नजर आ रहा है। कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) ने तमिलनाडु के लिए 15 दिनों तक प्रतिदिन 3,500 क्यूसेक पानी छोड़े जाने की सिफारिश की है। इस अवधि में कुल लगभग चार टीएमसी पानी छोड़े जाने का सुझाव दिया गया है।

नई दिल्ली में वर्चुअल माध्यम से आयोजित समिति की बैठक में कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। विभिन्न राज्यों की ओर से जल उपलब्धता और मौजूदा स्थिति पर चर्चा के बाद समिति ने अपनी सिफारिश जारी की।

समिति की सिफारिश पर कर्नाटक सरकार ने आपत्ति जताई है। राज्य के जल संसाधन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कहा कि कर्नाटक स्वयं जल संकट का सामना कर रहा है और इस वर्ष अपेक्षित वर्षा नहीं होने के कारण जलाशयों में पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में राज्य के लिए पेयजल की आवश्यकता सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे पर

मुख्यमंत्री से चर्चा के बाद आगे की रणनीति तय की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर कर्नाटक सरकार कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) के समक्ष अपना पक्ष मजबूती से रखेगी।

उधर, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक ने इस मुद्दे पर राज्य सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी बयान में आरोप लगाया कि जल संकट और सूखे जैसी परिस्थितियों के बावजूद राज्य सरकार कर्नाटक के हितों की प्रभावी ढंग से रक्षा करने में विफल रही है। आर. अशोक ने मुख्यमंत्री और जल संसाधन मंत्री से अधिकारियों तथा विधि विशेषज्ञों की तत्काल बैठक बुलाने की मांग की। उन्होंने कहा कि कावेरी जल विनियमन समिति की सिफारिश के विरुद्ध कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण में अपील दायर कर राज्य का पक्ष तथ्यों और उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर मजबूती से रखा जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि कर्नाटक में जलाशयों की वास्तविक स्थिति और जल उपलब्धता से जुड़े आंकड़ों को प्राधिकरण के समक्ष प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना आवश्यक है। साथ ही उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी भी परिस्थिति में राज्य के हितों से समझौता नहीं किया जाना चाहिए और कावेरी जल बंटवारे के मुद्दे पर सरकार को अत्यंत सावधानी और दूरदर्शिता के साथ निर्णय लेना चाहिए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक निमिषा कुमारी द्वारा शिवा साईं पब्लिकेशन प्रा० लि० काठीटांड़, रातू रांची, झारखंड 835222 से मुद्रित व 364, को ऑपरेटिव कालोनी, बोकारो स्टील सिटी, बोकारो, 827003 से प्रकाशित। प्रबंध संपादक विनय कुमार तिवारी* (*पी आर बी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) आर एन आई न०- JHA/HIN/ 2018/ 76658 फोन न०8340571405, 9955023741